जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 223 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 14 जून, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

परु की एंडीज़ पहाड़ियों में एक ऐसा जानवर रहता है जो पूरे विश्व में बहुमूल्य माना जाता है। हालांकि यह जानवर लामा परिवार का है परंतु इसे विकूनिया कहकर बुलाते हैं। छरहरे व 1.8 मीटर लम्बे शरीर वाले विकूनिया के चमकीले अयाल इसकी विशेष पहचान हैं। इसका ऊनी फर बहुत ही चमकदार, नर्म और गर्म होता है और बेहद कीमती कैशमिअर ऊन से भी महंगा बिकता है। विकूनिया का ऊन एंडीज़ पहाड़ियों पर 4000 मीटर की ऊंचाई और कड़ाके की ठंड में भी गर्माहट देता है। तेरहवीं सदी के प्री कोलम्बियन दौर में इंका साम्राज्य में विकूनिया बेहद सम्मानित था। इसकी ऊन सोने जितनी कीमती थी और राजपरिवार के लोग ही इसका उपयोग कर सकते थे। इंका लोगों के लिए विकूनिया का फर उतारना एक पवित्र प्रक्रिया थी। विकूनिया को बड़े-बड़े झुण्डों में एकत्र करके एक साथ सबकी ऊन उतारी जाती थी, फिर सबको छोड़ दिया जाता था, कोई भी विकूनिया को मारता नहीं था। इस प्रक्रिया को ''चाकू'' कहते थे। तथापि, वर्ष 1532 तक इस क्षेत्र पर स्पेन का कब्जा हो गया, उन्होंने यहां की परम्पराओं को तोड़ दिया और विकूनिया वूल को ''प्रॉफिटेबल कमोडिटी'' का दर्जा दिया गया, बिल्कुल वैसे ही जैसे पुराने जमाने में रेशम को प्राप्त था। स्पैनिश लोग विकूनिया की हत्या करने से भी परहेज नहीं करते थे। उस दौर में लाखों भेड़ों को मार डाला गया। वर्ष 1960 में जब मात्र 6000 विकूनिया ही बचे थे, तब परु की सरकार ने इसे संकटग्रस्त प्रजाति का दर्जा दिया और एक बार फिर इनके शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया गया। अजाकूचो क्षेत्र में 40 वर्ग मील का विकूनिया रिज़र्व बनाया गया जिसका नाम है पैम्पा गलेरास। आज क्षेत्र में दो लाख विकूनिया हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विकूनिया का ऊन उतारने की प्राचीन चैकू परम्परा फिर से शुरु की गई है, जिसे देखने बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। विकूनिया के शरीर पर दोबारा ऊनी फर विकसित होने में काफी समय लग जाता है इसलिए एक विकूनिया के शरीर से दो साल में एक बार ही ऊन उतारी जाती है। एक जानवर से सिर्फ 200 से 500 ग्राम तक ही ऊन मिलती है। विश्व में लगभग सभी जगह एक किलो विकूनिया ऊन 400 से 600 डॉलर तक में बिकती है। विकूनिया ऊन अपने धागों में गर्माहट व हवा को ट्रैप कर लेती है जिससे गर्माहट बनी रहती है। कैशमिअर, जो विश्व की सर्वाधिक लोकप्रिय ऊन है, विकूनिया ऊन से दस गुना ज्यादा भारी है।

शरद पवार विपक्ष के राष्ट्रपति पद के सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में उभरे

गैर भाजपा पार्टियों की इस मुद्दे पर हुई बैठकों में यह सोच सामने आया कि, नवीन पटनायक व नीतीश कुमार भी शरद पवार के समर्थन में आ जायेंगे, अगर उन दोनों से होशियारी व समझदारी से बात की जाये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। पूर्व केन्द्रीय मंत्री तथा तीन बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके शरद गोविन्द राव पवार देश के सर्वोच्च पद के लिये विपक्ष के सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में उभर रहे हैं। जुलाई में होने वाले इस चुनाव के सिलसिले में, ग़ैर भाजपा दलों की मीटिंगों से प्राप्त संदेश ऐसा कह रहे प्रतीत हो रहे हैं।

ग़ैर भाजपा राजनैतिक हल्कों में यह सोच प्रबल होती जा रही है कि अगर इस मुद्दे पर पूरी निपुणता एवं कौशल से काम लिया जाये तो कई पार्टियाँ, जैसे ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का बीजू जनता दल तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जनता दल (यूनाइटेड), पवार का समर्थन कर सकती हैं।

एक नेता ने कहा कि अगर पवार चुनाव मैदान में उतरने के लिये सहमत हो जाते हैं तो चुनावी लड़ाई दिलचस्प हो जायेगी क्योंकि उस स्थिति में भाजपा को अपने उम्मीदवार को जिताने के लिये अपना सब कुछ चुनाव में झोंक देना पड़ेगा।

- गत सप्ताह कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे इस मुद्दे पर सोनिया गांधी का संदेश लेकर शरद पवार से मुम्बई में मिले थे।
- रविवार को केजरीवाल की पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने भी इस मुद्दे पर शरद पवार से फोन पर बात की।
- खड़गे ने शिव सेना के नेता व महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व तमिलनाडू के मु.मंत्री स्टालिन से भी इस प्रस्ताव पर बात की है।
- खड़गे ने बंगाल के मु.मंत्री ममता बनर्जी से भी इस मुतल्लिक टेलीफोन से बात की।
- भाजपा की ओर से अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को अधिकृत किया गया है कि, अन्य पार्टियों से बात करें तथा एक सर्वसम्मति बनाने का प्रयास करें, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिये।
- 2017 के राष्ट्रपति के चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार के लिए, तेलंगाना राष्ट्र समिति के चन्द्रशेखर राव, वाई.एस.आर. के जगन रेड्डी तथा बी.जे.डी. के नवीन पटनायक ने भाजपा (एन.डी.ए.) को समर्थन दिया था।
- पर, इस बार टी.आर.एस. के चन्द्रशेखर राव, पार्टियों को संगठित कर रहे हैं, भाजपा की खिलाफत करने के लिये।

बताया जाता है कि कांग्रेस ने राष्ट्रपति पद के लिये शरद पवार के समर्थन का अपना संदेश प्रेषित कर दिया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के समर्थन संदेश के साथ पिछले गुरुवार को शरद पवार से भेंट की थी। दोनों की यह मीटिंग मुम्बई में हुई थी।

सूत्रों का कहना है कि हालाँकि एन.सी.पी. नेता ने सोनिया के इस सुझाव पर उस समय तत्काल तो कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी, लेकिन पवार इस प्रस्ताव को धीरे-धीरे स्वीकार करते नजर आ रहे हैं। रविवार को, पवार को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''लंच ब्रेक'' के दौरान राहुल गांधी गंगाराम अस्पताल गये

वहां भर्ती सोनिया गांधी को ई.डी. द्वारा की जा रही पूछताछ की ''ब्रीफिंग'' दी

- जैसा कि विदित ही है, ई.डी. ने अभी तक राहुल गांधी व सोनिया गांधी को केवल एक नोटिस भेजा था पूछताछ के लिये उपस्थित होने के लिये। कोई ''चार्ज-शीट'' जैसा कागज नहीं दिया है कि, क्या पूछताछ करना चाहता है ई.डी. और न ही कोई एफ.आई.आर. दर्ज की है और न कोई केस दर्ज कराया है।
- अतः अभी राहुल गांधी की टीम अंधेरे में है कि, राहुल व सोनिया से क्या पूछताछ की जायेगी।
- केस दर्ज नहीं होने के कारण, राहुल गांधी व सोनिया गांधी, न्यायालय की शरण में नहीं जा सकते, राहत पाने के लिये और अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिये।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, सोमवार को लंच-ब्रेक का लाभ उठाते हुये, यहाँ गंगाराम अस्पताल में भर्ती अपनी मां कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के पास पहुंच गये तथा नैशनल हैरल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों द्वारा पहले राउन्ड में उनसे पूछे गये प्रश्नों की जानकारी उनको दी। इसके तुरन्त बाद, वे पूछताछ के दूसरे राउन्ड के लिये प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर में लौट आये। ज्ञातव्य है कि सोनिया गांधी रविवार दोपहर बाद से कोविड-19 के इलाज के लिये गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं। अब उनकी हालत में सुधार है।

नैशनल हैरल्ड केस में कथित मनी लॉन्डरिंग को लेकर पूछताछ के लिये ई.डी. ऑफिस में उपस्थित होने के लिये इन दोनों (सोनिया तथा राहुल) को सम्मन भेजे गये हैं। इन सम्मनों के अलावा, कांग्रेस किन मुद्दों के लिए सम्मन भेजे गए है। कोई जानकारी या संकेत नहीं दिया गया है। बताया जाता है कि राहुल ने संबंधित अधिकारियों से यह कह दिया कि प्रवर्तन कार्यालय उन्हें समुचित नोटिस दे, जिसमें संबंधित मुद्दों का उल्लेख किया गया हो, जिससे वे उन बिन्दुओं का समुचित जवाब दे सकें।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि रणनीति यह है कि अगर मुद्दों की जानकारी हो जाती है तो ई.डी. की दुर्भावनापूर्ण कार्यवाही को अदालत में चुनौती देते हुये कहा जा सकता है कि मनगढंत केस, जिसमें कोई सार या तत्व नहीं है, को लेकर पार्टी नेताओं को परेशान किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि अगर ई.डी. के पास कोई ठोस कारण होते तो वह एफ.आई.आर. दर्ज करा चुका होता।

ई.डी. सूत्रों ने कहा कि पहले राउन्ड की पूछताछ प्रवर्तन निदेशालय के दो शीर्ष अधिकारियों- उप निदेशक एवं सहायक निदेशक- द्वारा की गई। पूछताछ की वीडियो-ट्रैपिंग हुई है तथा पूछताछ के अन्त में रिकॉर्डेड बयान की एक प्रति राहुल को दी जायेगी।

ए.आई.सी.सी. मुख्यालय, जिस पर दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी, पर एक बड़ा राजनैतिक हंगामा हुआ तथा 20 कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता हिरासत में ले लिये गये। सैकड़ों पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ई.डी. कार्यालय तक राहुल के साथ जाने के लिये पुलिस कार्यवाही का सामना किया। ई.डी. कार्यालय कांग्रेस मुख्यालय से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर इण्डिया गेट के पास स्थित है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वेणुगोपाल

- हाल ही में कोविड की मार से उठे, कांग्रेस महासचिव पुलिस की कार्यवाही के दौरान मूर्छित हुए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल एक हफ्ते तक कोविड-19 पॉज़िटिव रहने के बाद रविवार को ही रिकवर हुए थे, कि धारा 144 के उल्लंघन के आरोप में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद वह पुलिस हिरासत में ही बेहोश हो गए।

गिरफ्तार होने वालों में पार्टी महासचिव एवं मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और वी. श्रीधरन शामिल हैं, जिन्होंने दिल्ली व पूरे देश में आयोजित विरोध ''सत्याग्रह'' में भाग लिया था। ये लोग सफदरजंग पुलिस स्टेशन में बंद थे, जहां कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उनसे मुलाकात की। पुलिस मुख्य द्वार के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार ''फूड व फ्यूल'' के दाम घट नहीं रहे

ये मूल्य क्यों नहीं घट रहे, इस मुद्दे पर कई ''थ्योरी'' हो सकती हैं, पर गरीब व मध्यम वर्ग पर संकट भारी है, जिसे नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। खाद्य पदार्थों और ईंधन की बेलगाम कीमतों ने भारत की खुदरा मंहगाई को उच्च स्तरों पर रखा हुआ है।

केन्द्र सरकार के सांख्यिकी विभाग ने आज मंहगाई के नवीनतम आंकड़े जारी किए, उनसे संकेत मिला कि खुदरा कीमतों की गणना करने वाले कंज़ूमर प्राइस इण्डैक्स (सी.पी.आई.) में अत्पल्य कमी आई है। अप्रैल माह में यह जहां 7.79 प्रतिशत था वहीं मई माह में थोड़ा गिरकर 7.04 प्रतिशत रह गया। मंहगाई के स्तर में अत्पल्य कमी का कोई महत्व नहीं है और इस पर सावधानीपूर्वक नज़र रखनी चाहिए।

महत्वपूर्ण बात यह है कि इस स्तर पर सी.पी.आई. मंहगाई दर रिज़र्व बैंक की सीलिंग रेट से एक प्रतिशत अंक अधिक है। सरकार ने रिज़र्व बैंक को कीमतों की स्थिर व्यवस्था बनाए रखने का काम सौंपा हुआ है। इस मूल उद्देश्य की प्राप्ति के लिए रिज़र्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी ने मंहगाई दर का लक्ष्य 4 प्रतिशत या इसमें प्लस-माइनस 2 प्रतिशत तय किया था। मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी का प्राथमिक कार्य रिज़र्व बैंक की साख या जमा धन की नीति की लय बनाए रखना है।

इस आधार पर आर.बी.आई. ऐसी नीतियां बनाए रखने को प्रतिबद्ध है जिनसे कुल सी.पी.आई. मंहगाई दर का निम्न मूल्य 2 प्रतिशत और उच्चतम स्तर पर 6 प्रतिशत बना रहे। यदि इस मापदण्ड को अपनाया जाए तो मंहगाई की वर्तमान उच्च दर सीलिंग रेट से ऊपर है और इसे नियंत्रित करने की जरूरत है। होलसेल प्राइस इण्डैक्स (डब्ल्यू.पी.आई.) के लिए प्रस्तावित सी.पी. मैच्योर ऑफ इन्फ्लेशन खाद्य पदार्थों की कीमतों पर भारी पड़ रहा है। करीबन आधा भार ईंधन की कीमतों पर है। इस संदर्भ में खाद्य पदार्थों की कीमतों के

- भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी के, प्याज के दामों में हुई बढ़ोतरी पर किये गये कटाक्ष भारी और तीखे होते थे तथा भाजपा के राजनीतिक प्रहार का सबसे खतरनाक व असरदार तीर थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ई.डी. ने लगभग ग्यारह घंटे राहुल गांधी से पूछताछ की

दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस मुख्यालय व ई.डी. ऑफिस के रास्ते में भारी ''बैरिकेडिंग'' की तथा कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को तुगलक रोड आदि पुलिस स्टेशनों पर बिठाये रखा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से नैशनल हैरल्ड केस, जो कि वास्तविकता से अधिक काल्पनिक है, में आज पूछताछ की, लेकिन राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों अशोक गहलोत और भूपेश बघेल सहित कांग्रेस के शीर्ष नेताओं तथा कार्यकर्ताओं की शांति भंग करने को लेकर हिरासत में लिया गया और विभिन्न पुलिस स्टेशनों में ले जाया गया।

लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करते वक्त उनसे हाथापाई की। उन्होंने आगे बताया कि उनके जबड़े में चोट लगी थी किन्तु उन्हें तुगलक रोड पुलिस स्टेशन ले जाया गया पार्टी नेताओं ने बताया कि ए.आई.सी.सी. महासचिव एवं संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल को भी कथित रूप से जबरन धक्का देकर एक पुलिस बस में घुसा दिया गया। कांग्रेस ने एक वीडियो भी जारी किया जिसमें पुलिसकर्मी वेणुगोपाल को जबरन गिरफ्तार करते हुए दिखाई दे रहे थे। ई.डी. ऑफिस के निकट मौजूद विरोध प्रदर्शन करने वालों में कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम भी थे, किन्तु बाद में वह एक कार में रवाना हो गए।

राहुल गांधी से ई.डी. की पूछताछ दोपहर करीब 3.15 बजे समाप्त हुई।

एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेक्ट ने राहुल को नैशनल हैरल्ड अखबार से संबद्ध केस में काले धन को वैध करने को लेकर तलब किया था।

पार्टी का करीब पूरा शीर्ष नेतृत्व 24 अकबर रोड स्थित ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर प्रातः 9 बजे जमा हो गया था। कांग्रेस ऑफिस की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर पुलिस ने जबर्दस्त बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने ई.डी. मुख्यालय तक मार्च निकालने के लिए कांग्रेस को अनुमति नहीं दी थी।

राहुल अपनी बहन एवं ए.आई.सी.सी. महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ सुबह 10.50 बजे पहुंचे। पार्टी नेतृत्व के साथ एक लघु मीटिंग करने के बाद राहुल पांच मिनट में ही बाहर आ गए और ए.आई.सी.सी. मुख्यालय से निकल गए। सीनियर नेता उनके पीछे-पीछे चलने लगे।

जहां राहुल को जाने की अनुमति दी गई, वहीं बघेल और गहलोत सहित नेताओं को बाहर निकलने के लिए संघर्ष करना पड़ा। बघेल ने राहुल के साथ जाने के लिए पार्टी ऑफिस से जब बाहर आने की कोशिश की उस वक्त उनके सुरक्षा अधिकारियों को दिल्ली पुलिस कर्मियों से बहस करते देखा गया। राहुल ई.डी. ऑफिस के लिए कार में रवाना हुए, वहीं पार्टी नेता पैदल चले और उन्हें पुलिस ने विभिन्न स्थलों पर रोका। बैरिकेडिंग इतनी जबर्दस्त थी कि कई नेता तो ए.आई.सी.सी. ऑफिस तक ही नहीं पहुंच सके। पुलिस ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बड़ी संख्या में ए.आई.सी.सी. मुख्यालय ना पहुंच पाना सुनिश्चित किया था। गहलोत, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश, दिग्विजय सिंह तथा कई अन्य नेता जहां फतेहपुरी बेरी पुलिस स्टेशन ले जाए गए, वहीं वेणुगोपाल, अधीर, हरीश रावत के साथ ही बड़ी संख्या में नेताओं और सांसदों को तुगलक रोड पुलिस स्टेशन ले जाया गया। थके-थके लग रहे वेणुगोपाल का ब्लड प्रैशर पुलिस स्टेशन में चैक करना पड़ा क्योंकि वह हाल ही में कोविड से रिकवर हुए हैं।

प्रियंका गांधी वाड्रा पार्टी नेताओं से मिलने के लिए तुगलक रोड पुलिस स्टेशन गईं और उन्होंने वेणुगोपाल से बातचीत भी की।

बघेल को कुछ समय बाद छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि ''पूरा देश सत्तारूढ़ पार्टी की तानाशाही का साक्षी बन रहा है।'' उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी मुख्यालय पहुंचने से रोका गया तथा पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर ली गई और लोकतंत्र को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चिदम्बरम और प्रमोद तिवारी की पसली में फ्रैक्चर'

- रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि, पुलिस ने चिदम्बरम का चश्मा जमीन पर फेंक दिया, प्रमोद तिवारी सड़क पर गिर पड़े, उनके सिर में भी चोट आई है।

नई दिल्ली, 13 जून। कांग्रेस पार्टी ने कथित धनशोधन के मामले में राहुल गांधी की प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) के समक्ष पेशी को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि उसने जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके देश में आतंक फैला दिया है।

कांग्रेस नेता व राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने ट्वीट करते हुए दावा किया कि पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम के साथ पुलिस ने धक्का-मुक्की की जिससे उन्हें चोट आई है। उन्होंने कहा कि, पुलिस ने ऐसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो हजार करोड़ की सम्पत्ति

- स्मृति इरानी ने प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा कि, कांग्रेस का प्रदर्शन जनतंत्र को मजबूत करने के लिये नहीं, बल्कि गांधी परिवार द्वारा भ्रष्ट तरीके से पायी 2000 करोड़ रू. की सम्पत्ति की रक्षा के लिये है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। कांग्रेस कार्यकर्ताओं इंडिया गेट के चारों ओर किये गये सड़क -अवरोध तथा यहां उनके प्रदर्शन को रोकने के लिये पुलिस द्वारा की गई बैरिकेडिंग के बीच, केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भाजपा मुख्यालय पर एक प्रैस कॉंफ्रेंस में कहा कि वे (कांग्रेस) लोकतंत्र को बचाने के लिये नहीं, बल्कि भ्रष्ट तरीकों से संचित 2000 करोड़ रु. की गांधी परिवार की सम्पत्ति को बचाने के लिये यह सब कर रहे हैं। पूरे देश में किये जा रहे प्रदर्शनों के जरिये, प्रवर्तन निदेशालय को डराने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

चरित्र मनुष्य के अन्दर रहता है, यश उसके बाहर। –अज्ञात

भूमि विवाद –अधिकांश समस्याओं की जड़

भारत के विभिन्न न्यायालयों में लंबित वादों का यदि वर्गीकरण किया जाए तो अधिकांश के मूल में भूमि सबंधी विवाद है। ये विवाद कई सालों तक चलते रहते हैं और कई बार तो इनके अंतिम निस्तारण में दो-तीन पीढ़ियां तक निकल जाती हैं। यदि भूमि संबंधित विवादों को कम किया जा सके तो कुल मुकदमों की संख्या बहुत ही कम रह जाएगी। भूमि विवाद उत्पन्न होने के कई कारण है, जिनका विवेचन और विश्लेषण, राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में, इस लेख में करने का प्रयास किया गया है।

कृषि भूमि से संबंधित विवाद नामांतरण, गैर -खातेदारी से खातेदारी, आवंटन, वन क्षेत्र में खनन और राजस्व क्षेत्र में भूमि पर खनन की अनुमति आदि के कारण हैं। नदी, नाले एवं अन्य गैर मुमकिन भूमि पर कृषि कार्य आदि करने के कारण उन पर भी कई विवाद उत्पन्न हुए हैं। भूमि संबंधी अधिकांश विवादों की उत्पत्ति का एक प्रमुख कारण, भूमि अभिलेखों का भलीभांति संधारण नहीं होना है। साथ ही समय-समय पर हुए स्वामित्व और उपयोग परिवर्तन की प्रविष्टि, समय पर पूरी नहीं होना है। राजस्व रिकॉर्ड को अद्यतन (updation) करने की दृष्टि से सेटलमेंट विभाग द्वारा प्रति 20 वर्ष में सेटलमेंट के आधार पर नया रिकॉर्ड बनाया जाता था। पूर्व में, इस विभाग में काम करने वाले अमीन एवं अन्य कर्मचारी अपने काम में पारंगत होते थे, जिसके कारण भूमि के माप एवं उसके वर्गीकरण को अच्छी तरह किया जाता था। किसी प्रकार का विवाद होने पर उसे त्वरित गति से निपटा दिया जाता था। कालांतर में कार्यकुशलता में कमी एवं भ्रष्टाचार के कारण सेटलमेंट के कारण इतनी गडबड़ी होने लगीं कि सेटलमेंट विभाग को 'अनसेटलमेंट' विभाग कहा जाने लगा। सेटलमेंटमेंट के पश्चात बड़ी संख्या में विवाद उत्पन्न हुए जो पड़ोसियों के बीच में झगड़े का प्रमुख कारण बने। विवाद का एक और कारण, आवंटित भूमि पर समय पर कृषि कार्य न करना एवं उसे पड़ी रखना है। इसके कारण आवंटन निरस्तनीय हो जाता है। एक निर्धारित समय सीमा तक आवंटी द्वारा, आवंटित भूमि को खेती के लिए काम में न लेने पर आवंटन को निरस्त करने का प्रावधान नियमों में रखा गया। एक बार खातेदारी मिलने पर उसे सभी प्रकार के अधिकार प्राप्त हो जाते थे। वैसे, प्रत्येक कृषि भूमि का स्वामित्व तो राज्य सरकार के पास ही रहता है। राज्य की ओर से तहसीलदार अधिकृत अधिकारी होता है। इसी कारण किसी भी प्रकार का भू-उपयोग परिवर्तन करने, भूमि के हस्तांतरण को नियमित या नियंत्रित करने का अधिकार राज्य के पास ही रहता है। भूमि का खातेदार होते भी, उसके अधिकारों को नियमित करने के प्रावधान राजस्थान टेनेंसी एक्ट में दिए गए हैं। भू राजस्व अधिनियम, भूमि के उपयोग के परिवर्तन के संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रक्रिया को निर्धारित करता।

किसी की मृत्यु होने पर, उत्तराधिकार के आधार पर, बेचान के आधार पर, वसीयत के आधार पर नाम परिवर्तन होता है। कई बार, भूमि पर जिसका कब्जा है, वह उसके खाते में दर्ज नहीं होती और जो किसी के खाते में भूमि दर्ज है, वह उसके कब्जे में नहीं होती।

मूल प्रश्न यही रहता है कि जब तक रिकॉर्ड और मौका एक समान नहीं होते, तब तक विवाद निरंतर उत्पन्न होते ही रहते हैं। कई बार इस प्रकार के विवाद, दो व्यक्तियों के बीच में होते हैं, कई बार एक विभाग और दूसरे विभाग के बीच में होते हैं। भूमि का विवाद अनेक बार कई हिंसक घटनाओं को भी जन्म देता है। हमें यह विचार करना होगा कि मौका और नक्शा समान क्यों नहीं हैं? समय पर नामांतरण क्यों नहीं हो सकता?

राजस्व रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की कार्यवाही लगभग 30 वर्षों से की जा रही है, किंतु अभी तक भी इसके कारण किसानों को कोई विशेष राहत नहीं मिल पाई है। आज भी, विक्रय और वसीयत के कारण अथवा उत्तराधिकार के कारण राजस्व रिकार्ड में नाम बदलवाने के लिए पटवारी के चक्कर लगाने के लिए संबंधित व्यक्ति मजबूर हो रहा है।

वर्षों तक खेती करने के बावजूद, आदिवासियों को उस भूमि से बेदखल करने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी जाती है, केवल इस आधार पर कि, वह भूमि वन क्षेत्र में दर्ज है। वन भूमि पर अतिक्रमण के नाम पर हजारों-लाखों आदिवासियों के बेदखली की कार्यवाही की गई और उन्हें जेल तक जाना पड़ा। इसी प्रकार, जिन खातेदारों को अपनी भूमि में खनन हेतु खान विभाग लीज जारी करता है, उस पर खनन प्रारंभ करते ही उसके विरुद्ध राजस्व विभाग कार्रवाई प्रारंभ कर देता है। ऐसा इसलिए होता है कि खनिज विभाग, माइनिंग लीज टोपोशीट के आधार पर करता है, जबकि राजस्व रिकॉर्ड में खसरा नंबर का अंकन होता है। दोनों ही विभागों के रिकॉर्ड में अंतर के कारण ही, किसी भी व्यक्ति को माइनिंग लीज होने के पश्चात भी खनन करने से रोक दिया जाता है। इसके कारण न जाने कितना भ्रष्टाचार पनपता है? साथ ही, सरकार को राजस्व की हानि भी होती है।

कृषि भूमि से संबंधित कानून और नियमों को सरल करके, उसके उपयोग पर प्रतिबंध हटाकर, तथा भू अभिलेख को पूर्णतया डिजिटलीकरण करने से नागरिकों को कानूनी विवादों और समस्याओं से बचाया जा सकता है क्योंकि अधिकांश झगड़ों के मूल में भूमि संबंधी विवाद ही है।

भूमि के विवाद, एक बार उत्पन्न होने पर, तहसीलदार, उपखंड अधिकारी, एडीएम, कलेक्टर, संभागीय आयुक्त और राजस्व अपील अधिकारी से होते हुए राजस्व मंडल तक पहुंचते हैं इस पूरी यात्रा में कई साल लग जाते हैं और यह खर्चीला भी अत्यधिक होता है। एक सामान्य ठाामीण किसी भी प्रकार, न्याय प्राप्त करने से वंचित रहता है। वह येन केन प्रकारेण 'सुविधा शुल्क' देकर राजस्व अधिकारियों से अपने हक में निर्णय कराने का प्रयास करता है। राजस्व मंडल के स्तर पर भी बहुत बड़े भ्रष्टाचार का मामला हाल ही में सामने आया था, जहां राजस्व मंडल के सदस्यों तक पर प्रकरण तय करने के लिए बहुत बड़ी धनराशि की मांग करने के आरोप लगे थे। यह निर्विवाद है कि अनिश्चितकाल तक प्रकरण लंबित रहने से ही पक्ष कार रिश्वत की राशि विभिन्न स्तरों पर देने के लिए मजबूर हो जाते हैं। कई बार वकील, राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारियों के एजेंट तक का कार्य करते हैं। ये लोग पक्षकारों से संपर्क कर उनके पक्ष में निर्णय करने का वादा करके बड़ी धनराशि वसूल कर लेते हैं। यह अध्ययन का विषय हो सकता है कि केवल राजस्थान में ही एक वर्ष में, भूमि विवाद अपने पक्ष में कराने के लिए कुल कितने करोड़ों की राशि नागरिकों द्वारा राजस्व विभाग के अधिकारियों को देने के लिए बाध्य होना पड़ा।

हाल ही में एक परिचित मिले, जिन्होंने किसी व्यक्ति से उसकी खातेदारी भूमि खरीदी। विक्रेता ने यह भूमि जिससे खरीदी, उसे आवंटित भूमि पर खातेदारी अधिकार प्राप्त हो चुके थे। तत्पश्चात इस भूमि पर जब माइनिंग लीज खनिज विभाग द्वारा जारी की गई। खनन करने के उद्देश्य से उन्होंने मशीन आदि पर काफी निवेश कर दिया। इसके बाद कुछ राजनीतिक लोगों ने इस मामले को गलत बताते हुए विरोध किया, तो आनन-फानन में जिस तहसीलदार ने गैर- खातेदारी अधिकार से खातेदारी अधिकार दिए थे, उसी ने खातेदारी को निरस्त करते हुए उसे पुन: गैर खातेदारी घोषित कर दिया। तदनुसार, पूर्व आवंटन निरस्त कर इस भूमि को पुन: राजकीय भूमि घोषित कर दिया और इसी अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में अंकन कर दिया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि जिन व्यक्तियों ने माइनिंग लीज ली, उनका उस भूमि पर किया गया लगभग 2 करोड़ का निवेश बेकार हो गया। इसकी अपील एडीएम एवं संभागीय आयुक्त के यहां की, जिन्होंने जिन्होंने तहसीलदार के फैसले को गलत मानते हुए अपास्त उसे अपास्त कर दिया। इसका परिणाम यह हुआ यह भूमि विक्रेता- क्रेता के नाम दर्ज हो जानी चाहिए थी। ऐसा न कर इसकी अपील तहसीलदार द्वारा राजस्व मंडल में कर दी गई। कहा नहीं जा सकता, कितने वर्षों में इसका निर्णय होगा? अब वे किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में हैं जो राजस्व मंडल के सदस्य के माध्यम से शीघ्र निर्णय करा सके।

कृषि भूमि के उपयोग परिवर्तन हेतु रूपांतरण भी एक बहुत जटिल एवं लंबी प्रक्रिया है, जिसमें बड़ी धन राशि के लेन देन के आरोप लगते रहे हैं। इस बारे में असमंजस भी अनेक हैं। रूपांतरण कलेक्टर के द्वारा किया जाएगा अथवा संबंधित नगर विकास न्यास या नगर विकास प्राधिकरण के द्वारा, इस असमंजस का लाभ बिचौलिए उठाते है। कृषि भूमि के रूपांतरण का खेल बड़े शहरों की पेरिफेरी में बहुत चलता है। यह कल्पना ही की जा सकती है कि इस तरह अर्जित धन राशि में से किन-किन अधिकारियों को उसका हिस्सा पहुंचता होगा? राजस्व विवादों में कई बार राजनीतिक दबाव भी भरपूर होता है और राजस्व अधिकारी, राजनीतिक दबाव के आगे लगभग समर्पण कर देते हैं।

आज के युग में जब तकनीकी ने इतनी प्रगति की है, यह संभव नहीं है कि केवल एक ही नक्शा सभी विभागों में मान्य हो जो सेटेलाइट इमेज के आधार पर तैयार किए गए हों? तब मौक़े की स्थिति और रिकॉर्ड में कोई अन्तर नहीं होगा। इससे अनावश्यक विवादों की उत्पत्ति को ही रोका जा सकेगा। अधिकारियों के लिए यह भी आवश्यक है कि वे इस बात की निगरानी करें कि नामांतरण प्रकरणों को समयबद्ध रूप से निस्तारित किया जाए। विलंब होने पर जवाबदेही निर्धारित कर आवश्यक कार्रवाई करनी होगी। राजस्थान सरकार द्वारा समय-समय पर आयोजित विभिन्न राजस्व अभियानों में भूमि लाखों प्रकरणों का निस्तारित होना ही इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि सालों तक लोगों के उचित, वैधानिक कार्य लंबित रहते हैं। यह विडंबना ही है कि उस जिले की सराहना की जाती है जहां अधिकाधिक प्रकरणों का निस्तारण किया जाए। होना तो यह चाहिए कि किसी भी जिले में कोई प्रकरण इस प्रकार का लंबित न रहें एवं अभियान की प्रतीक्षा किए बिना स्वत: उनका निस्तारण नियमित रूप से होता रहे।

आवश्यकता इस बात की है कि किसी भी प्रकार के दबाव में आए पटवारी से लेकर कलेक्टर तक, सभी राजस्व अधिकारी भूमि संबंधी विवादों का तत्काल समाधान करें। ग्रामीणों की प्रताड़ना एवं उनसे रिश्वत लेने के लिए राजस्व विभाग प्रमुख माध्यम है।

नागरिको के लिए भूमि संबंधी जटिल प्रक्रियाएं और उससे उत्पन्न विवादों का लंबित रहना अत्यंत ही परेशानी का कारण है। यदि भूमि से संबंधित प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा सके, कानून और नियमों को स्पष्ट किया जा सके तो नागरिक विशेषकर गांवों में रहने वाले बहुत राहत अनुभव करेंगे।

इसी प्रकार, भूमि रूपांतरण संबंधी विवाद भी समाप्त हो सकते हैं यदि सरकार यह स्पष्ट कर दे कि किस प्रकार की भूमि पर क्या-क्या किया जा सकता है? उस प्रकार का उपयोग यदि खातेदार स्वयं करें तो उसे भूमि रूपांतरण की किसी प्रकार की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। कृषि कृषि पर खातेदार, उद्योग लगाना चाहे तो उसे रूपांतरण कराना होता है और यदि जैसी संस्था उद्योग हेतु आवंटित करे तो वही सही हो जाता है। हाउसिंग बोर्ड, कृषि भूमि पर आवासीय योजना बनाएं, तो सही, और यदि खातेदार स्वयं अपने कृषि भूमि को आवासीय उपयोग में ले, तो उसे अनियमित मानकर तोड़ने हेतु नोटिस दिया जाता है। इसे किसी भी रूप में उपयुक्त नहीं कहा जा सकता। देखा केवल यह जाना चाहिए कि निर्धारित मापदंडों का पालन किया गया है अथवा नहीं।

कृषि भूमि से संबंधित कानून और नियमों को सरल करके, उसके उपयोग पर प्रतिबंध हटाकर, तथा भू अभिलेख को पूर्णतया डिजिटलीकरण करने से नागरिकों को कानूनी विवादों और समस्याओं से बचाया जा सकता है क्योंकि अधिकांश झगड़ों के मूल में भूमि संबंधी विवाद ही है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

प्रथम पुण्य तिथि पर विशेष

महावीर चक्र विजेता ब्रिगेडियर रघुबीर सिंह

सन् 1947 में देश का विभाजन ऐसी घटना है जिसमें लाखों लोग बेघर हुए और बिना उनके किसी दोष के हजारों लोग मारे गये। यह धार्मिक जुनून पडौसी मुल्क पर अब भी बरकरार हैं। इसी कारण से 1947-48,1965,1971 और 1999 के बर्डे.सघंर्ष के अतिरिक्त अब भी सीमा पर मुठभेड़ होती रहती है। पाकिस्तान कभी भी अपने मनसूबे में कामयाब नहीं हुआ किन्तु जम्मू कश्मीर के मसले को जिंदा रखने के लिए संघर्ष का वातारण बनाये रखना ही वह ठीक समझता है।

देवीसिंह नरूका

सन् 1962 में चीन में पराजय, 1964 में प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का निधन और उसके बाद भद्र पुरूष लाल बहादुर शास्त्री प्रधान मंत्री बने। यह ऐसा समय था जब पाकिस्तान के विदेश मंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की सलाह से राष्ट्रपति जनरल अयूब खां ने भारत पर आक्रमण कर कश्मीर को हड़पने का मन बनाया। इसी के परिणाम स्वरूप भारत-पाक के बीच सन् 1965 में एक बडा युद्ध हुआ। इस युद्ध में जीत के 50 वर्ष सितम्बर 2015 में पूर हुए तब इसी जीत का जश्न देश में मनाया गया। इस युद्ध में भारतीय सेना के 3 हजार सैनिक शहीद हुए। इनमें से 183 राजस्थान के विभिन्न जिलों के थे। इसी युद्ध में सेना का दूसरा सर्वोच्च गेलेन्ट्री अवार्ड महावीर चक्र प्राप्त करने वाले राजस्थान के एक मात्र अधिकारी थे बिग्रेडियर रघुबीर सिंह। इस युद्ध के राजस्थान के एक-एक सूरमा को अशोक चक्र और शौर्य चक्र, 5 को वीर चक्र और 2 को सेना मेडल प्रदान किये गये।

राजस्थान में टोंक जिले के सोडा गांव में जन्में ब्रिगेडियर रघुवीर सिंह का 13 जून, 2021 में 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सेना में सेवाकाल के दौरान अपने कार्य के प्रति कहा करते थे "मुझे गर्व और संतोष है कि मातृ भूमि भारत का भाल ऊंचा रखने के लिए मैंने तन मन की पूरी शक्ति से समर्पित भाव से कार्य किया।"

सितम्बर, 1965 के प्रारंभ में ले.कर्नल रघुवीर सिंह छुट्टियों पर जयपुर आ रहे थे। उसी समय 2 सितम्बर को रेवाड़ी रेल्वे स्टेशन पर उन्हें सूचना मिली कि युद्ध शुरू होने वाला है अत: उनकी छुट्टियां रद्द कर दी गई है। उसी समय वहीं से वे अपनी बटालियन 18 राजपूताना राइफल्स की कमांड संभालने के लिए वापस रवाना हो गये और 3 सिम्बर को अपनी बटेलियन में सोलन (हिमाचल प्रदेश) पहुंच गये। 4 सितम्बर को उनकी बटेलियन को पंजाब में खेमकरण सेक्टर के लिए प्रस्थान करने के आदेश दिये गये। यही पर असल उत्तर की लडाई में अभूतपूर्व शौर्य प्रदर्शन करने के लिए उन्हे नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन द्वारा 'महावीर चक्र' से सम्मानित किया गया था।

राष्ट्रपति द्वारा दिये गये गेलेन्ट्री अवार्ड के साईटेशन में लिखा गया है। "लेफ्टिनेंट कर्नल रघुबीर सिंह राजपूताना राइफल्स की एक बटालियन के 7 से 10 सितम्बर, 1965 के बीच कमांडर थें। जब पाकिस्तानी सेना ने इन पर हमला किया। 9 सितम्बर, 1965 की रात को लगभग 11 बजे चांदनी रात में दुश्मन ने बहुत जबरदस्त हमला कर बटालियन के आगे की कम्पनियों की पोजीशन में घुस गये।

लेफ्टिनेंट कर्नल रघुबीर सिंह ने यह जानते हुए भी कि दुश्मन का हमला बहुत जबरदस्त है फिर भी उन्होंने अपने प्राणों की परवाह न करते हुए अपनी कमाण्ड पोस्ट से निकलकर और दुश्मन के तीन पेंटन टैंको की बीच से गुजरते हुए, तोपखानों के गोलों की बौछार को झेलते हुए अपनी आगे की कम्पनियों से जहां दुश्मन के टैंक घुस गये थे, अपने कम्पनी कमांडर से स्वयं संपर्क किया और दुश्मन के टैंको को नष्ट करवाया। इनकी हिम्मत और बहादुरी एवं नेतृत्व (लीडरशिप) से प्रेरित होकर इनके कम्पनी कमाण्डर्स ने दुश्मन के हमले का करारा उत्तर दिया और दुश्मन के 22 पैंटन अैंक ध्वस्त कर दिये।"

जयपुर राजवंश की राजावत शाखा (मानसिंह गोत) के ब्रिगेडियर रघुबीर सिंह की मान्यता है कि सैनिक सेवा का गुण उनके रक्त में है। आमेर के राजा मानसिंह सम्राट अकबर की सेना के प्रधान सेनापति थे। उनके चाचा कर्नल रणजीत सिंह (1920-45) की अवधि में जयपुर राजय की सेना में थे। सन् 1943-44 में उन्हें उच्च पुरस्कार ओ.बी.ई. (आर्डर आफ ब्रिटिश एम्पायर) से सम्मानित किया गया था। जयपुर राजय के प्रधानमंत्री सर मिर्जा इस्माइल को भी उसी समय यह सम्मान दिया गया था। बिगेडियर रघुबीर सिंह के एक पुत्र संग्राम सिंह और दामाद रणविजय सिंह भी सेना के उच्च पदों से सेवानिवृत्त है।

सन् 1942 में जयपुर राज्य की सेना सवाई मान गार्ड्स में भर्ती हुए ब्रिगेडियर रघुबीर सिंह ने आफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल बैंगलोर में प्रशिक्षण प्राप्त किया। उस समय केवल 10 प्रतिशत ही भारतीय अफसर होते थे। अयूब खां

बिग्रेडियर रघुबीर सिंह एम.वी.सी.

बाद में पाकिस्तान के फील्ड मार्शल एवं राष्ट्रपति बने और ले. जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा ने 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (बंगलादेश) में करीब एक लाख पाकिस्तानी सैनिकों का आत्म समर्पण स्वीकार किया। बैंगलोर में यह उच्च सैनिक अधिकारी उनके प्रशिसक थे।

सन् 1942 से 1974 तक के सेवावधि काल में ब्रिगेडियर रघुबीर सिंह ने देश के लगभग सभी प्रदेशों में ही नहीं किन्तु संयुक्त राष्ट्र संघ की सेवा के दौरान अनेक एशियाई और योरोप के देशों में उच्च सैन्य पदों पर अपनी संचालन कुशलता और शौर्य का परिचय दिया। सन् 1947-48 में जम्मू कश्मीर के उरी सैक्टर में उन्होंने पाकिस्तानी आक्रमणकारियों से मुकाबला किया था।

अनेक राष्ट्रीय पुरस्कारों, मेडलों और प्रशस्ति पत्रों से सम्मालित ब्रिगेडियर रघबीर सिंह ने 1971 में बंगलादेश युद्ध के करीब 1 लाख बन्दियों के निगरानी कैम्पों की देखरेख का उत्तरदायित्व मिलीट्री पुलिस के प्रोवोस्ट मार्शल की हैसियत से बडी कुशलता से संभाला था। महावीर चक्र प्राप्त कर जयपुर लौटाने पर राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाडिया ने उनको सपरिवार अपने राजकीय निवास स्थान पर आमंत्रित कर सम्मानित किया। पूर्व जयपुर रियासत के महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय ने भी उन्हें सिरोपाव और तलवार भेंट कर ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई दी।

जयपुर के स्काटिश मिशन हाई स्कूल में शिक्षा प्राप्त ब्रिगेडियर रघुबीर सिंह 1975 में सेना सेवा से निवृत्त हुए। उनकी सेवा भावना के कारण सोडा ग्राम वासियों ने उन्हें निर्विरोध सरपंच चुना और 15 वर्ष तक वे इस पद पर रहे। वह जिला परिषद टोंक के सदस्य भी रहे। इसके बाद उनकी सुपौत्री छवि राजावत ने सोडा ग्राम के सरपंच की जिम्मेदारी संभाली। ब्रिगेडियर रघुवीर सिंह की मान्यता थी कि पाकिस्तान से लडाई कभी भी हो सकती है किन्तु इस क्षेत्र में शांति के लिए कश्मीर समस्या का स्थाई समाधान आवश्यक है।

13 जून, 2021 को 99 वर्ष की आयु प्राप्त कर ब्रिगेडियर रघुबीर सिंह स्वर्ग सिधार गयो। जयपुर के न्यू सांगानेर रोड, स्थित राजावत फार्म में ही उनकी पत्नी कैलाश कवंर की समाधी के पास ही उनकी समाधी का निर्माण करवाया गया है। भारतीय शूरवीरों की गाथा में वे अमर हैं।

– देवीसिंह नरूका,
वरिष्ठ लेखक व पत्रकार

बाबा ने लकवाग्रस्त बच्चे को मिट्टी में दबाया

सूरतगढ़ , (निसं)। एक बाबा का हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। वीडियो में रात के समय बाबा ने एक 14 साल के बच्चे को मिट्टी में दबाया हुआ है। बच्चा शारीरिक रूप से अक्षम है। उसके शरीर का ज्यादातर हिस्सा काम नहीं करता है। बाबा का दावा है कि वो बच्चे का इलाज कर रहा है।

- पिता ने कहा इलाज करवा कर हार गए तब बाबा के पास छोड़ा
- परिजनों के मुताबिक पिछले 8 महीने से बच्चा बाबा के पास रह रहा था

वहीं वीडियो वायरल होने के बाद सूरतगढ़ पुलिस उपाधीक्षक शिवरतन गोदारा ने मामले पर संज्ञान लिया है। बच्चे के पिता दिनेश का कहना है कि हमने अपने बच्चे को इलाज के लिए काफी जगह ले कर गए हैं, परन्तु किसी भी प्रकार का फायदा नहीं होने के कारण हमने बच्चे को जगननाथ बाबा के पास छोड़ा है। इनके द्वारा बच्चे को योग से इलाज किया जा रहा, जिससे काफी सुधार है। हमें बाबा द्वारा किए जा रहे इलाज से कोई आपत्ति नहीं है। परिजनों के मुताबिक पिछले 8 महीने से बच्चा बाबा के पास रह रहा था। पिता का कहना है कि बच्चा जन्म से शारीरिक रूप से विकलांग है। बच्चे के पिता ने बताया कि उसके दो संतान है एक बेटी और एक बेटा है दोनों ही इसी तरह से विकलांग हैं। उनका दावा था कि इससे पहले बाबा ने चार-पांच बच्चों को ठीक कर चुका है। पुलिस उपाधीक्षक शिवरतन गोदारा ने बताया कि बच्चे को बाबा से छुड़वा लिया है। बच्चे को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा। वहीं सिटी थाना के सहायक उपनिरीक्षक नूर मोहम्मद ने बच्चे का मेडिकल मुआयना भी करवाया है। बहरहाल परिजनों की तरफ से कोई परिवाद मिलने पर ही बाबा के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

कचरा डिपो बना मालपुरा कोर्ट परिसर का पार्क

मालपुरा, (निसं)। नरगपालिका प्रशासन द्वारा दो साल पूर्व लाखों रुपयों की लागत से मालपुरा कोर्ट परिसर में तैयार किया गया पार्क स्थानीय प्रशासन की उदासीनता व देखरेख के अभाव में कचरा डिपो बना हुआ है। वहीं लाखों की लागत से बनाये बरसाती नाले के फेराकवर व सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो जाने से घटिया निर्माण की पोल खुलकर सामने आ गई है।

वर्ष 2019 में शहर के सौन्दर्यकरण का बीड़ा उठाये तत्कालीन पालिका अध्यक्ष व प्रशासन द्वारा मालपुरा कोर्ट परिसर में लाखों रुपयों की लागत से पार्क निर्माण करवा कर बाहर से मंगवाकर घास व पौधे लगाये गये थे लेकिन स्थानीय पालिका प्रशासन की उदासीनता व देखरेख के अभाव में महज दो साल में ही यह पार्क कचरा डिपो में तब्दील हो गया। घास व पौधे सूख जाने से हरियाली उजड़ गई।

इतना ही नहीं नवीन न्यायालय भवन से जयपुर सड़क मार्ग तक बरसाती पानी की निकासी के लिए बनाये गये नाले की जगह-जगह से सुरक्षा दीवार व फेरोकवर महज दो साल में ही क्षतिग्रस्त हो गया। पंचायत समिति के मुख्य गेट के सामने क्षतिग्रस्त हुए यह नाले दुर्घटना का आये दिन कारण बने हुए हैं तो लाखों रुपयों की लागत के घटिया निर्माण की भी पोल खुलकर सामने आ गई। पंचायत समिति व न्यायालय के साथ एएसपी व डीवाईएसपी सहित तहसीलदार कार्यालय इसी परिसर में होने के बावजूद क्षतिग्रस्त हुए नाले तथा वीरान हुए पार्क स्वच्छ

मालपुरा कोर्ट परिसर में कचरा डिपो बने पार्क में घटिया निर्माण से नाले क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।

- लाखों की लागत से तैयार पार्क में हुए घटिया निर्माण की खुली पोल

भारत स्वच्छ शहर अभियान की खुले आम धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसके बावजूद किसी के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही।

राज्यसभा सांसद नीरज डांगी द्वारा पार्क का उद्घाटन किये जाने के बाद पंचायत समिति सभागार में कई बार जिला व उपखण्ड स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों की बैठकों में आये प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधि भी इसी रास्ते से होकर गुजरे लेकिन किसी ने भी पार्क की हो रही दुर्दशा की सुध लेना तथा घटिया निर्माण की जांच व क्षतिग्रस्त के नालों के दुरुस्तीकरण की जहमत नहीं उठाई।

राशिफल मंगलवार 14 जून, 2022

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, ज्येष्ठा नक्षत्र सांय 6:32 तक, साध्य योग प्रात: 9:40 तक, विष्टि करण प्रात: 7:12 तक, चन्द्रमा सांय 6:32 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग और ज्वालामुखी योग सांय 6:32 से आरम्भ होगा। भद्रा प्रात: 7:12 तक रहेगी। आज ज्येष्ठी पूर्णिमा, सत्य पूर्णिमा व्रत, ज्येष्ठी पूर्णिमा पर्व (जैन), मन्वादि ओर सन्त कबीर जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:02 से 10:44 तक, लाभ-अमृत 10:44 से 2:10 तक, शुभ 3:52 से 5:37 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:17

मेष
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अस्त-व्यस्त व्यावसायिक कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। मन:स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार सम्पन्न होंगे।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। मित्रों/रिश्तेदारों से आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। नवीन कार्यों टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में पारिवारिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष और भय बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन
नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

22 विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक मिले

गंगापुर सिटी। नसिया कॉलोनी स्थित कुहू इंटरनेशनल सीनियर सैकण्डरी स्कूल का सैकण्डरी स्कूल परीक्षा परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा है। स्कूल की प्रिंसिपल मिथिलेश शर्मा ने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम पिछले सालों की तुलना में समग्र रूप से और भी अच्छा रहा है।

विद्यालय में पढने वाले विद्यार्थियों में से 22 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये हैं। विद्यालय के छात्र निखिल जैमिनी पुत्रचंद्रशेखर जैमिनी ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इसी प्रकार किरोडी लाल मीणा पुत्र मुकेश कुमार मीणा ने 95.67 प्रतिशत, मोहित मीणा पुत्र मुकेश मीणा ने 95 प्रतिशत अंक अर्जित किए। अमीषा जाटव ने 94.83 प्रतिशत, विजय राज सिंह ने 94.83 प्रतिशत, कोमल मीना ने 94.5० प्रतिशत, हिमांशु माँजीवार 94.33 प्रतिशत, साक्षी बैरवा ने 94.33 प्रतिशत अंक मिले। इस अवसर पर विद्यालय में आतिशबाजी की गई और विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को बुलाकर उनका सम्मान किया गया।

डेढ़ करोड़ के नवनिर्मित मंदिर में विराजी हनुमान जी की चार सौ साल पुरानी प्रतिमा

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। महवा रोड स्तिथ हिण्डौन क्षैत्र के प्रसिद्ध क्यारदा कला बालाजी हनुमान मंदिर में डेढ़ करोड़ की लागत से नवनिर्माण मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति की प्रतिष्ठा का कार्य सर्व समाज के द्वारा संपन्न हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने पगंत पर प्रसादीपाई और बालाजी दरबार में मत्था टेक कर सुख, शांति, अमन चैन की मनौती मांगी।

इस दौरान मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रसिद्ध मंदिर क्यारदा बालाजी की आचार्य अमित शर्मा ने 11 विद्वान पंडितों ने मन्त्रोच्चार के साथ शिव परिवार व हनुमान जी मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा विधि विधान से नव निर्मित मंदिर में विद्वान पंडितों द्वारा की गई और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें लाखों लोगों ने पंगत प्रसादी पाई और बालाजी महाराज के दरबार में मत्था टेक कर अमन-चैन की मनौती मांगी। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा और नव निर्मित मंदिर के उद्घाटन का कार्यक्रम 7 दिन पूर्व से चल रहा है। जिसमें आगरा व हरियाणा की प्रसिद्ध महिला गायकों द्वारा विभिन्न धार्मिक रचनाओं पर सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कलाकारों के द्वारा किया गया। जिसमें लोगों ने आनंद के साथ कार्यक्रम में जमकर शिरकत की। गौरतलब है कि क्यारदा बालाजी की महिमा की चर्चा जिले भर और दूर दराज के क्षेत्रों में महिमा का बखान सुना गया है। यहां लोगों के हर कष्ट श्री बालाजी महाराज हर लेते हैं। सांसारिक दुखों से मुक्ति पाने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। चमत्कारी बालाजी महाराज की कीर्ति का बखान जितना करें उतना कम है। क्षेत्र में बालाजी महाराज के प्रति लोगों की आस्था बहुत गहरी बनी हुई है। मंदिर कमेटी के लोगों ने बताया कि बालाजी धाम की स्थापना 400 साल पूर्व बुजुर्गों द्वारा कराई गई थी। तभी से चमत्कारिक बालाजी महाराज के दर्शनों के लिए दिल्ली, जयपुर भरतपुर आगरा, दोसा, मथुरा, धौलपुर, गवालियर, करौली सहित आसपास के दर्जनों जिलों के श्रद्धालुओं का बालाजी महाराज के दर्शन के लिए तांता लगा रहता है। मंगलवार को प्रसिद्ध आस्था धाम पर मेले जैसा माहौल बन जाता है। मंदिर परिसर से बाहर दर्जनों दुकान सजाई प्रसादी एवं सौंदर्य प्रसाधन संसाधनों की दुकानों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड-भाड रही।

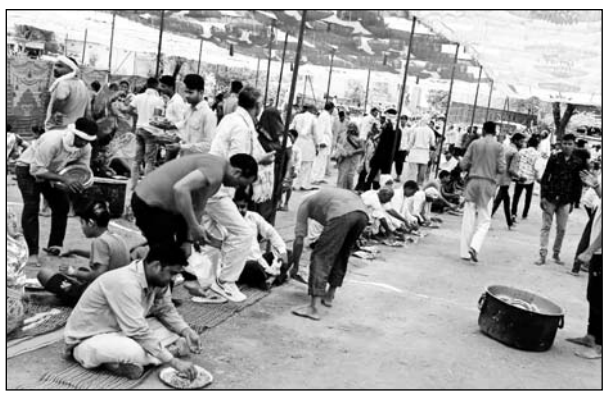

हनुमान जी की मूर्ति की प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के बाद आयोजित भंडारे में काफी भक्तों ने प्रसादी जीमी।

- प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान आयोजित विशाल भंडारे में लाखों ने पाई प्रसादी

बारिश आने से पहले साफ सफाई कराने की मांग

करौली (निसं.)। करौली शहर के हाथीघटा से वीर हनुमान जी के रास्ते में व्याप्त गंदगी को हटाने एवं बरसात आने से पूर्व मार्ग की साफ सफाई कराए जाने की मांग को लेकर संत ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है।

किरोड़ी सर्राफ की बगीची भगत कॉलोनी स्थित ठाकुर जी मंदिर के संत ओम दास त्यागी जी महाराज ने जिला कलेक्टर को पत्र पेश कर बताया कि किरोडी सर्राफ की बगीची से वीर हनुमान मंदिर मार्ग में जमकर गंदगी हो रही है। दिन भर पानी भरा रहता है बरसात आने पर पूरा मार्ग जलमग्न हो जाता है और मकानों में पानी भर जाता है उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 20 कॉलोनी वासियों जो हाथीघटा से वीर हनुमान जी के रास्ते में मकानों में पानी भर जाने से परेशानी उठाते हैं पूर्व में भी दो तीन बार बाढ जैसे हालात उत्पन्न हो चुके हैं जिससे लोगों का लाखों रुपए का नुकसान हो गया एवं स्वयं का भी करीब 50हजार रुपये से अधिक का नुकसान हो गया। उन्होंने बताया कि बगीची में उसके आसपास बने मंदिरों,मकानों में वर्षा के समय में पानी भरा उसे परेशानी हो जाती है।

सार-समाचार

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया

मासलपुर,(निंसं.)। हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के तीनों उम्मीदवारों की जीत पर मासलपुर कांग्रेसियों ने ब्लॉक देहात कांग्रेस उपाध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा के नेतृत्व में जश्न मनाया। कस्बे के कांग्रेसियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाते हुए आतिशबाजी के साथ नारेबाजी की कांग्रेसी नेता कैलाश चंद शर्मा ने कहा कि इस बार राज्यसभा की 4 सीटों में से कांग्रेस की ओर से रणदीप सुरजेवाला,मुकुल वासनिक,प्रमोद तिवारी को चुनावी मैदान में उतारा गया और तीनों ही चुनाव जीत गए जो कांग्रेस में अशोक गहलोत की बडी जीत है। इस दौरान मासलपुर कांग्रेसी कार्यकर्ता ईदू खान, सलीम, मुनीर, बसीर, सूका, आरिफ सहित कई कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

प्रसादी वितरण में उमड़ी भीड़

बयाना। उपखंड के गांव नगला झामरा में सोमवार को आयोजित अखंड भंडारे व प्रसादी वितरण समारोह में श्रद्धालुओं की भारी भीड उमड पडी। आसपास के गांवों के लोग व महिलाऐं भी श्रद्धाभाव से समारोह में पहुंचे और पंगत की संगत में एकसाथ बैठकर भोजन प्रसादी पाई। कार्यक्रम संयोजक समयसिंह ठेकेदार के अनुसार यह आयोजन गांव में एक सप्ताह से चल रहे श्रीमद्भागवत कथा समारोह के आज विसर्जन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। कथा समारोह में कथावाचक कुंजबिहारी शास्त्री ने कथा प्रवचन किए थे।

भंडारे का आयोजन

बयाना। बयाना के निकटवर्ती गांव मुर्रकी के पास स्थित मणी वाले हनुमान मंदिर में सोमवार को विशाल भंडारे व प्रसादी वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें आसपास के गांवों से भी हजारों की संख्या में आए ग्रामीणों व महिलाओं ने श्रद्धाभाव से शामिल होकर प्रसादी पाई। आयोजन समिति के सदस्य मनोज मुर्रकी ने बताया कि यह आयोजन वहां एक सप्ताह से चल रहे श्रीमदभागवत कथा समारोह के विसर्जन के उपलक्ष्य में किया गया। इस अवसर पर हवनयज्ञ सामूहिक आरती व भागवत पूजा आदि कार्यक्रम भी हुए।

युवा संसद कार्यक्रम आयोजित

भरतपुर (निसं)। आज भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा मोदी सरकार के सेवा सुशासन गरीब कल्याण सफलतम 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुखर्जी नगर स्थित राज गार्डन मैरिज होम में युवा संवाद कार्यक्रम रखा गया जिसमें जयपुर से पधारे युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु शर्मा व सांसद रंजीता कोली मुख्य अतिथि रहे व विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष गिरधारी तिवारी सत्येंद्र गोयल जिला उपाध्यक्ष युवा अभय वीर सोलंकी, हिम्मत सिंह, गिरधारी गुप्ता ,भगवान दास शर्मा मुकेश सिंगल नरेश सेन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सौरभ ताखा ने की, सर्वप्रथम अतिथियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की! युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का 21 किलो की माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान जीतू गणेशनगर, आकाश पिदावली, अमित चौधरी, आकाश, अनंत बुरावई, गौरव सरपंच विष्णु लखनपुर, सचिन मीना,सौरव सोलंकी गोपालगढ़, राजेश चौधरी, राहुल वैर, विशेन्द्र कंसाना, दीपेश आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आत्मदाह प्रकरण की न्यायिक जांच कराने की मांग

करौली (निसं.)। करौली के वकीलों ने राज्यपाल के नाम का जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर अधिवक्ता हंसराज मावलिया आत्मदाह प्रकरण की न्यायिक जांच कराने की मांग करते हुए 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एडवोकेट गजेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में एडवोकेट कपिल पाराशर,आशुतोष पाराशर, अभिलाष शर्मा, रमाकांत सहित कई एडवोकेटो ने राज्यपाल के नाम का जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश करते हुए बताया कि प्रदेश में विगत कई वर्षों से भ्रष्टाचार इस कदर हावी हो चुका है। कि न्याय का मंदिर कहलाने वाली राजस्व अदालतें भी इससे अछूती नहीं रह पाई हैं। तथा रिश्वत के पैसे के बल पर मनचाहे आदेश राजस्व अदालतों के पीठासीन अधिकारियों के द्वारा किए जाते हैं। जिससे कि गरीब पक्षकार को न्याय मिलने की संभावना नगण्य हो जाती है जिसकी वजह से ग्रामीण,किसानों की जमीनों पर भू माफियाओं का कब्जा हो जाता है। और गरीब किसान जो राजस्व अदालतों में न्याय की आस लेकर आता है। भ्रष्टाचार के चलते अपने आप को ठगा सा महसूस करता है प्रदेश की राजस्व अदालत भ्रष्टाचार के आकण्ठ में डूबी हुई है इसी भ्रष्टाचार के चलते हमारे एक अधिवक्ता साथी हंसराज मावलिया जो कि खंडेला जिला सीकर के थे उन्हें आत्मदाह कर अपना बलिदान देना पड़ा।उन्होंने बताया कि मृतक अधिवक्ता के बलिदान से राजस्थान प्रदेश के अधिवक्ताओं में काफी आक्रोश व्याप्त है। तथा यह भी है कि राजस्थान में अधिवक्ता व उनके परिवार का जीवन संकट मय परिस्थितियों से गुजर रहा है। इस हेतु राजस्थान के अधिवक्ता समुदाय की ओर से प्रदेश भर में विभिन्न अदालतों में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं के हितार्थ भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ प्रदेश की ओर से मांगे रखी गई हैं। अधिवक्ता हंसराज आत्मदाह प्रकरण में शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के अधिवक्ताओं पर राजस्थान प्रदेश के विभिन्न पुलिस थानों में जो झूठे मुकदमे दर्ज करवाए गए हैं उन्हें तुरंत वापस लिए जाने की मांग की।

आत्मदाह मामले में न्यायिक जांच की मांग

भरतपुर (निसं)। राजस्थान बार काउंसिल के आव्हान पर खण्डेला जिला सीकर (राज.) के हंसराज मावलिया अधिवक्ता द्वारा किए गए आत्महत्या के मामले को लेकर दी बार एसोसिएशन समिति भरतपुर के अधिवक्ताओं ने अपना विरोध प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जताते हुए न्यायिक जांच की मांग और मृतक आश्रित को सरकारी नौकरी की मांग को लेकर अतिरिक्त जिला कलक्टर बीना महावर को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन दिया। दी बार एसोसिएषन समिति भरतपुर के अध्यक्ष यशवंतसिंह फौजदार ने बताया कि हंसराज मावलिया अधिवक्ता द्वारा किए गए आत्महत्या के मामले में राजस्थान बार काउसिल के आव्हान पर विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्षन किया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। उन्होंने बताया हमारी मांगे है इस मामले में घायल अधिवक्ताओं को 5 लाख रूपए, मृतक अधिवक्ता के आश्रित को राजकीय नौकरी तथा प्रदर्षन के दौरान अधिवक्ताओं पर लगाए मुकदमें वापिस लेने की मांग की।

भागवत कथा में पहले विधायक ने सपरिवार महाआरती में लिया भाग

मासलपुर करौली (निसं.)। मासलपुर करौली सड़क मार्ग पर स्थित कोंडर गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में पूर्व विधायक सुरेश मीणा ने सपरिवार महाआरती में भाग लिया। इस अवसर पर करौली के पूर्व विधायक सुरेश मीणा ने देश में अमन चैन और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

गौरतलब है कि कोंडर गांव में समस्त ग्रामीणों के द्वारा संत शिवदास महाराज के सानिध्य में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को करौली के पूर्व विधायक सुरेश मीणा यहां पर सपरिवार पहुंचे।

- विधायक ने देश में अमन चैन और खुशहाली की भगवान से प्रार्थना की

पूर्व विधायक मीणा ने अपने परिवार कोंडर गांव में हनुमान जी के पर मंदिर चल रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में महा आरती में भाग लेकर देश में अमन चैन और खुशहाली के लिए कामना की इस अवसर पर पूर्व विधायक ने कहा कि उनका परिवार कोंडर सहित पांच गावों की जनता जनार्दन के साथ कृष्ण भगवान की आरती में भाग लेकर धन्य समझता हूं। इस अवसर पर पूर्व विधायक ने धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन को अच्छी परंपरा बताया उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम में उनकी तरफ से पूर्ण सहयोग रहेगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक के साथ टीम वसुंधरा राजे के करौली जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र मीणा सलेमपुर साथ रहे।

मासलपुर के निकट कोंडर गांव में पूर्व विधायक सुरेश मीणा ने सपरिवार कथा की आरती में भाग लिया।

गांवों को विस्थापित करने की मांग

करौली (निसं.)। सपोटरा पंचायत समिति के पूर्व प्रधान के नेतृत्व में कैलादेवी वन्य जीव अभयारण्य क्षेत्र के कई गांवों के लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर गांवों को विस्थापित करने की मांग की।

सपोटरा पंचायत समिति के पूर्व प्रधान राम कुमार बैरवा के नेतृत्व में ग्रामीण हरि शंकर, मदनलाल, जगनराम, सहाय, राम सिंह, श्रीलाल, देवीलाल आदि लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर बताया कि हम करीब 100 परिवार ग्राम पंचायत अमरगढ के हटिया एवं भोजपुरा के निवासी हैं। और हमारे यहां पर आसपास के सभी गांव विस्थापित हो चुके हैं।

अब हमारा रास्ता वहां पर दुर्लभ है आए दिन डकैत एवं समाजकंटको से परेशान हैं और गांव में बिजली की सुविधा नही है, ना ही पीने के पानी की कोई सुविधा है ऐसी स्थिति में हमारा रहना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों को विस्थापित करने की मांग करते हुए कहा कि विस्थापित होने के बाद हमारा परिवार सुख मय एवं बच्चों को आसानी से शिक्षा से जोड़ सकेंगे।

'चंबल का पानी नहीं आने तक चैन से नहीं बैठेंगे किसान'

मासलपुर (निसं.) पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास मीना ने कहा है। कि चंबल का पानी पूर्वी राजस्थान के लोगों के जीवन के लिए आवश्यक है। पानी के अभाव में भयावह हालात बनते जा रहे हैं। ऐसे में सरकार को ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देकर 13 जिलों के निवासी लोगों को नया जीवन देने का कार्य करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि चंबल का पानी नहीं आने तक पूर्वी-उत्तरी क्षेत्र के लोग चैन से नहीं बैठेंगे। प्रदेशाध्यक्ष मीना मासलपुर के सकरघटा के पास नीमरीकापुरा की ढाणी चतुर्भुज का पुरा में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति की ओर से आयोजित चतुर्थ किसान महापंचायत को संबोधित कर रहे थे। प्रदेशाध्यक्ष मीना ने कहा कि ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने की केन्द्र सरकार से मांग करते हुए 13 जिलों में जनजागरण अभियान चलाया हुआ है। इस अभियान की शुरूआत मंडरायल स्थित चंबल नदी पर जाकर महाआरती के साथ की गई थी। राजस्थान में पहली बार चंबल की पूजा अर्चना और महाआरती का आयोजन हुआ।उसके बाद प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया और चंबल की चिट्ठी तैयार कर प्रदेश के सभी 200 विधायक और 25 सांसदों को भेजी गई। इस चिट्ठी के माध्यम से पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के लिए चंबल की पानी की आवश्यकता बताते हुए ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने का आग्रह किया गया। महापंचायत में हिण्डौन के युवा नेता कर्णसिंह राजौरा,बटरू गुर्जर पीपलपुरा,पवन खटाना कैमरी,महेश खटाना कैमरी,कैलाश सरपंच धवान, बद्री पटेल आदि ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विजय सिंह,गिरधारी पटेल आरेना आदि शामिल हुए।

भंडारे में दलित परिवार से मारपीट, आठ जने घायल

हिण्डौन सिटी। बालघाट थाना क्षेत्र के गांव पिलुवा में आयोजित भंडारे के दौरान कुछ लोगों ने एक दलित परिवार के लोगों की बुरी तरह से पिटाई कर दी। जिसमें 8 जने घायल हो गए। बात इतनी थी कि उन्होंने दूसरे लोगों की झूठी पत्तल उठाने से मना कर दिया। मामला जिले के पीलुवा गांव के श्योसिंह का पुरा में रविवार शाम 6 बजे का है। रविवार को यहां भागवत कथा के समापन पर प्रसादी का आयोजन किया गया था। यहां इस कार्यक्रम में जाटव समाज के कुछ लोग प्रसादी लेने गए थे। पीड़ित लोगों का कहना है कि इस प्रसादी में उन्हें भी निमंत्रण दिया गया था। यहां जब पहुंचे तो उन्हें जबरन झूठी पत्तल उठाने के लिए कहा गया। जब उन्होंने मना कर दिया तो उनके साथ गाली-गलौज की। यहां तक कि महिला और पुरुषों की जमकर डंडे व लात-घूंसों से मारा। घायलों को हिंडौन अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चक्का जाम के बाद बयाना होकर डायवर्ट किया ट्रैफिक

बयाना। आरक्षण की मांग को लेकर सैनी समाज की ओर से जयपुर, आगरा नेशनलहाईवे पर गांव अरोदा के पास किए जा रहे चक्काजाम आंदोलन के चलते नेशनलहाईवे पर यातायात अवरुद्ध होने से अब इस यातायात को डायवर्ट कर बयाना होकर निकाला जा रहा है। जिससे कल शाम से बयाना भरतपुर व बयाना भुसावर स्टेट हाईवे पर मोटर वाहनों की कतारें लगी है। वही अब लोगों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आगरा की ओर से जयपुर की ओर जाने वाले व जयपुर की ओर से आगरा की ओर जाने वाले और मथुरा की ओर से आकर जयपुर की ओर जाने वाले सभी मोटर वाहनों को अब भरतपुर से बयाना और बयाना से वैर भुसावर छोकरवाडा होते हुए जयपुर के लिए निकाला जा रहा है इसी प्रकार जयपुर की ओर से आने वाले सभी मोटर वाहनों को भी बयाना होकर निकाला जा रहा है यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए आज भी बयाना पुलिस कोतवाली की ओर से भीम नगर तिराहे पर पुलिस की विशेष व्यवस्था की गई है रात्रि को भी पुलिस तैनात रही और वाहनों का रात भर भी आवागमन जारी रहा था। विभिन्न यात्री वाहनों में सवार यात्रियों ने बताया कि मनमाने ढंग से हो रहे इस आंदोलन के कारण आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

खास तौर से यात्री वाहनों में सवार छोटे-छोटे बच्चों व महिलाओं को भीषण गर्मी में इस आंदोलन के चलते ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड रहा है।

उन्होंने आंदोलनकारियों से भी धैर्य रखने और आमजन की परेशानियों को समझने व शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को शासन प्रशासन के संज्ञान में लाने का आग्रह किया है। ताकि उनकी मांगों का उचित समाधान हो सके।

जागरूकता अभियान आज से

करौली, (निसं.)। डांग विकास संस्थान द्वारा पॉल हेमलिन फाउण्डेशन के सहयोग से खान श्रमिक कल्याण बोर्ड व सिलिकोसिस पॉलसी पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि सोमवार को गढीका गांव में बैठक कर इस सम्बंध में चर्चा की।

जो पार्टी ब्राह्मण को सीएम चेहरा घोषित करेगी, उसी को देंगे समर्थन

भरतपुर (निसं)। मिशन हम भारत के ब्राह्मणके तहत रविवार सायं को सर्व ब्राह्मण समाज के लोगों की एसडीएस पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय बी नारायण गेट भरतपुर में बैठक संपन्न हुई। बैठक में समाज के सभी न्यातों के प्रबुद्ध जनों ने भाग लेकर, सक्रिय और शक्तिशाली राजनीतिक भागीदारी का संकल्प लिया। बैठक में समाज के प्रतिनिधियों ने आगामी विधानसभा चुनावों में दोनों बडी पार्टियों द्वारा सभी अनारक्षित सीटों पर ब्राह्मण चेहरों को टिकट देने तथा ब्राह्मण मुख्यमंत्री घोषित करने की मांग रखी। ब्रह्म चेतना को जागृत करने के मिशन को लेकर भ्रमण पर निकले जयपुर के योगेश्वर नारायण शमा ने अपने विचार व्यक्त किए।

RASHTRIYA CHEMICALS AND FERTILIZERS LIMITED
(A Government of India Undertaking)
Corp. Office : Priyadarshini, E.E. Highway, Sion, Mumbai 400 022.
CIN: L24110MH1978GOI020185
(Area Office Address : RCF Ltd, 40, Jadhon Nager 'B', Durgapura,Jaipur-PIN 302018)
Tel. No. 0141-2720334, 2554597, 2554979 mail ID rcfrajasthan@gmail.com

In pursuance to the order No. S.O. 2900(E) dated 24.10.2015 and its amendment dated 30.10.2017 issued by Department of Agriculture, Co-Operation and farmer's welfare, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare GOI. RCF Ltd here by notifies that RCF Ltd intends to sell 100% water soluble mixture of fertilizer as per specification given. NPK 19:19:19, Moisture Percent by weight, max-0.5%,N(T) min-19%, (NO3-N max-4%, NH4-N min-4.5%, Urea N max-10.5%), WP P2O5 min-19%, WS K2O min-19%, Na as NACL max-0.5%, Insoluble matter in H2O max - 0.5%, Lead, Cadmium & Arsenic max-Not traceable.

Supply and sales of above Sujala WSF19:19:19 grade will be done after 30 days of intimation.

State Incharge (Rajasthan)

Let us grow together

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक : न.नि.भ./स्कीम/2022-23/2434-35 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक : 7-6-2022

संजय नगर फेज-4 योजना भरतपुर में आवासीय भूखण्ड सं. 390 श्री तेजसिंह पुत्र श्री बदनसिंह जाति जाट निवासी संजय नगर, भरतपुर के नाम 99 वर्षीय लीज होल्ड पर आवासीय भूखण्ड आवंटन/नीलामी में नगर सुधार न्यास, भरतपुर द्वारा विक्रय किया गया था। जिसका क्षेत्रफल 159.12 वर्गगज है। श्री तेजसिंह पुत्र श्री बदनसिंह की मृत्यु दि. 26-9-2021 को हो चुकी है। श्री तेजसिंह ने अपने जीवनकाल में उक्त भूखण्ड का अपंजीकृत वसीयतनामाआम श्री प्रकाशचंद पुत्र स्व. श्री तेजसिंह के नाम कर दिया है। आवेदक श्री प्रकाशचंद पुत्र स्व. श्री तेजसिंह जाति जाट निवासी- आराधना स्कूल के पास, संजय नगर, भरतपुर ने अपंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर नाम परिवर्तन कराने हेतु आवेदन-पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है।

इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि 7 दिवस में कार्यालय नगर निगम भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने ग्याद आवासीय भूखण्ड सं. 390, संजय नगर, फेज-4, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

प्रभारी अधिकारी, स्कीम शाखा, नगर निगम, भरतपुर

बालश्रम की रोकथाम के लिए ई-रिक्शा रैली निकाली

भरतपुर,(निसं)। विश्व बालश्रम निषेध दिवस सप्ताह के उपलक्ष में दिशा फाउण्डेशन एवं मानव तस्करी विरोधी इकाई भरतपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भरतपुर के संयुक्त तत्वाधान में शहर में बालश्रम की रोकथाम हेतु ई-रिक्शा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अजय गोदारा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भरतपुर द्वारा रिक्शा रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना की गई।

यह रैली मानव तस्करी विरोधी यूनिट कार्यालय से बिजलीघर, लक्ष्मण मंदिर, हीरादास, कुम्हेर गेट, रेलवे स्टेशन होते हुए मानव तस्करी विरोधी कार्यालय पर समाप्त हुई।

विश्व बालश्रम निषेध दिवस सप्ताह के उपलक्ष में भरतपुर शहर में बालश्रम की रोकथाम हेतु ई-रिक्शा रैली का आयोजन किया गया।

इस रैली के अवसर पर मुख्य अतिथि अजय गोदारा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने शहर में बाल मजदूरी की रोकथाम हेतु मानव तस्करी विरोधी इकाई, चाइल्ड लाईन एवं कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउण्डेशन व अन्य हितधारकों को एक साथ मिलकर काम करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही बताया कि कंही भी कोई बच्चा बाल श्रम में लिप्त पाया जाता है तो त्वरित गति से संबंधित एंजेसीज् को कानूनी कार्यवाही करने की जरूरत है। इस अवसर पर गंगाराम पाराशर, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति ने कहा कि बाल श्रम की रोकथाम के लिए सबसे अहम भूमिका अभिभावकों की है तथा बच्चों के बेहतर भविष्य को लेकर इनको रणनीति की आवश्यकता है। इस अवसर पर अनिता ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज भरतपुर ने बताया कि बालश्रम की रोकथाम हेतु बनाये गये बालश्रम निषेध व नियमन कानून 1986 के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के जीवन और स्वास्थ्य के अहितकर 13 कार्यों को निषिद्ध बनाया गया है। साथ ही पुलिस की तरफ से पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में उपस्थित ओपी साहरण, आयुक्त श्रम विभाग भरतपुर ने कहा कि विभाग की ओर से बालश्रम कराने वाले नियोक्ताओं के विरूद्ध कडी से कडी कानूनी कार्यवाही कर उन्हे सजा दिलाने में संपूर्ण सहयोग दिया जायेगा।

बुजुर्ग का पर्स पार करते जेबकतरा दबोचा

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। शहर के मोहन नगर स्थित जिला अस्पताल में चोरी व जेब तरासी की घटनाऐं थमने का नाम नही ले रही है। जिसके चलते सोमवार को एक अस्सी वर्षीय बुजुर्ग के जेब से पर्स को पार करते समय एक जेब कतरे को लोगों ने दबोच लिया और उसकी जमकर धुनाई कर दी। इसके बाद जेबकतरे को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। समीप के गांव निसुरा निवासी 80 वर्षीय बुजुर्ग प्यारे लाल शहर के मोहन नगर स्थित राजकीय अस्पताल में ईलाज कराने के लिए आया था। बताया जा रहा है कि इस दौरान बुजुर्ग प्यारे लाल रोगी पंजीयन काउन्टर पर पर्ची लेने के लिए खडा हुआ था। वह पर्ची काउंटर से पर्ची ले रहा था तभी अचानक पीछे खडे जक जेबकतरे ने उसकी जेब साफ करते हुए जब से पर्स निकाल लिया। इतने में ही बुजुर्ग को पता चल गया। जैसे ही वह जेब से पर्स निकाल कर भागने लगा तो बुजुर्ग ने शोर शराबा मचा दिया जिससे मौके पर मौजूद भीड़ ने जेबकतरे को पकड़ कर धुनाई कर दी। इस घटन की मौके पर मौजूद लोगों ने चुलिस को सूचना कर दी।

राजस्थान सरकार

कार्यालय प्रबन्धक, विश्राम भवन, करौली

क्रमांक/वि.भ.करौ/2022-23/54 दिनांक: 08.06.2022

निविदा आमंत्रण-सूचना

01/2022-23

विश्राम भवन, करौली में वित्तीय वर्ष 2022-2023 में जॉब-बेसिस एवं संविदा के आधार पर सफाई कार्य, बागवानी कार्य, रसोईया कार्य एवं कम्प्यूटर आपरेटर (मेन-विद-मशीन) कार्य कुल लागत रूपये 9.80 लाख एवं किराना/परचून सामग्री एवं पेरिशबल सामग्री कुल लागत रूपये 6.00 लाख उपलब्ध करवाने हेतु विनिर्दिष्ट पंजीकृत निविदादाता/संवेदकों एवं होलसेल सप्लायर्स से खुली निविदाऐ (तकनीकी-बिड एंव वित्तीय-बिड) दिनांक 13.06.2022 से 21.06.2022 को अपरांह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत बोली आमंत्रण सूचना पोर्टल http://.sppp.rajasthan.gov.in पर अवलोकन करे।

UBN NO.CKL2223SSRC00004
UBN NO.CKL2223SSRC00005
NIB CODE: CKL2223A0004

प्रबन्धक
विश्राम भवन, करौली

राजसमंद शहर में आंधी-तूफान व ओलों के साथ बरसे बदरा

प्रदेश में प्री मानसून की बारिश ने कई जिलों को भिगोया

राजसमंद, (निसं)। शहर सहित जिलेभर में पिछले तीन दिनों से लगातार उमस के बाद सोमवार दोपहर में हुई तेज बारिश ने लोगों को राहत दी। जिला मुख्यालय पर सुबह से ही आसमान में बादलों का डेरा था। दोपहर 12 बजे के बाद तेज हवाओं के साथ जोरदार शुरू हुई बारिश में चने के आकार के ओले गिरे। करीब एक घंटे तक चले बारिश के दौर के बाद जिला मुख्यालय पर 47 एमएम बारिश दर्ज की गई। जबकि नाकली क्षेत्र में 4.6 एमएम दर्ज की गई।

प्री-मानसून की जिला मुख्यालय पर हुई पहली बारिश के दौरान भीगता युवक।

- प्री-मानसून की पहली बारिश में राजसमंद में 45 एमएम हुई बारिश

उमस से बेहाल लोगों को बारिश से राहत मिली। बारिश के दौरान सडकों व नालों में पानी भर गया। इसके चलते टू व्हीलर व फोर व्हीलर वाहनों को आवाजाही में परेशानी रही। सडक पर वाहन लेकर निकले लोगों को कहीं-कहीं मुसीबत का सामना करना पडा। बारिश के साथ तेज हवाओं के कारण कुछ समय के लिए बिजली बंद रही। बारिश के साथ तेज हवाओं के कारण सडकों पर लगे होर्डिंग, बोर्ड भी उड कर सडकों पर गिर गए। वहीं कलेक्ट्रेट निवास के बाहर एवं मुखर्जी चौराहे के समीप एक पैड हवा के तेज वेग से उखड कर जमीधोंस हो गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई हादसा नहीं हुआ। जिला मुख्यालय पर मानसून की शुरूआत में ही एक 1 घंटे की बारिश के बाद शहरवासियों ने राहत की सांस ली। जिले के सभी प्रमुख बांधों का जल स्तर इस बार बहुत नीचे चला गया है। ऐसे में इस प्री मानसून की बारिश और मानसून से लोगों को बहुत उम्मीदें हैं। बारिश के बाद किसानों के भी चेहरे खिल गए। ये बारिश फसल बुवाई के लिए अच्छी मानी जा रही है।

उदयपुर में ग्रामीण क्षेत्र में अच्छी बरसात, उमस से लोगों को राहत

उदयपुर, (कासं)। झीलों के शहर में भारी उमस के बीच सोमवार को बदले मौसम के साथ प्री-मानसून की बारिश हुई। बारिश का यह क्रम शहर के अलग-अलग इलाकों में दोपहर बाद शुरू हुआ जो शाम तक जारी रहा। प्री-मानसून की यह बारिश खण्ड वर्षा के रूप में हुई। सबसे पहले शहर के प्रतापनगर क्षेत्र में बारिश होने के समाचार मिले। इसके बाद शाम तक शहर के विभिन्न इलाकों में बारिश हुई। तापमान में पांच डिग्री की गिरावट भी हुई। मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार सुबह 8 बजे से शाम 5.30 बजे तक बीते 12 घंटों में 11.2 मिमी (करीब आधा इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा उदयपुर अंचल के कई ग्रामीण कस्बों व क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश के समाचार मिले है। अधिकतम तापमान में एक डिग्री की और गिरावट हुई है। दो दिन में तापमान में 6 डिग्री की गिरावट हुई है। शनिवार को तापमान 40.6 डिग्री था जो रविवार को पांच डिग्री गिरकर 35.4 डिग्री पर आ पहुंचा और आज यह 34.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

भरतपुर में माली समाज का चक्का जाम जारी

सैकड़ों की संख्या में लोग बैठे हैं नेशनल हाइवे पर

मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने अधिकारियों से भरतपुर में शांति बनाए रखने के संबंध में वार्ता की।

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जयपुर राष्ट्रीय संख्या 21 पर स्थित अरौदा गांव पर माली, सैनी, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज के लोगों द्वारा आरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर किया जा रहा चक्का जाम दूसरे दिन सोमवार को भी जारी रहा। समाज के आंदोलन को देखते हुए संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने आदेश जारी कर नदबई, वैर, भुसावर, उच्चौन कस्बों के इंटरनैट सेवा को बंद कर दिया गया है।

- माली, सैनी, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज के लोगों को अलग से आरक्षण दिए जाने की मांग की
- चार कस्बों में 24 घंटे बंद रहेगा इंटरनैट

आंदोलनकारी की मांग है कि राज्य सरकार के अधिकारी व मंत्री वार्ता के लिए आए। जिस पर सरकार ने पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह सोमवार को भरतपुर आए । जहां उनके साथ संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, आईजी प्रसन्न कुमार खमेसरा, जिला कलक्टर आलोक रंजन, एसपी श्याम सिंह सहित अन्य अधिकारी धरना स्थल पर भी पहुंचे है। बाद में इन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह की संभागीय आयुक्त कार्यालय में इस मामले में अधिकारियों से चर्चा की है। इस दौरान कैबीनेट मंत्री भजन लाल जाटव भी मौजूद रहे। माना जा रहा है कि आज आंदोलनकारियों से चर्चा कर उनका ज्ञापन लेकर इस मामले में सकारात्मक पहल हो सकती है।

संभागीय आयुक्त कार्यालय में कैबीनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने मीडिया से वार्ता करते हुए कहा है कि सैनी और कुशवाह समाज का जो आंदोलन चल रहा है। उसको लेकर चर्चा हो रही है की उसका लीडर कौन है। गुर्जर आंदोलन के समय लीडर कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला थे। जो कि समाज में सर्वमान्य नेता थे लेकिन माली समाज के इस आरक्षण आंदोलन में लीडर की कमी दिखाई दे रही है। इसके अलावा भीषण गर्मी पड़ रही है। चक्का जाम में बुजुर्ग भी बैठे हैं महिलाएं भी बैठी अगर किसी को कुछ हो गया तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने नेशनल हाईवे को रोक रखा है 24 घंटे में कम से कम उन्हें वार्ता के लिए आना चाहिए। वार्ता के लिए खुला न्योता है जब आना चाहे तब आये, लेकिन अधिकृत रूप से आए।

संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने आदेश जारी करते हुए बताया है की, माली, सैनी, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज द्वारा 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग की जा रही है। शांति और कानून व्यवस्था को बिगड़ने की संभावना को देखते हुए इंटरनैट और ब्रॉडबैंड की सेवाओं पर रोक लगाया जाना जरुरी है। इसलिए नदबई, वैर भुसावर और उच्चैन तहसील में इंटरनैट सेवा बंद करना काफी कारगर सिद्ध हो सकता है। यह इंटरनैट 13 जून 11 बजे से 14 जून 11 बजे तक बंद रहेगा। आरक्षण संघर्ष समिति के संरक्षक लक्ष्मण सिंह कुशवाहा ने बताया कि समाज के लोग संविधान के तहत आरक्षण की डिमांड कर रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद संख्या 16.4 में व्यवस्था दी गई है, की जो जातियां अति पिछड़ी हुई हैं, उन्हें राज्य सरकार अपने स्तर पर आरक्षण दे सकती है। इसका केंद्र से कोई मतलब नहीं रहता है। हम जनसंख्या के आधार पर आरक्षण मांग रहे हैं।

मरूधरा जोधपुर में खुलकर बरसे बादल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में दिन भर आसमां पर छाए बादल सोमवार को शाम को बरसे। करीब सवा चार बजे अचानक ही बूंदाबादी शुरू हो गई। बाद में खुल कर बरसे। देखते ही देखते सडकों पर पानी बहने लगा। दक्षिण पश्चिम मानसून निर्धारित समयानुसार आगे बढ रहा है। गुजरात के कच्छ तक पहुंचने के बाद इसके जल्द की राजस्थान में प्रवेश की संभावना बनी है। परिस्थितियां अनुकूल रही तो जल्द की प्रदेश पर मानसूनी बादल नजर आ जाएंगे। फिलहाल प्रदेश में प्री मानसून बारिश की शुरूआत हो गई है। प्रदेश में रविवार को प्री मानसून की बारिश ने कई जिलों को भिगोया, वही कई जिलों में अब भी भीषण गर्मी और उमस बनी हुई है।

मारवाड में भी रविवार को बादलों का डेरा जमने लगा था। आज भी मारवाड पर प्री मानूसन के बादल छाए हुए है। बादलों के छाने से मौसम खुशनुमा बना हुआ है मगर उमस बरकरार होने से लोगों अब बारिश का इंतजार है। मारवाड में रविवार को जहां पाली, जालोर के साथ जोधपुर के लूणी में धुंधाडा में बारिश हुई वहीं आज घने बादलों के छाने से बारिश के आसार सुबह से ही बने हूए थे।

मौसम विभाग ने भी मारवाड के जालोर सिरोही, पाली, जैसलमेर,जोधपुर सहित 12 जिलों के अलर्ट जारी किया है। आगामी 24 घंटों में यहां पर आंधी के साथ बारिश हो सकती है। सोमवार को जोधपुर शहर में सुबह से ही बादलों की आवाजाही बनी हुई है। बादलों की ओट में सूर्यदेव के छिपने से गर्मी का असर काफी हद तक कम हुआ है, मगर उमस बनी रहने से लोगों को पसीने भी छूट रहे है। आज दोपहर में तापमान 36 डिग्री तक आ गया है, हवा में नमी की आद्रता बढने से बारिश के आसार बढ गए है।

बीकाणे में मेहरबान हुए इन्द्रदेव

बीकानेर में हुई बारिश के दौरान अठखेलियां करते बच्चे।

बीकानेर, (कासं)। अंचल में दो दिन लगातार भीषण गर्मी के बाद सोमवार को आखिर इन्द्रदेव इलाके पर मेहरबान हुए। दोपहर तक उमस और गर्मी के बाद आसमान में छाए काले बादलों ने करीब तीन बजे बरसना शुरू किया। आधे घंटे से अधिक समय तक हुई बारिश से बीकानेर शहर की गलियों में पानी भर गया। बीकानेर में इन दिनों तापमान 44 डिग्री के आस-पास रह रहा है। सोमवार को बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं साथ ही खरीफ की फसलों को भी जीवनदान मिल गया।

गर्मी से झुलस रहे पेड़-पौधे भी बारिश से फिर खिल उठे। बारिश बीकानेर शहर के साथ ग्रामीण अंचल में भी हुई है। इलाके में अभी ग्वार और मूंग-मोठ की बुवाई होनी है। ऐसे में बारिश से आगामी सीजन में फसलों को लेकर उम्मीद बंधी है। सिंचित क्षेत्र में कपास की फसल गर्मी से झुलस रही थी। उसे भी बारिश ने जीवनदान दिया है। बारिश शुरू होने के साथ ही पूरे शहर में बिजली गुल हो गई। जिससे लोगों को जरूर परेशानी हुई। शहर के कई हिस्सों में तो काटी गई बिजली आपूर्ति एक घंटे तक बहाल नहीं हो पाई।

खाली प्लॉट पर अवैध निर्माण करते चार भू-माफिया गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में अवैध निर्माण करने के आरोपी।

टोडाभीम, (निसं)। क्षेत्र के प्रमुख आस्थाधाम मेहंदीपुर बालाजी में खाली प्लॉट पर गत रात्रि लट्ठ के बल पर अवैध निर्माण करने के आरोप में स्थानीय पुलिस ने चार भूमाफियाओं को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी रामखिलाड़ी मीना ने बताया कि गत रात्रि करीब 11 बजे सूचना मिली कि कांग्रेस नेता सूरजभान मीना अपने 30-40 साथियों के साथ वेदान्ता होटल के सामने खाली प्लॉट का ताला तोड़कर कब्जा करने के उद्देश्य से अवैध निर्माण कर रहा है।

- कांग्रेस नेता सूरजभान मीना रात्रि में करवा रहा था अवैध निर्माण

इस पर पुलिस टीम को मौके पर रवाना किया। वहां खाली प्लॉट के अन्दर सूरजभान मीना अपने साथियों के साथ अवैध निर्माण करने की जिद कर रहा था। उनको एसआई भगवान सिंह समझाइश कर रहे थे लेकिन सूरजभान मीना रात्रि को ही अवैध निर्माण कर कब्जा करना चाह रहा था। उससे समझाइश के प्रयास किये गए तो पुलिस से उलझने लगा और अपने पद का प्रभाव दिखाते हुए पुलिस पर दबाब बनाने लगा।

इस दौरान पुलिस ने चार व्यक्तियों को पकड़ लिया और बाकी लोग प्लॉट की दीवार कूद कर भाग गये। पुलिस ने मौके से सूरजभान मीना, महेश, लेखराज सहित रोहित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से एक बोलेरो, एक मोटरसाइकिल, एक जुगाड़नुमा वाहन जिसके अन्दर लोहे की टीन, एंगल, छोटी बैल्डिंग मशीन, ग्राइंडर आदि सामान को लावारिस स्थिति में जब्त किया है।

अतिक्रमण हटाने गई टीम को देख युवक ने खुद को आग लगाई

अलवर, (निसं)। अतिक्रमण हटाने गई टीम को देखते ही युवक ने खुद को आग लगा ली। आनन-फानन पुलिस वालों ने युवक को डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल पहुंचाया। गंभीर हालत को देखते हुए उसे जयपुर रेफर कर दिया गया है। मालाखेड़ा इलाके के पहाड़ी गांव में सोमवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे थे। सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर टीम को कार्रवाई करनी थी। कोर्ट के आदेश पर जमीन से कब्जा हटाना था। मौके पर पुलिस को देख चांद पहाडी निवासी करण सिंह (40) पुत्र मंगतूराम ने खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया। पहले झोपड़ी और बाद में खुद को आग लगा ली। इस घटना के बाद परिजनों ने पुलिस टीम पर आरोप लगाया कि यह आग पुलिसकर्मियों ने लगाई है।

- परिजनों ने पुलिस टीम पर आग लगाने का आरोप लगाया

दरअसल जिस जमीन पर टीम अतिक्रमण हटाने गई थी वह 1975 में कन्हैया नाम के व्यक्ति को अलॉट कर दी गई थी। करण सिंह के भाई ने बताया कि मंगतूराम परिवार का गांव में गैर खातेदारी जमीन पर करीब 45 साल से अधिक समय से कब्जा है। अब प्रशासन इस जमीन से कब्जा हटाने आया था। मौके पर उसके भाई को जला दिया गया। काफी देर तक आग से जला हुआ युवक वहीं पडा रहा। बाद में उसे अस्पताल पहुंचाया गया।

एसडीएम अनुराग हरित ने कहा कि कोर्ट के आदेश पर चांद पहाडी एरिया में अतिक्रमण हटाने गए थे। मौके पर कार्यवाही से पहले ही करण सिंह ने आत्मदाह का प्रयास किया। टीम की ओर से उसे बचाने का भी प्रयास किया गया है। अब उसे जयपुर रेफर किया गया है। युवक परिवार के साथ इसी जमीन पर खेती-बाड़ी करता है। अलवर तहसीलदार ने बताया कि 183-बी के आदेश पर कार्रवाई की जानी थी। जमीन से कब्जा हटाने के लिए तहसीलदार कोर्ट से अगस्त 2016 में फैसला आया था। कब्जेधारियों ने रेवेन्यू कोर्ट में अपील की थी। लेकिन, उनकी अपील खारिज हो गई थी। हाल में एससी आयोग के चेयरमैन अलवर आए थे, इस दौरान उन्होंने ऐसे अवैध कब्जे हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद इस जमीन पर कब्जा हटाने के लिए सोमवार को टीम पहुंची थी। उन्होंने बताया कि 1.94 हैक्टेयर जमीन पर अवैध कब्जा था।

चंदन पेड़ चुराने वाला रिमांड पर

उदयपुर, (कासं)। चंदन पेड़ काटने जिला कलक्टर के बंगले में घुसे युवक को पुलिस ने रिमांड पर लिया है। प्रकरण के अनुसार 12 जून सवेरे जिला कलक्टर के बंगले में संदिग्धों के आने का पता चलने पर संतरी जगदीश के चिल्लाने पर साथियों के साथ घेरा डाल अम्बामाता कच्ची बस्ती कोतवाली निम्बाहेड़ा चित्तौड़ को दबोच लिया। इस दौरान उसका साथी डावदा छोटीसादड़ी निवासी देवा रावत फरार हो गया। अनुसंधान अधिकारी हेडकांस्टेबल किशनसिंह ने आरोपी प्रहलाद को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे 15 जून तक के लिए रिमाण्ड पर लेकर फरार साथी व अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

गोविंदराम मेघवाल के बेटे पर हमले के लिए हथियारों की होनी थी खरीद

केबिनेट मंत्री गोविन्दराम मेघवाल से फिरौती मांगने का मामला

बीकानेर, (कासं)। राज्यसभा चुनाव की बाड़ेबंदी के दौरान केबिनेट मंत्री गोविन्दराम मेघवाल से फिरौती मांगने वाले बदमाश उनके बेटे और पूगल पंचायत समिति के प्रधान गौरव मेघवाल पर हमला करने के लिए हथियार खरीदने की तैयारी में थे। इस बीच पुलिस ने दो युवकों और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। वहीं हथियार खरीदने की फिराक में इधर-उधर भाग रहे बदमाशों की गिरफ्तारी का प्रयास चल रहा है।

बीकानेर रेंज के आईजी ओमप्रकाश ने बताया कि मंत्री गोविन्दराम को धमकी देने में लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप का संपर्क नहीं है। छह दिसम्बर 21 को खाजूवाला के ग्राम सात एसएसएम में सरपंच खलील खान के साथ मारपीट हुई थी। उसी मारपीट के मामले में जिन लोगों के खिलाफ चालान पेश हुआ, उनमें राजेश उर्फ राजू बिश्नोई भी था। गोविन्दराम मेघवाल पर खलील खान को समर्थन देने का आरोप लगाते हुए राजू बिश्नोई ने उस पर दबाव बनाने का निर्णय किया। इस काम में उसने मलेशिया में रहने वाले सेठीराम उर्फ सुनील बिश्नोई से संपर्क किया।

सुनील ने ही मलेशिया से गोविन्दराम मेघवाल को कॉल करके धमकाया व सत्तर लाख रुपए की फिरौती मांगी। इतना ही नहीं उसे गौरव और सरीता मेघवाल की व्हाट्सएप फोटो भी भेजी। योजना थी कि फिरौती नहीं देने पर गौरव मेघवाल को धमकाया जाएगा। इसके लिए हथियार खरीद की जिम्मेदारी दी गई। ये काम गुरविंद्र सिंह उर्फ सेरी यादव को सौंपा गया। पुलिस अब इसी गुरविंद्र को गिरफ्तार करने की तैयारी में है।

एक दिन में 27 बाल श्रमिक मुक्त

उदयपुर, (कासं)। बालश्रम मुक्त उदयपुर अभियान के प्रथम दिवस सोमवार को कुल 27 बच्चों को बालश्रम से मुक्त करवा कर कुल 9 मामले संबंधित थानों में दर्ज की गई। राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग सरकार के सदस्य डॉ. शैलेंद्र पण्ड्या ने कहा कि बालश्रम मुक्त उदयपुर के लिए हम दोनों पक्षों पर एक साथ काम कर रहे हैं।

बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक मीना शर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, मानव तस्करी विरोधी यूनिट, बाल कल्याण समिति, श्रम विभाग, कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन, बाल सुरक्षा नेटवर्क एवं गायत्री सेवा संस्थान सहित स्थानीय संगठनो द्वारा सामूहिक रूप से दल बनाकर शहर के सूरजपोल, सवीना, सुखेर, प्रतापनगर एवं धानमण्डी पुलिस थाना अंतर्गत जन-जागरूकता एवं बाल श्रमिकों का रेस्क्यू किया गया।

संभागीय श्रम आयुक्त पी.पी शर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान जिन होटल, रेस्टोरेंट एवं कार्यस्थल पर बालश्रम होता नहीं मिला उन मालिक, नियोक्ताओं का सम्मान भी टीम द्वारा पुष्प गुच्छ एवं उपरना भेंट कर किया गया।

कॉलेज प्रशासन और आंदोलनकारी छात्र आमने-सामने, पुलिस में पहुंचा मामला

जीएलएम कृषि कॉलेज की छात्रा हेमलता की कॉलेज की बस से बीच रास्ते में उतारने के बाद हुई मौत का मामला

किशनगढ़बास, (निसं)। जीएलएम कृषि कॉलेज की छात्रा हेमलता कुमावत की मौत के मामले में शनिवार को कॉलेज गेट पर की गई तालाबंदी, स्टाफ के साथ धक्का-मुक्की अभद्रता व कॉलेज में तोड़फोड़ को लेकर कॉलेज प्रशासन ने आंदोलनकारी छात्रों के विरुद्ध पुलिस में मामला दर्ज कराया है। वहीं दूसरी ओर सोमवार को किशनगढ बास पहुंचे मृतक छात्रा हेमलता कुमावत के भाई आशीष कुमावत ने पुलिस थाने में प्रिंसिपल सहित तीन जनों को बहन की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए शिकायत दी है।

सोमवार को सीकर जिले के दातारामगढ के गांव पचार निवासी आशीष कुमावत व कुम्हार समाज के प्रदेश अध्यक्ष किशोर दूल्हेपूरा जीएलएम कृषि कॉलेज के छात्रों के साथ तहसील कार्यालय और पुलिस थाने पर पहुंचे जहां छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर पुलिस में छात्रा हेमलता कुमावत की मौत का जिम्मेदार कॉलेज प्रशासन को ठहराते हुए कॉलेज प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

किशनगढ़बास पुलिस थाने पहुंच कर छात्रा हेमलता के भाई ने छात्रों के साथ पहुंच कर कॉलेज प्रशासन के खिलाफ भी शिकायत मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की रखी मांग।

छात्रा हेमलता कुमावत के भाई आशीष कुमावत की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया है कि 9 जून को कॉलेज से छुट्टी के बाद स्टाफ की बस में किशनगढ बास बैठ कर आ रही हेमलता कुमावत सहित करीब आधा दर्जन छात्राओं को कॉलेज प्रशासन की हठधर्मिता के चलते बीच रास्ते में किशनगढ बास से करीब 3 किलोमीटर पहले यह जानते हुए उतार दिया गया कि छात्रा हेमलता कुमावत माइग्रेन से पीड़ित है। यहां तक की बस से उतारे जाने के बाद छात्राओं को कॉलेज के लोगों ने धमकाया।

- मृतक छात्रा के भाई ने कॉलेज प्राचार्य सहित दो जनों के खिलाफ की शिकायत
- प्रिंसिपल ने छात्रों के खिलाफ तालाबंदी, स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार का कराया मामला दर्ज

दूसरी ओर प्रिंसिपल डॉ. प्रीति नायर नें पुलिस थाने में करीब एक दर्जन छात्रों के विरुद्ध मामला दर्ज कराते हुए पुलिस को रिपोर्ट में बताया है कि शनिवार को 10-12 छात्रों का गिरोह बनाकर छात्र हाथों में डंडा केसरिया लेकर सुबह कॉलेज के बाहर आए और कॉलेज के मैन द्वार पर ताला लगा दिया। छात्रों ने कॉलेज स्टाफ को भी कॉलेज परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया। कॉलेज प्रिंसिपल के कॉलेज में प्रवेश करने पर अभद्र व्यवहार व गाली गलौज कर कॉलेज में तोड़फोड की गई। कॉलेज प्रबंध निर्देशक रितेश शर्मा का कहना है कि कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल ए के पाठक कॉलेज से हटाए जाने पर छात्रों को कॉलेज के खिलाफ उकसाने का काम कर रहे हैं।

स्वाभिमान की बात पर भी हमारा खून नहीं खोलता है, तो हम पर लानत है : डोटासरा

जयपुर, (का.प्र.)। राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ के खिलाफ जहां मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन का मोर्चा संभाला तो जयपुर में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से ईडी कार्यालय ज्योति नगर तक मार्च निकालकर कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार को ललकारा।

जयपुर में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से ज्योति नगर तक निकाले गए मार्च में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और कांग्रेस नेताओं सहित कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंचे। हालांकि उम्मीद के मुताबिक भीड़ नहीं आने पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि कुछ नेता सरकार में पद लेकर तो बैठे हैं, लेकिन जब संघर्ष करने के लिए सड़क पर उतरना होता है, तो वह समर्थक लाने की बजाय अपने गनमैन लेकर इन प्रदर्शनों में पहुंच जाते हैं। अब समय आ गया है, जब हम सबको खड़ा होना होगा, क्योंकि जब स्वाभिमान पर बात आती है या किसी व्यक्ति की इज्जत सरेआम लूटने की साजिश होती है, उसके बाद भी अगर हमारा खून नहीं खौलता है तो हम पर लानत है। हम धरती पर जिंदा कैसे हैं?

डोटासरा ने कहा कि हम कांग्रेस के सिपाही हैं। हम सब पद लेना चाहते हैं, सरकार में बड़े-बड़े ओहदे लेना चाहते हैं। हम मर्जी के मुताबिक अधिकारी लगवाना चाहते हैं, लेकिन जब संघर्ष की बारी आती है, तो हम अपनी गाड़ी के गनमैन के साथ बैठकर आ जाते हैं। इस प्रकार से यह देश नहीं बचेगा कि हमारे नेता के पर हमला हुआ और हम धरने प्रदर्शन और कार्यक्रम को हंसी मजाक में लेंगे।

दिल्ली में राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को प्रदेश कार्यालय से ज्योति नगर तक पैदल मार्च निकाला।

- **प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने उलाहना दिया, ''नेता पद लेकर बैठे हैं, लेकिन संघर्ष के लिए सड़क पर उतरना होता है, तो समर्थक लाने की बजाय गनमैन लेकर आ जाते हैं''**

डोटासरा ने कहा कि कल हमें भी जब पकड़कर जेलों में ठूंसा जाएगा, उस समय हमारे पक्ष में भी कोई नहीं बोलेगा क्योंकि जब हमारे नेता, हमारे पार्टी प्रमुख पर हाथ उठाया, तब भी हम नहीं बोले। ऐसे में अब संदेश यह जाना चाहिए कि राहुल गांधी के पर जो कार्रवाई करने का प्रयास है, उसके बाद भाजपा और मोदी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। लगना चाहिए कि हम लोग जाग गए हैं। कांग्रेस का कार्यकर्ता सड़कों पर आ गया हैं। डोटासरा ने कहा कि अब जेल भरनी पड़ेगी तो हम जेल भरेंगे, डंडे खाने होंगे तो हम डंडे भी खाएंगे। जब सरकार में बैठकर हम मलाई खा सकते हैं तो क्या कांग्रेस के नेता के लिए डंडे नहीं खा सकते?

मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने कहा बीजेपी जब से सत्ता में आई है पूरे देश को बेचने का काम कर रही है। रेलवे, एयरपोर्ट, एलआईसी बेच दिए। बैंक, सड़क और कोयला बेचने का काम हो रहा है। पूरे देश में दंगे फैलाने की कोशिश हो रही है। कभी नबी के नाम पर गाली देते हैं। ताकी दंगे फैलें। इसलिए नारा देना होगा। पहले लड़े थे गोरों से अब लड़ेंगे चोरों से। ये अंग्रेजों के मुखबिर हैं। इनका आजादी पर कोई भरोसा नहीं है। 52 साल तक आरएसएस कार्यालय पर कभी तिरंगा झंडा नहीं फहराया। अब असली हिन्दू राष्ट्र बनाने की बात की जा रही है।

मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब किसी राज्य के सिटिंग मुख्यमंत्री को धरना-आंदोलन में हिस्सा लेने पर गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री गहलोत ने खुद ट्वीट कर जानकारी दी कि उन्हें दिल्ली में किसी थाने में ले जाया जा रहा है। खाचरियावास बोले कि लोकतंत्र में ऐसा नहीं होता। यह संविधान का उल्लंघन है। कल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जयपुर में बीजेपी के किसी कार्यक्रम में आएंगे, तो क्या उन्हें राजस्थान की कांग्रेस सरकार गिरफ्तार करवा देगी। खाचरियावास बोले डोटासरा इनकार कर रहे हैं कि राजस्थान में मोदी को गिरफ्तार नहीं करवाया जाएगा क्योंकि कांग्रेस लोकतंत्र में विश्वास करती है।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ चंद्रभान ने कहा मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने एक बात होशयारी की कही है कि राहुल गांधी को ईडी गिरफ्तार नहीं करेगी। मोदी और अमित शाह केवल गीदड़ भभकियाँ देते हैं। राहुल गांधी को अगर गिरफ्तार किया तो केंद्र सरकार की अक्ल दुरुस्त करने का काम कांग्रेस पार्टी करेगी। धरने में विधायक इंद्राज गुर्जर, बाबूलाल नागर सहित अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धरने को मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला, डॉ. चन्द्रभान, शकुंतला रावत, रमेशचन्द मीणा, परसादीलाल मीणा, राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह गुढा, विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा, मुकेश भाकर, रामनिवास गावड़िया, जगदीश जांगिड़, संदीप यादव, गिरिराज सिंह मलिंगा, प्रदेश उपाध्यक्ष नसीम अख्तर इंसाफ, सामाज कल्याण बोर्ड की चेयरमेन डॉ. अर्चना शर्मा, कैशकला बोर्ड के चेयरमेन महेन्द्र गहलोत, एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक चौधरी सहित अनेक नेताओं ने सम्बोधित किया।

'बौखलाई कांग्रेस सत्याग्रह का ढोंग रच रही है'

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि देश में आर्थिक अपराधों पर नकेल कसने वाली संस्था प्रवर्तन निदेशालय द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी को समन भेजने से बौखलाई कांग्रेस सत्याग्रह का ढोंग रच रही है। अगर गांधी परिवार बापू के सत्याग्रह को आत्मसात कर लेता तो आज फर्जी सत्याग्रह की नौबत नहीं आती।

राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2012 में गांधी परिवार पर यंग इंडियन लिमिटेड के माध्यम से नेशनल हेराल्ड की मूल कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड का गलत तरीके से अधिग्रहण का आरोप लगा था।

रिश्वत लेने वाले नगर पालिका चेयरमैन को सजा

जयपुर, (का.सं.)। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 ने कृषि भूमि को आवासीय में बदलने के बदले रिश्वत लेने वाले किशनगढ़-रेनवाल नगर पालिका मंडल के तत्कालीन चेयरमैन कन्हैयालाल कुमावत को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 40 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि सांवरमल जाट ने बीस फरवरी 2009 को एसीबी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि उसने अपनी कृषि भूमि को आवासीय में बदलने के लिए आवेदन किया था। नगर पालिका चेयरमैन दस रुपए वर्ग गज के हिसाब से दो लाख रुपए मांग रहा है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने 22 फरवरी को सत्यापन किया और 24 फरवरी को अभियुक्त को पचास हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

कांग्रेस पार्टी प्रदेश में किसानों की पीठ में छुरा घोंपने का काम कर रही है : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 11 जून को अपने निवास पर राज्य मंत्रीमण्डल की बैठक में कृषि उपज मण्डी अधिनियम 1961 की धारा 17 एवं 17-ए के तहत ''मण्डी प्रांगण की चार दीवारी'' के स्थान पर मण्डी क्षेत्र लागू करने के प्रावधान के लिए मण्डी अधिनियम में संशोधन किये जाने का जो निर्णय लिया है उससे अब प्रदेश के भोले-भाले किसानों के द्वारा कृषि मण्डियों के बजाय खुले बाजार में बेची जा रही अपनी फसल पर टैक्स देने के लिए बाध्य होगा।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री का दोहरा रवैया इस बात से साबित होता है कि जब केन्द्र सरकार द्वारा किसानों के कल्याण के लिए सन् 2020 में 3 ऐतिहासिक बिल लाये गये थे, जिसके अनुसार किसानों को बिना मण्डियों में जाये अपनी उपज को खुले बाजार में बेचने के स्वछन्द अधिकार दिये थे उसका कांग्रेस पार्टी ने पुरजोर विरोध किया था। अब वही कांग्रेस पार्टी प्रदेश में किसानों की पीठ में छुरा घोंपने का काम कर रही है और गरीब किसान पर जाते-जाते टैक्स का बोझ लाद रही है। राज्य सरकार द्वारा 2020 के विधानसभा सत्र में राजस्थान कृषि उपज मण्डी अधिनियम 1961 के अन्तर्गत राजस्थान कृषि उपज मण्डी (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2020 के द्वारा नई धारा 17-ए जोड़ी गई थी जिसके आधार पर प्रदेश में सभी मण्डी समितियों द्वारा चलाये गये प्रधान मण्डी यार्ड, उपमण्डी यार्ड, निजी मण्डी यार्ड, निजी मण्डी उपयार्ड, निजी कृषक उपभोक्ता मण्डी यार्ड, मण्डियों या मालिक मण्डियों के रूप में चिन्हित भण्डार गृह, कोठार, शीत गृह या अन्य स्थान जहां पर किसानों द्वारा अपनी फसल को लाकर बेचा जा रहा है।

भाजपा में संगठनात्मक बैठकों का दौर शुरू

जयपुर। राज्यसभा चुनाव में भले ही भाजपा को क्रॉस वोटिंग का दंश झेलना पड़ा हो लेकिन अपने पुराने कड़वे अनुभव भुलाकर भाजपा अब मिशन 2023 की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए संगठनात्मक बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। सोमवार को प्रदेश मुख्यालय में जहां सशक्तिकरण अभियान का आगाज किया गया। प्रदेश भाजपाजून और जुलाई महीने में भाजपा की संगठनात्मक स्तर पर मजबूती के लिए कई कार्यक्रम हाथ में लिए गए हैं। भाजपा सांसदों को भी पार्टी की सबसे छोटी बूथ इकाई से जुड़े अभियान में टास्क दिया गया है। बूथ सशक्तिकरण अभियान की कार्यशाला में सांसदों ओर हर जिले के अभियान से जुड़े संयोजक और सह संयोजक भी इस बैठक में शामिल रहे। हालांकि भाजपा के 17 लोकसभा और 1 राज्यसभा सांसद इस बैठक में शामिल हुए जबकि प्रदेश में लोकसभा के 24 और राज्यसभा के 4 सांसद भाजपा के हैं। बैठक में शामिल होने वाले सांसदों में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के साथ ही सांसद रामचरण बोहरा, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, बाबा बालक नाथ, राहुल कसवा, रंजीता कोली, पीपी चौधरी, कनक मल कटारा और दुष्यंत सिंह समेत 18 सांसद शामिल हुए।

सार-समाचार

आरएनसी रजिस्ट्रार का स्वागत किया

जयपुर । राजस्थान प्राइवेट नर्सिंग स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज फैडरेशन व प्राइवेट फिजिओथैरेपी, नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल इस्टीट्यूशन्स सोसाइटी ऑफ़ जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में फैडरेशन के पदाधिकारियों की ओर से राजस्थान नर्सिंग कौंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. शशिकान्त शर्मा का 51 किलो की माला पहनाकर अभिनन्दन किया। राजस्थान प्राइवेट नर्सिंग स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज फैडरेशन के उपाध्यक्ष विमल मीणा और प्राइवेट फिजिओथैरेपी, नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल इस्टीट्यूशन्स सोसाइटी ऑफ़ जयपुर के सचिव दिलीप तिवाड़ी ने बताया की नर्सिंग कौंसिल के अंतर्गत वर्तमान में परीक्षाएं व पंजीयन सम्बन्धी सभी कार्य ऑनलाइन सम्पादित किये जा रहे हैं। इससे प्रदेश की नर्सेज एवं छात्र-छात्राओं को काफी राहत मिली है। वहीं समय से काम हो रहा है। उन्होंने बताया की कौंसिल में पहली बार परीक्षाएं समय पर होने के साथ ही परिणाम भी समय पर निकले जा रहे हैं। साथ ही विद्यार्थी सेवा केंद्र के शुरू होने से भी लोगों को बहुत फायदा हुआ हैं । इस अवसर पर फैडरेशन के पदाधिकारी डॉ. आजम बेग, हरीश राजानी, कमल पाहुजा, सुमन रावत, राजेंद्र चौधरी, डॉ. प्रमोद पाल, राजू दाधीच, मामराज धारीवाल व अन्य पदाधिकरी उपस्थित रहें।

चिकित्सा मंत्री से मिले नर्सेज पदाधिकारी

जयपुर । राजस्थान नर्सेज संघर्ष समिति ने नर्सिंग भर्ती 2018 में झालावाड़ में नवचयनित 106 नर्सिंग ऑफिसर का बकाया 8 महीने का वेतन व निदेशालय जयपुर जोन सहित अन्य जिलों के फिक्सेशन के कार्य कई दिनो से नही होने की समस्या को लेकर चिकित्सा मंत्री परसादी लाल से मुलाकात की। इसके बाद चिकित्सा विभाग के शासन सचिव डॉ पृथ्वी राज से मुलाकात कर निदेशालय में नर्सिंग ऑफिसर के कार्य समय पर पूर्ण करने के लिए की मांग रखी। इस दौरान अध्यक्ष सोमसिंह मीणा, प्रदेश संयोजक मनोज दूब्बी अन्य नर्सेज मौजूद रहे।

सुपर लग्जरी बसों का किराया 200 रु. बढ़ा

जयपुर (कासं)। गर्मियों की छुट्टियों में राजस्थान रोडवेज ने जयपुर-दिल्ली मार्ग पर चलने वाली सुपर लग्जरी बसों के किराए में 200 रुपए की बढ़ोतरी की है। अब प्रति व्यक्ति किराया 700 से बढ़ाकर 900 रुपए किया गया है। किराए की नई दर एक जुलाई से लागू होगी। रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि दिसंबर, 2020 से इस मार्ग पर किराए में 200 रुपए की छूट दी थी। इससे पहले भी किराया 900 रुपए ही था। गौरतलब है कि कम यात्री भार के चलते कुछ समय पहले रोडवेज ने किराए में 200 रुपए की छूट दी थी। जिसके चलते किराया 900 की जगह 700 रुपए हो गया था। इससे यात्रियों की संख्या में इजाफा हो गया था, लेकिन अब फिर से किराया बढ़ा दिया है।

अपहरण कर 60 लाख रु. फिरौती मांगी

जयपुर । करधनी इलाके में एक युवक का अपहरण कर मारपीट के बाद 60 लाख रूपए की फिरौती मांगी गई। पुलिस के अनुसार मोहरू नगर निवासी नंदनी कंवर ने रिपोर्ट दी है कि 10 जून की सुबह उसका पति सत्यपाल सिंह चौहान वैध जी का चौराहा स्थित एसबीआई गए थे। शाम 4 बजे दो घंटे में घर आने का व्हाट्सअप मैसेज आया। इसके बाद पति का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। बाद में पता चला कि अक्षय शर्मा ने पति सत्यपाल का अपहरण किया है और अपने पास बिठा रखा है। इस पर अक्षय शर्मा को कॉल किया, जिसने पति से बात करवाई। अक्षय शर्मा ने उसे छोडने के लिए 60 लाख रूपए मांगे। थानाधिकारी बनवारी लाल मीणा ने बताया कि सत्यपाल और अक्षय के बीच आपसी लेन देन है। दोनों प्रॉपर्टी व्यवसाय करते हैं। शुरूआती जांच में सामने आया है कि अक्षय सत्यपाल से 25 लाख रूपए मांगता है। वहीं पीड़ित सत्यपाल ने आरोप लगाया है कि उससे मारपीट कर 60 लाख रूपए के स्टाम्प पर साइन करवाए गए हैं।

50 हजार की घूस लेते जेईएन गिरफ्तार

जयपुर । एसीबी ने सोमवार को शिक्षा संकुल में समग्र शिक्षा अभियान में तैनात जेईएन को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी 5 लाख रुपए के बकाया बिलों और डिफेक्ट लाईबिलिटी के भुगतान की एवज में 1 लाख 28 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। आरोपी पूर्व में भी पीड़ित से 26 हजार रुपए रिश्ववत के ले चुका था। आज 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए आरोपी को शिक्षा संकुल में गिरफ्तार किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर एसीबी मुख्यालय ले जाया गया। जहां एसीबी पूछताछ में जुटी है कि वह रिश्वत की रकम किसे-किसे देने वाला था। एसीबी के एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि आरोपी ज्ञानप्रकाश शुक्ला पुत्र अतरलाल के निवास प्लॉट नं0 4, शान्ति नगर, 132 केवी जीएसएस, पुराने घाट के सामने गोनेर रोड में भी एसीबी की टीम के द्वारा सर्च किया जा रहा है। परिवार के लोगों से सम्पत्ति का ब्यॉरा भी लिया जाएगा। एसीबी के अधिकारियों ने बताया कि जब पीड़ित एसीबी मुख्यालय पहुंचा तो उसने बताया कि आरोपी जेईएन उसे परेशान कर रहा है। आए दिन फोन पर धमकी देता और पैसा मंगवाता। कई बार उसे पैसा पहले भी दिया जा चुका है।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी गिरावट

राज्य में सोमवार को 66 नए संक्रमित मिले, इससे पहले रविवार को 77 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में सोमवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी गिरावट आई है। इस दौरान राज्य में 66 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें करीब आधे मरीज जयपुर जिले में मिले हैं। उधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में केवल 33 ही मरीज ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 543 हो गए हैं।

- **राजधानी जयपुर में 30 नए मरीज मिले, इनमें सबसे ज्यादा 5 संक्रमित मालवीय नगर में सामने आए हैं।**
- **प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों के मुकाबले आधी रिकवरी होने से एक्टिव केस बढ़कर 543 हो गए हैं।**

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ा-बहुत उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसके चलते राज्य में सोमवार को 14 जिलों में 66 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को 77 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 10 मामले कम आने के साथ ही 30 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा बीकानेर में 10, अजमेर, दौसा व उदयपुर में 4-4, नागौर में 3, अलवर, गंगानगर व हनुमानगढ़ में 2-2 तथा बारां, चूरू, झालावाड़, जोधपुर और सवाईमाधोपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 19 जिले बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सीकर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में सोमवार को नए संक्रमितों के मुकाबले में आधी रिकवरी हुई है। इस दौरान 6 जिलों में 33 संक्रमित ही ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 543 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 277 मामले जयपुर में है। प्रदेश में सोमवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई। हालांकि, राज्य में अब तक इस बीमारी से 9559 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 15 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 5 नए संक्रमित मालवीय नगर में पाए गए हैं।

इसके अलावा मानसरोवर में 4, जगतपुरा, जवाहर नगर और वैशाली नगर में 3-3, बनीपार्क और बापू नगर में 2-2 तथा सी-स्कीम, दुर्गापुरा, गांधी नगर, झोटवाड़ा, निर्माण नगर, सांगानेर, शास्त्री नगर और सोडाला में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

जानलेवा हमला करने वाले को सजा

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त सत्र न्यायालय महानगर प्रथम ने बच्चे की बलि देने के लिए उस पर जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्त रविचन्द्र बर्मन को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा करने पर अभियुक्त को छह माह अतिरिक्त जेल में रहना होगा।

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि मॉडल टाउन, मालवीय नगर निवासी ललिता बर्मन 17 अक्टूबर 2018 को अपने बच्चों के साथ दुर्गा पूजा के लिए हल्दिया गार्डन गई थी। जैसे ही वह गार्डन के गेट में घुसे, अभियुक्त ने उसके बेटे पीयूष की हत्या करने के उद्देश्य से उसके सिर पर छुर्रे से तीन बार वार किया। इसके चलते वह लहूलुहान हो गया। वार करने के बाद अभियुक्त ने कहा कि उसने बच्चे की बलि दे दी है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए मालवीय नगर थाना पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

नवीन तहसील सीकर ग्रामीण का सृजन

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सीकर जिले में नवीन तहसील सीकर ग्रामीण बनाने एवं अलवर जिले की उप तहसील खैरथल को तहसील में क्रमोन्नत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत के इस निर्णय से लोगों को स्थानीय स्तर पर ही राजस्व कार्यों के निस्तारण में सुगमता होगी। नवसृजित तहसील सीकर ग्रामीण में 7 भू-अभिलेख निरीक्षक वृत्त, 29 पटवार मण्डल व 83 राजस्व ग्राम शामिल होंगे।

प्रताप नगर में 5 साल की मासूम बच्ची से पड़ौसी ने किया दुष्कर्म

खून से सनी हालत में रोती हुए बच्ची घर पहुंची तो परिजनों के होश उड़े

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में आमेर के बाद अब प्रताप नगर में 5 साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म की वारदात सामने आयी है। 15 साल के किशोर ने पडौस में रहने वाली से दरिंदगी की और फरार हो गया। खून से सनी हालत में बच्ची रोते हुए घर पहुंची और मां को दरिंदगी की घटना बताई। इस हैवानियत की खबर सुनकर हर किसी की रूह कांप गई। फिलहाल बच्ची डॉक्टर्स की देखरेख में है, उसका इलाज जारी है लेकिन वह गहरे दर्द में है। हालात ये है कि वह मां के आंचल से उतरने तक को तैयार नहीं है, उसका इलाज जारी है। बात-बात में मासूम रोती है, मां कभी खिलौने तो कभी टॉफी देकर उसे चुप कराने की कोशिश करती है। कुछ देर चुप रहने के बाद वह फिर से रोने लगती है, साथ में मां के आसू भी छलक आते है।

प्रताप नगर पुलिस ने बताया कि पांच साल की मासूम बच्ची रविवार दोपहर अपने घर के पास ही खेल रही थी। जिस जगह बच्ची का घर वहां पर बस्ती बनी हुई है। पास ही पंद्रह साल का एक किशोर रहता है जो पडौसी का बेटा है। मासूम बच्ची दोपहर में अपने घर के पास खेल रही थी, उस दौरान बच्ची को टॉफी देने का लालच देकर आरोपी अपने साथ ले गया। उस समय परिवार के अन्य लोग वहां नहीं थे । उसके बाद बच्ची से रेप करने के बाद वहां से फरार हो गया। बच्ची चीखी चिल्लाई तो आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया और फिर गंदा काम किया। बच्ची को उसके घर के पास ही छोड़कर वह भाग छूटा।

- **टॉफी दिलाने की बात कहकर बच्ची को घर से लेकर गया था किशोर, पुलिस टीम ने उसे निरुद्ध किया**

खून से सनी हालत में रोती हुई बच्ची जब मां के पास पहुंची तो हडकंप मच गया। मां अपनी मासूम बेटी की हालत देखकर जड़ हो गई। बच्ची उसके गले जा लिपटी। बाद में जब उसने पडौसी भैया की पूरी हैवानियत के बारे में बताया तो मां भी आंसू नहीं रोक सकी। पुलिस को तुरंत जानकारी दी गई। पुलिस ने भी तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाश कर उसे निरूद्ध कर लिया है।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह ही जयपुर के आमेर थाना इलाके में रहने वाली नौ साल की एक बच्ची का रेप करने के बाद 16 साल के आरोपी ने चाकू से गला काटकर उसकी हत्या कर दी थी। उसके बाद पुलिस को गुमराह करने के कोशिश उसने की थी, लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया था।

दुष्कर्म करने वाले को सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त साहिल अली को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि 23 अप्रेल 2019 को पीडिता के पिता ने मुरलीपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि उसकी 15 साल की बेटी सुबह घर के बाहर खड़ी थी। इतने में अभियुक्त अपने कुछ साथियों के साथ आया और उसका अपहरण कर ले गया।

मौजी कॉलोनी के आवासीय भूखंड पर बने कार शोरूम का भू-उपयोग बदलने पर क्यों आमादा है जेडीए अफसर?

उपनिदेशक विधि नंदगोपाल गोयल ने लोकायुक्त और कोर्ट केस लंबित होने के कारण प्लॉट नंबर 49-50 का भू-उपयोग बदलने से साफ मना कर दिया था, लेकिन जब दुबारा फाइल पहुंची तो टिप्पणी बदलकर हां कर दी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मालवीय नगर की आवासीय ''मौजी कॉलोनी'' में बनी कार शोरूम की अवैध बिल्डिंग पर जेडीए के अफसरों की मेहरबानी थमने का नाम नहीं ले रही है। आवासीय भूखंड़ 49-50 पर पर बने इस शोरूम पर कार्रवाई करने के बजाय अब अधिकारी इस प्लॉट का भू-उपयोग बदलने के लिए अपनी ही टिप्पणियों को गलत ठहराने से नहीं चूक रहे। यह कारनामा उपनिदेशक विधि नंदगोपाल गोयल ने किया है। उन्होंने पहले तो मामला लोकायुक्त और कोर्ट में लंबित बताकर भू-उपयोग बदलने से साफ मना कर दिया था, लेकिन जब दुबारा फाइल उनके पास पहुंची तो उन्होंने अपनी टिप्पणी ही बदल दी।

उधर इस मामले की राजस्थान संपर्क पोर्टल पर शिकायत करने वाले स्थानीय निवासी डॉ. राजीव पाटनी को जेडीए ने जवाब भेजकर यह तो स्वीकारा है कि मामला लोकायुक्त और विभिन्न कोर्ट में पैंडिंग है, लेकिन आवासीय प्लॉट का भू-उपयोग बदलने के सवाल का जवाब गोलमोल करते हुए कहा कि नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना के मुताबिक कार्रवाई कर रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो उपनिदेशक विधि की राय बदलने के बाद अवैध निर्माणकर्ता ने जेडीए को सुझाव दिया है कि पहले अवैध निर्माण का भू-उपयोग बदलकर मिश्रित कर दिया जाये, उसके बाद वह जेडीए पर किया हुआ केस वापस ले लेगा।

मजेदार तथ्य यह है कि जेडीए के उप निदेशक विधि नंदगोपाल गोयल ने इस सुझाव को मान भी लिया। उन्होंने पहले मालवीय नगर मौजी कालोनी में भूखंड संख्या 49-50 के आवासीय इलाके में जारी आवासीय पट्टे के बाद भू-उपयोग नहीं बदलने की टिप्पणी कर दी। उन्होंने अपनी टिप्पणी में लिखा था कि यह मामला लोकायुक्त में विचाराधीन है, विभिन्न न्यायालयों में केस चल रहे हैं। गुलाब कोठारी की स्वेप्रेरित याचिका के तहत स्टे के कारण भू-उपयोग नहीं बदला जा सकता। इसके बाद जब भूखंड मालिक, जेडीए आयुक्त और सचिव के पास पहुंचा तो इन दोनों अधिकारियों ने फाइल को दुबारा से उप निदेशक विधि नंदगोपाल गोयल के पास भेजी। जिस पर उन्होंने नगरीय विकास विभाग, स्वायतत्तशासन विभागों के परिपत्रों का हवाला देते, भूखंड मालिक के कोर्ट से स्टे हटाने के सुझाव के बाद इस अवैध निर्माण किए गए भूखंड को नियमित करने का सुझाव जेडीए को मानने को कहा। साथ में भू-उपयोग बदलने से जेडीए को होने वाली आमदनी के बारे में बताया।

- **दूसरी तरफ अवैध निर्माणकर्ता ने जेडीए को सुझाव दिया है कि अगर जेडीए उसके भूखंड़ 49-50 का भू-उपयोग आवासीय से बदलकर मिश्रित कर दे तो वह जेडीए पर किया हुआ केस वापस ले लेगा। ताज्जुब की बात यह है कि जेडीए के अफसरों ने भी अपनी टिप्पणी में भू-उपयोग बदलने से जेडीए को राजस्व फायदा होने की बात कहते हुए अवैध निर्माणकर्ता का प्रस्ताव मान लिया**

मजेदार बात है कि जेडीए भी मान रहा है भूखंड मालिक ने अवैध निर्माण तो किया है, लेकिन उसे अवैध निर्माण करने पर धारा 31 और 32 में नोटिस दिए हैं। कार्रवाई से बचने के लिए भूखंड मालिक जेडीए ट्रिब्यूनल से स्टे लाने की बजाय सिविल कोर्ट से स्टे ले आया। स्थानीय निवासी डॉ. राजीव पाटनी की आपत्ति के बाद जब जेडीए के जोन-1 का जेईएन मौका निरीक्षण करने गया था। उसने अपनी टिप्पणी में साफ लिखा है कि यह इलाका आवासीय है। भूखंड मालिक ने जमीन पर बेसमेंट, ग्राउंड व फर्स्ट फ्लोर पर शोरुम बना रखा है, जिसमें हुंडई का शोरुम बना कर व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है।

भाखड़ा बांध में रोज 20 हजार क्यूसेक पानी की आवक

10 दिन में 5 फीट बढ़ा जल स्तर, समय पर होगी नरमा सिंचाई

हनुमानगढ़, (निसं.)। भाखड़ा सिंचाई प्रणाली क्षेत्र के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। मानसून अवधि से पहले ही भाखड़ा बांध में जल स्तर बढ़ ना शुरू हो गया है। निकासी के मुकाबले पानी की आवक अधिक होने के कारण 10 दिनों में बांध का लेवल 5 फीट बढ़ गया है। इससे भाखड़ा से जुड़े किसानों को वर्तमान रेगुलेशन के अनुसार ही पर्याप्त पानी मिलने के आसार है। 1 जून को भाखड़ा बांध का जल स्तर 1560.86 फीट दर्ज किया गया, जबकि 10 जून को पानी का लेवल बढ़ कर 1565.86 फीट पर पहुंच गया। 1 जून को पानी की आवक 15 हजार 520 क्यूसेक थी जो 10 जून को बढ़ कर 22 हजार 799 क्यूसेक दर्ज की गई।

बांध में पानी की आवक बढ़ ने पर निकासी भी बढ़ ई गई है। 1 जून 2022 को 13 हजार 719 क्यूसेक पानी की निकासी हो रही थी जो 10 जून को 15 हजार 215 क्यूसेक दर्ज की गई। गत वर्ष की तुलना में इस बार भाखड़ा बांध का जल स्तर लगभग 40 फीट अधिक है। पिछले साल 10 जून को बांध का लेवल 1525.92 फीट था। इस बार 1565.86 फीट दर्ज किया गया। आम तौर पर भाखड़ा और पौंग बांध में पानी की सर्वाधिक आवक मानसून अवधि में होती है। 21 जून से 20 सितंबर तक बांधों में निकासी की तुलना में आवक ज्यादा होने से लेवल बढ़ ता है। इस बार भाखड़ा बांध में 1 जून से लगातार पानी की आवक अच्छी हो रही है। आगामी दिनों में भी इसमें और इजाफा होने की संभावना जताई जा रही है। इससे किसानों को वर्तमान रेगुलेशन के अनुसार ही एक सप्ताह के अंतराल से पानी मिलता रहेगा।

भाखड़ा और पौंग बांध में जल स्तर के अनुसार ही राजस्थान की नहरों के लिए पानी का शेयर तय होता है। भाखड़ा बांध के लेवल की समीक्षा के बाद भाखड़ा प्रणाली और पौंग बांध के लेवल के अनुसार इंदिरा गांधी नहर परियोजना के लिए पानी का हिस्सा निर्धारित होता है। प्रत्येक माह भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की होने वाली बैठक में सबसे पहले बांधों के जल स्तर की समीक्षा की जाती है। इसके बाद संबंधित राज्य द्वारा डिमांड रखी जाती है। बीबीएमबी की तकनीकी समिति की बैठक में राजस्थान का प्रतिनिधित्व जल संसाधन उत्तर हनुमानगढ़ के मुख्य अभियंता करते हैं। भाखड़ा बांध का जल स्तर बढ़ ने से जुलाई में भी पर्याप्त पानी मिलने के आसार है।

पिछले महीने हुई भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड की तकनीकी समिति की बैठक में 1 से 30 जून तक भाखड़ा प्रणाली के लिए 1200 क्यूसेक पानी निर्धारित हुआ था। निर्धारित शेयर के अनुसार जल संसाधन विभाग की ओर से एक सप्ताह से सिंचाई पानी देने का चक्रीय कार्यक्रम निर्धारित किया गया। इसके अनुसार ही किसानों को सिंचाई के लिए पानी दिया जा रहा है। जुलाई माह के लिए पानी का शेयर निर्धारित करने के लिए इस महीने के अंतिम सप्ताह में तकनीकी समिति की बैठक होगी। जल स्तर के अनुसार जुलाई में भी भाखड़ा प्रणाली के लिए 1200 क्यूसेक पानी तय होने के आसार है। भाखड़ा प्रणाली में पर्याप्त पानी मिलने से खरीफ फसलों की समय पर बुवाई हो सकेगी। अब तक किसानों ने नरमा की बुवाई की है। बांध का जल स्तर बढ़ ने से जुलाई में भी पर्याप्त पानी मिलेगा। इससे किसान समय पर सिंचाई कर सकेंगे। साथ ही ग्वार, मूंग, मोठ सहित अन्य फसलों की भी उपयुक्त समय में बुवाई हो जाएगी। इससे किसानों को बड़ा लाभ होगा।

पौंग बांध में अब तक पानी की आवक नहीं बढ़ी है। इन दिनों निकासी अधिक होने के कारण जल स्तर लगातार डाउन जा रहा है। पिछले 10 दिनों में बांध का लेवल लगभग 3 फीट डाउन चला गया है। 1 जून को पौंग बांध का जल स्तर 1315.86 फीट था जो 10 जून को घटकर 1311.54 फीट पर पहुंच गया। 1 जून को बांध में पानी की आवक 3517 क्यूसेक थी, जबकि 10 जून को मात्र 1664 क्यूसेक पानी ही आ रहा था। निकासी लगभग 12 हजार क्यूसेक हो रही है।

श्रीगंगानगर जिले में भाखड़ा और खारा सिस्टम से 2 लाख 92 हजार 647 हेक्टेयर रकबा सिंचित हो रहा है। हनुमानगढ़ जिले में भाखड़ा व खारा सिस्टम से 2 लाख 2 हजार 53 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है। श्रीगंगानगर जिले में भाखड़ा प्रणाली से 90 हजार 594 हेक्टेयर में सिंचाई होती है। हनुमानगढ़ –श्रीगंगानगर जिले में भाखड़ा प्रणाली से सबसे अधिक सिंचाई सादुलशहर तहसील में होती है। इस क्षेत्र में 63 हजार 177 हेक्टेयर में सिंचाई होती है। हनुमानगढ़ तहसील में 41 हजार 930 हेक्टेयर और संगरिया तहसील में 52 हजार 96 हेक्टेयर में सिंचाई होती है।

सुरेश सुथार, एक्सईएन, जल संसाधन भाखड़ा रेगुलेशन खंड, हनुमानगढ़ का कहना है कि भाखड़ा प्रणाली के लिए 30 जून तक 1200 क्यूसेक पानी का शेयर निर्धारित है। इसके अनुसार ही रेगुलेशन तय कर किसानों को सिंचाई पानी दिया जा रहा है। जुलाई के लिए पानी का शेयर बीबीएमबी की बैठक में तय होगा। इसमें भी पर्याप्त पानी की डिमांड की जाएगी।

चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना पुलिस ने एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड से राजकीय माल चोरी करने वाले दो चोरों को गिरफ्तार किया है। दोनों चोर वहीं पर संविदा सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे। पुलिस ने दोनों से चोरी किया गया माल भी बरामद किया है। आरोपियों को पूछताछ के बाद सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया। दोनों आरोपियों को न्यायालय ने न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

- **दोनों चोर संविदा सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे**
- **दोनों आरोपियों से 25 किलो 400 ग्राम तांबे का तार बरामद किया**

रामगंज थाने के एएसआई नंद भंवर सिंह ने बताया कि ब्यावर रोड स्थित एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड के सुरक्षा अधिकारी कैलाश चंद सारस्वत ने थाने पर एचएमटी फाउंड्री के पीछे एवं पेंटिंग विभाग फैक्ट्री के पीछे से संस्थान का राजकीय माल चोरी करने का मुकदमा दर्ज करवाया था। मामले में सुरक्षा अधिकारी की ओर से दो जनों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करवाया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर टीम का गठन किया और कार्रवाई के निर्देश दिए। एएसआई सिंह ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सूचना पर एचएमटी के नजदीक होटल से आरोपी गड्डी मालियान निवासी राहुल पवार (26) और उसके साथ ही हरिजन बस्ती निवासी विकास (22) को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों से 25 किलो 400 ग्राम तांबे का तार बरामद किया गया है।

घुमाव पर डम्पर पर पलटा, चालक की दबने से मौत

मृतक को जेसीबी की सहायता से बाहर निकाला

दरियाटी मार्ग पर स्थित एक घुमावदार मोड पर डम्पर बेकाबू होकर गड्ढे में जा गिरा।

डूंगरपुर, (निसं)। क्वार्ट्ज पत्थरों से भरा डम्पर कुंआ गांव के पास बेकाबू होकर पलट गया। हादसे में डम्पर का चालक की नीचे दबने से मृत्यु हो गई। चालक को जेसीबी की सहायता से डम्पर को ऊचा कर नीचे से बाहर निकाला, लेकिन तक चालक की मौत हो गई थी।

कुंआ थानाधिकारी ने बताया की क्वार्ट्ज पत्थरों से भरा एक डम्पर सोमवार प्रात: गुजरात की ओर जा रहा था। कुंआ गांव से आगे निकलते ही दरियाटी रोड पर घुमावदार मोड में बेकाबू होकर 7 फीट की गहरी खाई में पलट गया। इससे डंपर का चालक नीचे दब गया। दुर्घटना होते ही मौके पर लोगो की भीड जमा हो गई।

सूचना पर कुंआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। डम्पर में भरा क्वार्ट्ज पत्थर बिखरा पडा था,लेकिन कोई घायल या शव मौके पर नहीं मिला। इस पर पुलिस ने जेसीबी बुलाकर डम्पर को ऊंचा किया तो नीचे दबा चालक का शव मिला। शव को बाहर निकालने के बाद उसकी पहचान गणेश पुत्र कचरू निवासी बारिया थाना अरथूना बांसवाडा के रूप में की गई। इसके बाद पुलिस ने शव को कुंआ हॉस्पीटल के मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है। परिजनों के आने के बाद ही पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। थानाधिकारी ने बताया की डम्पर में भरा क्वार्ट्ज पत्थर बांसवाडा के पालोदा से भरकर गुजरात ले जा रहे थे।

जेवरात व नकदी लूट के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद सदर थाना में गत 25 मई को ग्राम दाता निवासी हेमराज गुर्जर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि को करीब 10 बजे ग्राम दाता के लिए अपनी मोटरसाइकिल से रवाना हुआ था तभी पीछे से एक डस्टर कार में सवार होकर आए लोगों ने उसका रास्ते में रोक कर हेमराज के पास से सोने के आभूषण सहित नगदी व दस्तावेज लूट कर भाग गए। जिस पर सदर थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए सोमवार को अंराई निवासी रामअवतार सुरेश परबतसर निवासी रघुनाथ जाट को गिरफ्तार कर नसीराबाद न्यायालय में पेश किया जहां से तीनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। सदर थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बिसाऊ में तेज आंधी से पेड़ धराशायी

बिसाऊ, (निसं)। कस्बे में काफी दिनों बाद भयंकर गर्मी से थोड़ी सी निजात मिली। सोमवार सुबह से ही आसमान में बादलों का आवागमन जारी था। शाम को करीब 5:30 बजे अचानक मौसम ने करवट बदली। पहले हल्की बूंदाबांदी हुई उसके बाद अचानक तेज आंधी के साथ बरसात आई तथा तेज आंधी के चलते पेड़ एवं बिजली के पोल गिर गए जिससे बिजली बाधित हुई। बस स्टैंड से गौशाला की ओर जाने वाली रोड पर तीन बिजली के पोल गिरने से आवागमन बाधित हो गया। गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई तथा तुरंत बिजली कटवा दी गई। एक घंटे के बाद बिजली वाले मौके पर पहुंचे।

- **बस स्टैंड से गौशाला की ओर जाने वाली रोड पर तीन बिजली के पोल गिरने से रास्ता बाधित हुआ**

बिसाऊ में तेज अंधड़ आने के दौरान पेड़ टूटकर रास्ते पर जा गिरा।

अवैध शराब जब्त, आठ गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर पुलिस की स्पेशल टीम ने सुखेर थाना क्षेत्र में स्थित मकान पर दबीश देकर करीब बीस लाख रूपये की अवैध शराब जब्त कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर मौके से पांच वाहन जब्त किए। पुलिस टीम ने सुखेर थाना क्षेत्र में स्थित मकान पर अवैध शराब का कारखाना होकर वहां शराब तैयार कर गुजरात तस्करी के लिए भेजने की सूचना मिली। जहां मौजूद लोग हरियाणा निर्मित बिना लेबल लगी बोतलों पर लेबल लगाते पाए गए।

इस पर पुलिस दल ने मौके से करीब बीस लाख रूपये कीमत की 238 शराब के कर्टन शराब तथा तीन कारे व दो लोड़िग टेंपो जब्त किया। पुलिस दल ने मौके पर काम करने वाले हरियाणा निवासी नवीन कुमार, वेदपालसिंह, विकास, राजवीर, अजमेर निवासी राजुसिंह, राजसमन्द निवासी भरत चौहान, किशोरसिंह, रघुवीरसिंह को गिरफ्तार कर सुखेर पुलिस को सौंप कर मामला दर्ज करवाया।

डूंगरपुर में सड़क हादसे में तीन की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में तेज रफ्तार जीप ने बाइक सवार दंपती और उनके बेटे को कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ड्राइवर जीप को मौके पर ही छोड़कर भाग गया। हादसा चौरासी थाना क्षेत्र में रविवार रात 9.30 बजे हुआ है।

थानाधिकारी ने बताया कि रस्तापाल निवासी मोहन पुत्र शंकर, उसकी पत्नी कली और बेटा रोहित बाइक से अपने घर जा रहे थे। इस दौरान पोहरी पटेलान पुल के पास पीछे से तेज रफ्तार आ रही जीप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इससे तीनों सड़क पर गिर गए। इस दौरान तेज रफ्तार जीप तीनों को कुचलते हुए निकल गई। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को डूंगरपुर हॉसपिटल की मोर्चरी में रखवाया। मोहन ससुराल भीण्डा गांव में शोक सभा में शामिल होने पत्नी कली और बेटे रोहन को साथ बाइक पर गया था जहां से रात को लौट रहा था।

- **जीप ने बाइक सवार दंपती और बेटे को पीछे से टक्कर मारी**
- **मृतकों के घरवाले मौताणा की मांग को लेकर गांव में धरने पर बैठे**

शवों के पोस्टमॉर्टम के लिए पुलिस सोमवार सुबह से ही मोर्चरी पहुंच गई, लेकिन परिजन नहीं आए। दोपहर डेढ बजे तक पुलिस उनका इंतजार करती रही। जानकारी के अनुसार परिजन जीप ड्राइवर से मौताणे की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। दोनों पक्षों के बीच मौताणे की राशि तय होने के बाद ही पोस्टमार्टम होगा।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध महिला की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में भीलवाड़ा-चित्तौड़गढ़ रेल मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतका घर से झांतला माता के दर्शन करने जाने की बात कहकर निकली थी। हादसे की सूचना पर कोतवाली, प्रताप नगर व जीआरपी मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया है। जानकारी के अनुसार जयपुर-उदयपुर होलीडे सुपरफास्ट ट्रेन भीलवाड़ा स्टेशन से रवाना होकर चित्तौड़गढ़ रेलमार्ग स्थित रेलवे ओवरब्रिज के निकट पहुंची थी कि एक महिला ट्रैक क्रॉस करते समय ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर सुनकर तमाशबीनों की भीड़ बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गई। सूचना पर कोतवाली, प्रताप नगर, जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान ओडों का खेड़ा निवासी सरजू (55) पत्नी सूरता ओड के रूप में कर ली।

शांतिभंग में पांच गिरफ्तार

नसीराबाद, (निसं)। पुलिस द्वारा आपराधिक तत्वों की धरपकड़ को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार देर रात्रि तक बिना वजह घूम कर कानून और शांति व्यवस्था भंग करने की आशंका को लेकर नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने ग्राम जाटिया निवासी खेम सिंह, लादू सिंह, श्रवण सिंह तथा ग्राम सम्प्रोदा निवासी शैतान और बांघसुरी निवासी सोहनलाल को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया।सोमवार को नसीराबाद उप जिला मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जहां से सभी आरोपियों को जमानत मुचलके पर पाबंद करते हुए रिहा किया गया।

अवैध वसूली की धमकी

उदयपुर, (कासं)। अम्बामाता थाना पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपी व साथियों के खिलाफ अवैध वसूली के लिए धमकाने का मामला दर्ज किया। जानकारी के अनुसार पीड़ित ब्राह्मणों की हुन्दर निवासी बसंती लाल पुत्र देवराम ब्राह्मण ने सापेटिया निवासी चुन्नीलाल डांगी, थूर गांव निवासी बबलू खटीक व साथियों के खिलाफ पांच लाख रूपये की अवैध वसूली के लिए धमकाने का मामला दर्ज किया। पीड़ित ने बताया कि मेरे काका चुन्नीलाल के सारिका इकलौती संतान थी। काका के एक मकान व जमीन थी जो सारिका ने वर्ष 2021 में 5 लाख 50 हजार रूपये में मुझे बेच कर रजिस्ट्री करवा दी थी। गत दिनों सारिका 1 लाख 10 हजार रूपया उधार लेकर मकान का एक पट्टा आरोपी चुन्नीलाल के पास गिरवी रख दिया। गत दिनों सारिका के लापता होने पर आरोपी घर आया तथा भतीजी सारिका द्वारा रूपए ले जाने एवं पट्टा देने की बात कही। बात नहीं बनने पर आरोपी चुन्नीलाल ने उक्त पट्टा बबलू खटीक को सौंप 5 लाख रूपये वसूलने को कहा। 11 जून का चुन्नीलाल, बबलू खटीक व साथी बसंती लाल के घर पहुंचे जहां उन्होंने पट्टा दिखाते हुए जमीन से कब्जा छोड़ने की बात कही तथा ऐसा नहीं करने पर पांच लाख रूपये की मांग की। कब्जा नहीं छोड़ने व नकदी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

सांप के काटने के बाद मृत घोषित युवक की अस्पताल में झाड़फूंक

डूंगरपुर, (निसं)। खेत में खाद डालने गए एक 14 साल के किशोर की सांप के काटने से मौत हो गई। चिकित्सकों ने किशोर को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद भी परिजन भोपे को बुलाकर झाड फूंक करवाते रहे। घटना सतीरामपुर में घटित हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव में हुरमा कोटेड की पत्नी लाली, बेटा अर्जुन और बेटी निशा आज सुबह खेतों में खाद डाल रहे थे। उसी समय वहां पडे कचरे व झाडियों से जहरीले सांप ने अर्जुन के हाथ पर डस लिया। अर्जुन का हाथ झनझनाने लगा और खून निकलने लगा। अर्जुन के चिल्लाते ही मां लाली दौडी। तब तक अर्जुन बेहोश होकर गिर पडा। घटना की सूचना मिलते ही पिता हुरमा खेतों में आए। बेसुध हालत में अर्जुन को हॉस्पीटल लेकर गए। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद अर्जुन को मृत घोषित कर शव को मोर्चरी में रखवा दिया। इसके बाद परिजनों ने एक भोपे को बुलाया।

- **जिंदा करने की आश में माता-पिता भोपा को पकड़ लाए**

भोपा हॉस्पीटल के मोर्चरी में आकर झाड-फूंक करने लगा। इसके बाद परिजनों को 15 मिनट तक इंतजार करने के लिए बोला। परिजन शव के सामने ही बैठे रहे, भोपे का दावा फैल हुआ तो परिजनों ने सदर थाना पुलिस को सूचना दी। सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

बढ़ती सर्वाइकल कैंसर की दर चिंता का विषय: डॉ. सुषमा

कार्यशाला में विभिन्न रोगों से संबंधी 50 से अधिक महिलाओं को परामर्श दिया

उदयपुर, (कासं)। देश में कैंसर के मरीज बढ ते जा रहे हैं इसका एक कारण जागरूकता का अभाव भी है। शहर में महिलाओं को कैंसर के प्रति सजग करने के लिए ब्रैस्ट एवं सर्वाइकल कैंसर बचाव एवं उपचार कार्यशाला आयोजित हुई।

खुशी क्लीनिक में कार्यशाला के उपरान्त नि:शुल्क परामर्श भी रखा गया जिसमें महिलाओं को स्त्री एवं प्रसूति रोग, कैंसर और नाक, कान, गला संबंधी रोगों के लिए उचित मार्गदर्शन विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अल्का मूंदडा थी, यहां विभिन्न रोगों से संबंधी 50 से अधिक महिलाओं को नि:शुल्क परामर्श दिया गया।

ब्रैस्ट एवं सर्वाइकल कैंसर पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित हुई।

विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सुषमा मोगरी ने बताया कि भारत में ब्रैस्ट कैंसर महिलाओं में सर्वाधिक होने वाला कैंसर है लेकिन महिलाओं को इसके लक्षणों के बारे में जानकारी ही नहीं है इस कारण वे समय पर उपचार के लिए नहीं आ पाती हैं। सर्वाइकल कैंसर के बारे में उन्होंने कहा कि महिलाओं में स्तन कैंसर के बाद दूसरा सबसे ज्यादा होने वाला कैंसर है, इसके लक्षण अनियमित माहवारी, माहवारी में अत्यधिक रक्तस्त्राव, बदबूदार पानी, वजन कम होना आदि हैं। उदयपुर संभाग में सर्वाइकल कैंसर के मरीज ज्यादा हैं, समय पर इसकी स्क्रीनिंग की जाए तो इससे बचाव संभव है।

सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए टीका भी उपलब्ध है जिसे नौ से पैंतालीस साल की आयु तक लगाया जा सकता है। नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन शर्मा ने एनटी संबंधी समस्याओं कान पकना, परदे में छेद, कान की हड्डी की गलना, सुना देने में कमी तथा नाक बहना, छींक आना, नाक की हड्डी का टेढ़ा पन, नाक से बदबू आना तथा गले में टोन्सिल्स, एडीनोइट्स, थायरॉइड, कैंसर की गांठ आदि समस्याओं पर परामर्श दिया।

जयपुर के बाद सबसे ज्यादा कोरोना केस बीकानेर में

बीकानेर, (कासं)। जिले में कोरोना एक बार फिर तेज गति से कदम बढ़ा रहा है। अब तक शांत कोरोना वायरस ने महज तीन दिन में ही करीब तीस नए पॉजिटिव केस दिए हैं, जबकि एक्टिव केस की संख्या 44 हो गई है। बीकानेर से ज्यादा केस सिर्फ जयपुर में 270 है। बीकानेर में पिछले दिनों में ही दो लोगों की मौत ने चिकित्सा विभाग के लिए चिंता खड़ी कर दी है। बीकानेर में रविवार को दस, शनिवार को छह और उससे पहले शुक्रवार को बारह नए रोगी सामने आए थे। ऐसे में तीन दिनों में ही 28 पॉजिटिव केस परेशानी का सबब बन सकते हैं। सबसे ज्यादा चिंता की बात है कि अब तक दो रोगियों की मौत हो चुकी है। जिसमें एक पीबीएम अस्पताल में इलाज ले रही 79 साल की महिला थी। पीबीएम अस्पताल में विभिन्न रोगों का इलाज ले रहे रोगियों में कोरोना के लक्षण मिल रहे हैं। ऐसे मे इस परिसर में पहले की तरह फिर वायरस का जमावड़ा होता नजर आ रहा है। सीएमएचओ डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि कोरोना की जांच पहले की तरह सभी डिस्पेंसरी में हो रही है। जांच की रिपोर्ट भी कुछ घंटों में दी जा रही है।

अजमेर डिस्कॉम ने 3433 जगह बिजली चोरी पकड़ी

842 जगह विद्युत के दुरुपयोग के मामले पकड़े

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम ने बिजली चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष सतर्कता अभियान के तहत पिछले सप्ताह 19915 जगहों पर छापा मारा। इनमें 3433 जगहों पर बिजली चोरी तथा 842 जगहों पर दुरूपयोग के मामले सामने आये। इन पर कुल 8.60 करोड रूपये जुर्माना लगाया गया है।

- **8.60 करोड़ रूपये लगाया जुर्माना**

अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबन्ध निदेशक एनएस निर्वाण ने बताया कि निगम की ओ एण्ड एम व विजिलेंस शाखा के अलावा मीटर एण्ड प्रोटेक्शन शाखा, प्रोजेक्ट विंग तथा स्टोर विंग के अभियंताओं को भी सतर्कता जांच करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि निगम के इंजीनियरों ने 11 जिलों में 19915 परिसरों की जांच की। जिसमें 3433 विद्युत चोरियां पकड़ी गई तथा 842 मामले विद्युत के गलत इस्तेमाल के सामने आये है। निगम ने इनके विरुद्ध 8.60 करोड रूपये का जुर्माना लगाया है।

निर्वाण ने बताया कि डिस्कॉम की टीम में सबसे अधिक नागौर जिले के अभियंताओं ने 529 विद्युत चोरी के मामले पकडे जिन पर 92.51 लाख रूपये जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त अजमेर शहर वृत में 66 मामलों पर 19.27 लाख, अजमेर जिलावृत में 81 मामलों पर 16.71 लाख, भीलवाड़ा में 478 मामलों पर 82.16 लाख, सीकर में 402 मामलों पर 91.11 लाख, झुंझुनू में 426 मामलों पर 81.67 लाख, उदयपुर में 118 मामलों पर 15.48 लाख, राजसमंद में 77 मामलों पर 8.68 लाख, बांसवाड़ा में 172 मामलों पर 18.48 लाख, डुंगरपुर में 75 मामलों पर 9.50 लाख, चितौड़गढ़ में 428 मामलों पर 69.73 लाख तथा प्रतापगढ़ में 77 मामलों पर 11.06 लाख रुपयों का जुर्माना लगाया गया। इसके अतिरिक्त निगम की एम एण्ड पी विंग ने 124 मामलों पर 32.52 लाख, विजिलेंस विंग ने 267 मामलों पर 79.37 लाख, प्रोजेक्ट विंग ने 74 मामलों पर 20.33 लाख व स्टोर विंग ने 39 मामलों पर 7.24 लाख रुपयों की विद्युत चोरियां पकड़ कर जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त डिस्कॉम ने 842 जगह विद्युत के गलत इस्तेमाल के मामलें दर्ज किए जिस पर 2.04 करोड़ रुपयों का जुर्माना लगाया गया।

प्रबन्ध निदेशक निर्वाण ने बताया कि आने वाले समय में इस अभियान को और अधिक गति दी जाएगी, जिससे विद्युत छीजत में कमी की जाकर सरकार के लक्ष्यों को हासिल किया जा सके।

जब मैंने सन्यास की घोषणा की थी तब मैं क्रिकेट से थका हुआ महसूस कर रहा था। लेकिन मैकुलम के साथ खेलने की इच्छा को दबाना मुश्किल है।

- मोईन अली

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पुनः खेल के सबसे लंबे प्रारूप में वापसी करने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जेम्स एंडरसन

स्विंग गेंदबाज़ी के बेताज बादशाह इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन ने अपने शानदार क्रिकेट करियर में एक और कीर्तिमान रचते हुए टेस्ट क्रिकेट में 650 विकेट पूरे कर लिये हैं। एंडरसन ने सोमवार को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के चौथे दिन टॉम लैथम को आउट करते हुए यह कीर्तिमान रचा। ट्रेंट ब्रिज टेस्ट की पहली पारी में न्यूज़ीलैंड ने 553 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने 539 रन बनाये। न्यूज़ीलैंड की पारी शुरू करने उतरे लैथम को एंडरसन ने पहले ओवर में ही चार रन के स्कोर पर चलता किया।

क्या आप जानते हैं ?... भारत की ओर से डब्लूटीए टूर्नामेंट जीतने वाली पहली खिलाड़ी सानिया मिर्जा है। सानिया ने फरवरी, 2005 में हैदराबाद टूर्नामेंट जीतते हुए यह उपलब्धि हासिल की थी।

21 हजार 275 करोड़ रु. में बिके भारतीय उपमहाद्वीप में आईपीएल के टीवी राइट्स

मुम्बई, 13 जून। 2023 से 2027 तक चलने वाले अगले चक्र के लिए आईपीएल प्रसारण अधिकार प्राप्त करने के लिए चल रहे ई-ऑक्शन में पहले दो पैकेज की सर्वाधिक बोली का पता चल चुका है। क्रिकइंफ़ो को पता चला है कि भारतीय उपमहाद्वीप में टीवी प्रसारण अधिकार वाले पैकेज ए में सर्वाधिक बोली साढ़े 57 करोड़ रुपये प्रति मैच की है। भारतीय उपमहाद्वीप में डिजिटल प्रसारण के अधिकार वाले पैकेज बी में सर्वाधिक बोली 48 करोड़ रुपये की लगाई गई।

रविवार को शुरू हुए ई-ऑक्शन में पैकेज ए और बी पर एक साथ बोली लगाने की प्रक्रिया शुरू हुई। रविवार को पैकेज ए की अंतिम बोली 57 करोड़ रुपये की थी जबकि पैकेज बी की थी 48 करोड़।

105 करोड़ 50 लाख रुपये प्रति मैच की संयुक्त राशि ने आईपीएल को विश्व की सबसे महंगी लीगों की सूची में ला खड़ा किया है। टीवी प्रसारण अधिकार वाले पैकेज ए की अंतिम बोली और निर्धारित आधार मूल्य में 17.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही डिजिटल प्रसारण वाले पैकेज की रक़म में 45.4 प्रतिशत का इज़ाफ़ा हुआ है। 2018 से 2022 के बीच के पिछले चक्र में एक मैच की क़ीमत 54.23 करोड़ थी और इस चक्र में प्रति मैच की क़ीमत में 94.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

प्रति सीज़न 74 मैचों के आधार पर पांच साल के लिए टीवी प्रसारण अधिकार पैकेज की क़ीमत 21 हज़ार 275 करोड़ रुपये है। डिजिटल प्रसारण पैकेज की क़ीमत (17 हज़ार 760 करोड़ रुपये) जोड़ने पर कुल आंकड़ा 39 हज़ार 35 करोड़ रुपये तक पहुंच जाता है। यह आंकड़ा पिछले आईपीएल राइट्स चक्र की राशि से 2.39 गुना अधिक है।

आईपीएल ने पैकेज के विजेताओं के नाम अभी घोषित नहीं किए हैं क्योंकि ऑक्शन की प्रक्रिया जारी है। नियमों के अनुसार आईपीएल के पैकेज ए के विजेता को अधिकार दिया है कि वह पैकेज बी के लिए डायरेक्ट बोली लगा सकता है। यह पता नहीं चल पाया है कि क्या पैकेज ए और पैकेज बी का विजेता एक ही है या फिर टीवी राइट्स का विजेता डिजिटल राइट्स के लिए लड़ना चाहता है या नहीं।

विकेट गंवाने के बावजूद हम आक्रामक बल्लेबाजी करेंगे : श्रेयस

कटक, 13 जून। भारत द्विपक्षीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में नतीजों की परवाह किए बिना अक्तूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी कर रहा है। दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध लगातार दूसरा टी20 मैच हारने के बाद श्रेयस अय्यर ने यह प्रतिक्रिया दी।

श्रेयस ने मैच के बाद कहा, "हमारा मुख्य उद्देश्य विश्व कप है, इसलिए हम उसके मद्देनज़र अपनी योजना बना रहे हैं। हम किसी और चीज़ के बारे में सोचे बिना खुले मन से मैदान पर उतर रहे हैं। इन मैचों में हम अतीत की उन सभी कमज़ोरियों पर काम कर सकते हैं। टीम मीटिंग में भी हम यही बात करते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए, हमें बनाई गई योजनाओं पर अमल करना है। असफल होने पर भी हम सीखेंगे और बतौर खिलाड़ी के साथ-साथ बतौर टीम भी विकसित होंगे। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने तक यह ज़्यादा महत्वपूर्ण है।" इनमें से एक योजना यह है कि लगातार अंतराल पर विकेट गिरने के बावजूद बल्लेबाज़ आक्रामकता के साथ खेलना जारी रखेंगे। इसका उदाहरण हमें पहले मैच में देखने को मिला जहां सभी बल्लेबाज़ों ने अपने हाथ खोले और टीम को 211 के स्कोर तक पहुंचाया।

श्रेयस अय्यर ने बताया कि भारतीय टीम आक्रामक रुख़ अपनाना जारी रखेगी। श्रेयस ने कहा, "हमने यह प्लान बनाया है कि चाहे कुछ भी हो जाए, हम (आक्रामक खेल) जारी रखेंगे। भले ही विकेट गिरते रहे, यह हमारी योजना है और भविष्य में भी हम इसी विचारधारा के साथ जाएंगे। हमें ख़ुद पर पूरा भरोसा है।"

प्लेयर ऑफ द मंथ जीतकर मैथ्यूज़, हसन ने रचे नये कीर्तिमान

दुबई, 13 जून। श्रीलंका के स्टार बल्लेबाज़ एंजेलो मैथ्यूज़ मई माह का आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीतकर यह खिताब हासिल करने वाले पहले श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गये हैं। इस पुरस्कार की शुरुआत जनवरी 2021 में की गयी थी। आईसीसी ने सोमवार को घोषणा की कि मैथ्यूज़ और पाकिस्तान की तुबा हसन को इस माह प्लेयर ऑफ़ द मंथ चुना गया है। मैथ्यूज़ को बंग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ जीत में रनों का अंबार खड़ा करने के लिये इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ओलंपियन धावक हरि चंद का हृदयघात से निधन

होशियारपुर, 13 जून। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले पूर्व ओलंपियन धावक हरि चंद का सोमवार को हृदयाघात के बाद जालंधर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 69 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार कल गांव घोरेवाहा में होगा। एक अप्रैल 1953 को जन्मे लंबी दौड़ के धावक हरि चंद सीआरपीएफ से कमांडेंट के रूप में सेवानिवृत्त हुए थे। हरि चंद ने 1978 में बैंकॉक में हुए एशियाई खेलों में 5000 मीटर और 10000 मीटर दौड़ में दो स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने ओलंपिक खेलों में दो बार हिस्सा लिया। 1976 में मोंट्रियल ओलंपिक्स में 10000 मीटर दौड़ में 28 मिनट 48.2 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 32 वर्ष तक बना रहा।

रणजी ट्रॉफी में लगातार दूसरी बार फाइनल में जाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी बंगाल

बेंगलुरु, 13 जून। भारत के सबसे बड़े प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफ़ी का 87वां संस्करण सेमीफ़ाइनल के पड़ाव पर आ पहुंचा है। सेमीफ़ाइनल मुक़ाबले मंगलवार को बेंगलुरु में प्रारंभ होंगे जहां मध्य प्रदेश का सामना होगा बंगाल से और मुंबई की टक्कर होगी उत्तर प्रदेश के साथ। बंगाल की नज़र लगातार दूसरे फ़ाइनल पर: कप्तान आदित्य श्रीवास्तव पांच साल के थे जब मध्य प्रदेश आख़िरी बार रणजी ट्रॉफ़ी के फ़ाइनल में पहुंचा था। और तो और वर्तमान टीम का कोई भी खिलाड़ी पैदा भी नहीं हुआ था जब इस टीम ने 1945-46 में आख़िरी बार ख़िताब अपने नाम किया था। हालांकि इस बार मध्य प्रदेश के पास चमचमाती ट्रॉफ़ी अपने नाम करने का बढ़िया मौक़ा है।

एकदिवसीय रैंकिंग में पांचवें स्थान पर फिसला भारत

दुबई, 13 जून। आईसीसी की एकदिवसीय रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम गिरकर पांचवे स्थान पर आ गयी है।आईसीसी की नवीनतम रैंकिंग के अनुसार पाकिस्तान ने वेस्ट इंडीज़ को एकदिवसीय श्रंखला में 3-0 से हराकर भारत पर बढ़त हासिल कर ली है। इस सीरीज़ से पहले पाकिस्तान 102 की रेटिंग के साथ एकदिवसीय रैंकिंग में पांचवें स्थान पर थी, लेकिन कैरिबियाई टीम को क्लीन स्वीप कर बाबर आज़म की टीम 106 रेटिंग के साथ चौथे स्थान पर आ गयी है। 105 रेटिंग वाली भारतीय टीम पांचवे स्थान पर खिसक गयी है।

तीरंदाज दीपिका कुमारी ने नुमोतो स्कुडेरिया के साथ किया अनुबंध

रांची, 13 जून। ऑटोमोटिव वेलनेस कंपनी नुमोटो स्कुडेरिया ने सोमवार को घोषणा की कि उसने भारत की स्टार तीरंदाज दीपिका कुमारी को कंपनी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में साइन किया है। सौदे के हिस्से के रूप में, दीपिका कुमारी कंपनी के ऊपर-द-लाइन और नीचे-द-लाइन मार्केटिंग संचार के साथ-साथ न्यूमोटो स्कुडेरिया के सभी मार्केटिंग और ब्रांड अभियानों का हिस्सा होंगी।

27 वर्षीय दीपिका कुमारी, जो झारखंड की रहने वाली हैं, वही राज्य जहां से नुमोतो स्कुडेरिया ने अपना संचालन शुरू किया है, भारत की सबसे मान्यता प्राप्त और सुशोभित महिला एथलीटों में से एक है। तीन बार की ओलंपियन रिकर्व महिला वर्ग में विश्व की पूर्व नंबर 1 खिलाड़ी हैं और उन्होंने विश्व मंच पर कई पदक जीते हैं। वर्तमान में रिकर्व महिलाओं में नंबर 3 के रूप में स्थान पर है, दीपिका एक अर्जुन पुरस्कार विजेता और पद्मश्री है।

नुमोतो स्कुडेरिया के साथ जुड़ने पर, दीपिका कुमारी ने कहा, मैं बढ़ते हुए नुमोटो स्कुडेरिया परिवार का हिस्सा बनकर वास्तव में खुश हूं। ऑटोमोटिव स्पेस में झारखंड की एक युवा कंपनी के रूप में, मैं उनके साथ काम करने

के लिए उत्सुक हूं, जो एक संपूर्ण और रोमांचक यात्रा का वादा करता है।

नुमोटो स्कुडेरिया भारत का पहला ऑटोमोटिव वेलनेस ब्रांड है, जिसमें वाहनों को कुशल, सुरक्षित और सड़क पर चलने योग्य रखने के लिए सेवाओं और उत्पादों का एक गुलदस्ता है। यह ऑन-साइट डीकार्बोनाइजेशन से लेकर स्वचालित वाहन सामान्य सेवाओं तक की सेवाएं प्रदान करता है और विशेष कार रखरखाव उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री में भी माहिर है।

दीपिका कुमारी को ब्रांड एंबेसडर के रूप में साइन करने पर बोलते हुए, पलाश बागची, सीईओ नुमोटो स्कुडेरिया ने कहा, दीपिका कुमारी एक पूर्ण युवा आइकन हैं और न्यूमोटो जैसे युवा ब्रांड के लिए एकदम फिट हैं। वह पहले से ही भारतीय खेल की एक किंवदंती हैं और सिर्फ 27 साल की उम्र में उन्होंने जो हासिल किया है वह आज के युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। हम उसे नुमोतो में शामिल करने के लिए रोमांचित हैं और हमें यकीन है कि वह बहुत अधिक मूल्य जोड़ देगी।

बेसलाइन वेंचर्स के सह-संस्थापक और एमडी तुहिन मिश्रा ने कहा, कि दीपिका कुमारी और नुमोटो स्कुडेरिया के बीच एंडोर्समेंट एसोसिएशन की सुविधा के लिए हमें बेहद खुशी है।" दीपिका कुमारी एक स्पोर्ट्स यूथ आइकन हैं और पूरे भारत में बेहद लोकप्रिय हैं। बेसलाइन में दो युवा, साहसी और समान विचारधारा वाली संस्थाओं के बीच जुड़ाव को सुविधाजनक बनाना हमारे लिए गर्व का क्षण है।

भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए सपोर्ट स्टाफ की नियुक्ति

बेंगलुरु, 13 जून। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के कोच सितांशु कोटक, साईराज बहुतुले और मुनीश बाली इस महीने के अंत में आयरलैंड के छोटे दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ़ होंगे, जिसका नेतृत्व वीवीएस लक्ष्मण करेंगे। जब भारत ए की टीम नवंबर-दिसंबर 2021 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर गई थी, उस दौरान कोटक इंडिया ए सपोर्ट स्टाफ़ थे, जबकि बाली और बहुतुले 2022 की शुरुआत में वेस्टइंडीज़ में विश्व कप जीतने वाली भारत अंडर-19 टीम के क्षेत्ररक्षण और गेंदबाज़ी कोच थे।

लक्ष्मण आयरलैंड में दो मैचों की टी20 श्रृंखला के दौरान भारत के मुख्य कोच होंगे। वह राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे, जो उस वक़्त भारतीय टेस्ट टीम के साथ इंग्लैंड में होंगे। द्रविड़ और अन्य वरिष्ठ सहयोगी स्टाफ़ सदस्य इस सप्ताह के अंत में टेस्ट टीम के साथ इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे।

लक्ष्मण वर्तमान में बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में क्रिकेट निदेशक हैं। द्रविड़ पहले इस पद पर थे लेकिन जब उन्हें भारतीय टीम का कोच बना दिया गया तो इस पद की ज़िम्मेदारी लक्ष्मण को सौंप दी गई। वह इससे पहले आईपीएल में सनराइज़र्स हैदराबाद और भारतीय घरेलू क्रिकेट में बंगाल की टीम में बल्लेबाज़ी सलाहकार के रूप में शामिल रहे हैं। इस साल की शुरुआत में वह वेस्टइंडीज़ में भारत की अंडर 19 विश्व कप विजेता टीम के साथ सहायक स्टाफ़ समूह का हिस्सा थे। भारत की टेस्ट टीम 15 जून को इंग्लैंड के लिए रवाना हो सकती है। पिछले साल कोविड 19 के प्रकोप के बाद बर्मिंघम टेस्ट को पीछे धकेल दिया गया था।

ग्रां.प्री. बैडमिंटन लीग की नीलामी में आइकन खिलाड़ियों की चांदी

बेंगलुरू, 13 जून। कर्नाटक की बहुप्रतीक्षित बैडमिंटन लीग 'ग्रां प्री बैडमिंटन लीग' के लिये आयोजित नीलामी में मिथुन मंजुनाथ, प्रकाश राज और साई प्रतीक ने अधिकतम कीमत 3.5 लाख रुपये प्राप्त की। कर्नाटक बैडमिंटन महासंघ द्वारा एक जुलाई से 10 जुलाई तक आयोजित इस टूर्नामेंट में मिथुन को मालनाड फैलकन्स ने खरीदा, जबकि साई प्रतीक मांड्या बुल्स में शामिल हुए। प्रकाश को केजीएफ वुल्व्स ने खरीदा। इसके अलावा सनीथ दयानंद (कोडगु टाइगर्स, 2.6 लाख रुपये), डैनियल फरीद (बांदीपुर टस्कर्स, 3.1 लाख रुपये), रघु मारिस्वामी (मंगलुरु शार्क, 3.3 लाख रुपये), तान्या हेमंत (मैसूर पैंथर्स, 3.2 लाख रुपये) और जननी अनंतकुमार (बेंगलुरु लायंस- 2.5 लाख रुपये) को भी लीग में जगह मिली। प्रत्येक टीम में आङ्ग खिलाड़ी शामिल हो सकते थे जिनमें एक आइकन खिलाड़ी, कम से कम दो टियर-1 और टियर-2 खिलाड़ी, और आइकन श्रेणी सहित कम से कम दो महिला खिलाड़ियों का होना आवश्यक था। हर टीम के पर्स में 12 लाख रुपये थे जिसमें से दो लाख रुपये खिलाड़ी पुरस्कार के लिए आरक्षित थे। आइकन खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम शुल्क 2.5 लाख रुपये और अधिकतम शुल्क 3.5 लाख रुपये निर्धारित किया गया था

ऑस्ट्रेलिया के लिए श्रीलंका में वनडे जीतते हुए टेस्ट की तैयारी करना सबसे जरूरी : मैकडोनाल्ड

कोलम्बो, 13 जून। फ़िलहाल श्रीलंका के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ जीतने के अलावा ऑस्ट्रेलिया के लिए अगले दो हफ़्तों में दो साल में पहली बार सामान्य स्थिति पर लौटने वाली दुनिया में दो बड़े लक्ष्य हैं। 2019 में इंग्लैंड दौरे के बाद पहली बार ऐसा होगा कि जब मुख्य दल पांच वनडे मैच खेल रहा होगा, तब साथ में ऑस्ट्रेलिया ए के रूप में अन्य खिलाड़ी हंबनटोटा में श्रीलंका ए के विरुद्ध दो वनडे मुक़ाबलों में 1-1 ड्रॉ के बाद दो चार-दिवसीय मैच खेलेंगे।

उम्मीद यही है कि अगले दो हफ़्तों में अधिकांश खिलाड़ी डिंक्स ड्यूटी की बजाय क्रिकेट खेलने में व्यस्त होंगे। हालांकि मिचेल स्टार्क की उंगलियों में और मिचेल मार्श की पिंडली में चोटों के चलते वनडे टीम में कुछ बदलाव दिखेंगे।

सबसे बड़ा फ़ैसला था ट्रैविस हेड को ए वनडे सीरीज़ में 76 गेंदों पर शतक जड़ने के बाद चार-दिवसीय मैचों के लिए ए टीम में शामिल किया जाना। हाल ही में हेड पाकिस्तान में वनडे टीम के लिए असाधारण फ़ॉर्म में थे लेकिन डेविड वॉर्नर और स्टीवन स्मिथ के टीम में लौटने से उन्हें मुख्य दल में जगह नहीं मिली थी। कोच ऐंड्रयू मैकडोनाल्ड ने हेड के बारे में कहा, "वह चयन होने के लिए टीम का दरवाज़ा काफ़ी ज़ोर से खटखटा रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान में मिले मौक़े का बेहतरीन फ़ायदा उठाया।

डेवी अब उनकी जगह आ गए हैं और स्टीव स्मिथ भी लौट आए हैं तो अब उन्हें थोड़ा और इंतज़ार करना होगा। हमें लगा वह ए टीम के साथ खेलेंगे तो उपमहाद्वीप के परिस्थितियों में बेहतर होगा। एक-आध चोट के चलते हमने अपनी शुरुआती योजनाओं को थोड़ा बदल दिया है। हमारी चाह यही है कि हर खिलाड़ी को मैदान पर खेलने का अवसर हो और कोई भी बेंच पर बैठ कर वक़्त ज़ाया ना करें।

मिजोरम ने जीता खेलों इंडिया का फुटबॉल खिताब

पंचकुला, 13 जून। विंगर लातलांज़ोवा और सेंटर-फॉर्वर्ड टी मालसॉमज़्वाला की बदौलत मिज़ोरम ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 का फुटबॉल फाइनल जीत लिया है। लातलानज़ोवा ने सोमवार को केरल के खिलाफ हुए फाइनल में हैट्रिक लगाते हुए मिजोरम को 5-1 से जीत दिलायी। वह पांच मैचों में सात गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर रहे। लातलानज़ोवा ने मैच के बाद कहा, कोच ने मुझसे कहा कि आज स्कोर करना है, और मैंने वही किया। एक पेशेवर फुटबॉलर बनने की चाह रखने वाले मालसॉमज़्वाला ने कहा, मुझे क्रिस्टियानो रोनाल्डो पसंद हैं क्योंकि वह मेहनती हैं और मैच को खत्म करने में माहिर हैं। दोनों खिलाड़ी कोलासिब जिले में राज्य द्वारा वित्त पोषित क्षेत्रीय खेल प्रशिक्षण केंद्र (अंडर -14) और लुंगलेई जिले में एसवाईएस फुटबॉल अकादमी (अंडर -17) के प्रशिक्षु हैं।

पूर्व क्रिकेटरों, अंपायरों की पेंशन में बीसीसीआई ने भारी वृद्धि की

मुंबई, 13 जून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूर्व क्रिकेटरों और अंपायरों की पेंशन में बढ़ोतरी की सोमवार को घोषणा की। यह वृद्धि एक जून 2022 से प्रभावी हो गयी है। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हमारे पूर्व क्रिकेटरों की वित्तीय स्थिति का ध्यान रखा जाए। खिलाड़ी जीवन रेखा बने रहते हैं और एक बोर्ड के रूप में, यह हमारा कर्तव्य है कि उनके खेलने के दिन समाप्त होने के बाद हम उनके साथ खड़े रहें। अंपायर खेल के अकीर्तित नायक रहे हैं और बीसीसीआई वास्तव में उनके योगदान को महत्व देता है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, हमारे पूर्व एवं वर्तमान क्रिकेटरों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है, और पेंशन राशि बढ़ाना उस दिशा में एक कदम है। बीसीसीआई पिछले कुछ वर्षों में अंपायरों के योगदान को महत्व देता है और भारतीय क्रिकेट के लिए उनकी मेहनती सेवाओं के लिए आभार व्यक्त करने का यह एक तरीका है।

शाह ने कहा कि इस योजना के तहत लगभग 900 कर्मियों को लाभ मिलेगा, जिसमें 75 से अधिक लाभार्थियों को 100 वृद्धि मिलेगी। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण सिंह धूमल ने कहा, बीसीसीआई आज जो कुछ भी है, वह अपने पूर्व क्रिकेटरों और अंपायरों के योगदान के कारण है। हमें मासिक पेंशन में वृद्धि की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है जो हमारे पूर्व क्रिकेटरों के कल्याण में सहायता करेगा।

चोटिल होने के कारण तीसरे टेस्ट से बाहर हो सकते है काइल जेमीसन

नाटिंघम,13 जून। न्यूज़ीलैड के तेज गेंदबाज काइल जेमीसन ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के चौथे दिन मैदान पर नहीं उतर पाएंगे। वह तीसरे दिन 17वें ओवर के दौरान मैदान से बाहर चले गए। उनकी पीठ के निचले हिस्से में काफ़ी दर्द हो रहा था। अब उनके इस दर्द की एमआरआई स्कैन किया जाएगा, ताकि चोट की गंभीरता का पता लगाया जा सके। हालांकि जब जेमीसन मैदान पर थे, तब भी न्यूज़ीलैंड की टीम इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों को तेज़ गति से रन बनाने से नहीं रोक पाई। इंग्लैंड ने कुल 383 रन बनाए। जेमीसन गेंदबाज़ी में कुछ ख़ास नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने अपने स्पेल में चार रन प्रति ओवर के दर से रन ख़र्च किए और कोई विकेट नहीं लिया। दो साल पहले जेमीसन ने न्यूज़ीलैंड के लिए पहला टेस्ट खेला

था। अपने पदार्पण के बाद से यह उनका सबसे महंगा गेंदबाज़ी प्रदर्शन है। पिछले दो सालों में जेमीसन न्यूज़ीलैंड टेस्ट टीम की एक ज़रूरी हिस्सा हैं। पिछले 17 टेस्ट में सिर्फ़ एक टेस्ट ऐसा रहा, जहां जेमीसन टीम का हिस्सा नहीं थे। उनके 16 मैचों के टेस्ट करियर में 20 से कम की औसत है। कुछ दिन पहले ही वह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर तीन के गेंदबाज़ थे। उनके डेब्यू के बाद से जेमीसन को कभी भी कोई गंभीर चोट नहीं लगी है। दूसरे टेस्ट के ख़त्म होने के एक सप्ताह बाद तीसरा टेस्ट शुरू होगा। अगर जेमीसन नहीं खेल पाते हैं तो न्यूज़ीलैंड तीसरे टेस्ट में नील वैगनर को टीम में शामिल कर सकता है। इससे पहले केन विलियमसन भी कोरोना संक्रमित होने के कारण टीम से बाहर हो गए थे।

जोशी, रामदास ने कनाडा इंटरनेशनल पैरा बैडमिंटन में जीता स्वर्ण

ओटावा, 13 जून। भारतीय पैरा बैडमिंटन टीम ने ओटावा में आयोजित कनाडा इंटरनेशनल पैरा बैडमिंटन में मानसी जोशी और मनीषा रामदास के स्वर्ण सहित कुल नौ पदक जीते। महिला एसएल3 की वर्तमान विश्व चैम्पियन जोशी ने अपनी हमवतन पारुल परमार, फ्रांस की कोरालाइन बरगेरोन, जापान की नोरिको इटो और यूक्रेन की ओकसाना कोज़ीना के खिलाफ सभी राउंड रॉबिन मैच जीते।

जोशी ने अन्य तीनों प्रतिद्वंद्वियों पर आसानी से जीत दर्ज की, लेकिन ओकसाना ने उनको परेशान किया। यूक्रेन की खिलाड़ी ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में जोशी को मात दी। निर्णायक मुकाबला बेहद करीबी रहा मगर जोशी ने अंततः 22-20 से गेम अपने नाम करते हुए 21-18, 15-21, 22-20 से जीत दर्ज की। रूथिक रघुपति के साथ मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 कांस्य जीतने वाली जोशी ने ट्वीट किया, कनाडा पैरा-बैडमिंटन इंटरनेशनल में रुतिक के साथ मिश्रित युगल में कांस्य और सिंगल्स में स्वर्ण जीतकर बेहद खुशी हो रही है। इसके साथ ही मेरा मध्य पूर्व और उत्तरी अमेरिका का एक महीने का दौरा समाप्त हो गया है।

जोशी की तरह, रामदास ने भी फ़ैज़ा दुबई 2022 इंटरनेशनल का प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला एकल एसयू5 स्वर्ण पदक जीता। चेन्नई की 17 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और फाइनल में जापान की अकीको सुगिनो पर 27-25, 21-9 से रोमांचक जीत हासिल की। दुबई में भी रामदास ने सुगिनो को सीधे गेम में हराकर स्वर्ण पदक जीता था। इस सीजन में एसयू5 श्रेणी में यह उनका चौथा महिला एकल स्वर्ण था। इस बीच, पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद भगत को अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी डेनियल बेथेल के खिलाफ 14-21, 21-9, 15-21 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

मैंने जो यात्रा की है, वह जीवन भर मेरे साथ रहेगी : जायसवाल

मुम्बई, 13 जून। यशस्वी जायसवाल की उम्र 21 से भी कम है। इतनी छोटी उम्र में वह एक बहुत ही संघर्षपूर्ण दौर से गुज़रे हैं। 10 साल पहले उत्तर प्रदेश के भदोही नामक एक छोटे से शहर से यशस्वी क्रिकेट खेलने के लिए मुंबई आए। उस वक़्त उनके पास रहने के लिए मुंबई में घर तक नहीं था। ना ही उतने पैसे थे कि कोई घर भाड़े पर लिया जा सके। वह टेंट में सोते थे। खाने तक की समस्या थी। कभी-कभी तो उन्हें पूरा दिन ग्लुकोज़ बिस्कुट खाकर काटना पड़ता था। हालात ऐसे थे कि मुंबई में अपने गुज़र-बसर के लिए वह आज़ाद मैदान के पास पानीपुरी बेचते थे। अपने त्याग और संघर्ष के उन दिनों को याद करते हुए यशस्वी कहते हैं कि मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि मेरे माता-पिता और परिवार को "एक आरामदायक जीवन" देना है।

रणजी ट्रॉफ़ी सेमीफ़ाइनल से पहले उन्होंने कहा, मैंने जो यात्रा की है, वह जीवन भर मेरे साथ रहेगी। उन दिनों को याद कर के मुझे हमेशा आत्मविश्वास मिलेगा। हां, अब मुझे वित्तीय रूप से कोई परेशानी नहीं है लेकिन ऐसा नहीं है कि इससे मेरे सोच की पद्धित में कोई बदलाव आएगा।" अपने संघर्ष के दिनों में मैं जैसा था, आज भी वैसा ही हूं। मैं बिल्कुल नहीं बदला हूं और ना बदलने वाला हूं। मैं आज तक जैसा सोचता आया हूं, आगे भी वैसे ही सोचूंगा। मुझे पता है कि मंज़िल तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत और निष्ठा की आवश्यकता होती है।"

दो साल पहले यशस्वी ने अंडर-19 विश्व कप में काफ़ी बढ़िया प्रदर्शन किया था। छह मैचों में 400 रनों के साथ वह सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ थे। उस दौरान यशस्वी के कवर ड्राइव और कट शॉट क्रिकेट जगत की चर्चा का विषय बने हुए थे। आईपीएल 2022 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें रिटेन भी किया था, जहां उन्होंने जॉस बटलर के साथ बढ़िया बल्लेबाज़ी की। उन्होंने अपने बढ़िया प्रदर्शन को रणजी ट्रॉफ़ी में भी जारी रखा।

जब यशस्वी राजस्थान की टीम में एकादश से बाहर थे, उस समय के बारे में वह बताते हैं, "मैंने कभी ख़ुद पर संदेह नहीं किया, मुझे विश्वास था की मुझे मौक़ा मिलेगा। यह सबसे अच्छी बात थी। मुझे लगता है कि मैं मानसिक रूप से बहुत मज़बूत हूं। अगर आप ख़ुद पर विश्वास नहीं करते हैं तो कोई भी आप पर विश्वास नहीं करेगा।"

यशस्वी ने कहा, "बटलर के साथ बल्लेबाज़ी करना एक शानदार अनुभव था। हम एक-दूसरे से काफ़ी बात करते थे। वह मुझे हमेशा बता देते थे कि क्या करना है। वह मुझे इस संदर्भ में काफ़ी साफ़ और सटीक संदेश देते थे। अगर वह कुछ कहते थे, मैं उस पर पूरा भरोसा करता था। मुझे उनके साथ बल्लेबाज़ी करना काफ़ी अच्छा लगता था। वह मुझे कहते थे कि बढ़िया शॉट खेलने का प्रयास करो और मैं वही करता था।"

पिछले कुछ वर्षों में यशस्वी की बल्लेबाज़ी के दृष्टिकोण में बदलाव आया है, और इसलिए उनके व्यवहार और मानसिकता में भी बदलाव आया है। वह अब पहले की तरह शर्मीले नहीं रहे, वह ड्रेसिंग रूम में टीम के साथियों के साथ मज़ाक़ भी करते हैं।

यशस्वी कहते हैं, "भाई, मैंने आईपीएल में इतने कैमरे देखे हैं कि डर चला गया है। पहले मुझे यह सोचकर शर्म आती थी कि कैमरे के सामने मैं क्या बोलूंगा? लेकिन अब दिक़्क़त नहीं होती है।अंडर-19 विश्व कप में पहले मैच के बाद मैंने एक साक्षात्कार दिया था। वह मैच तो मेरे लिए काफ़ी अच्छा रहा था लेकिन जब मैं उस इंटरव्यू के बाद वापस ड्रेसिंग रूम में गया तो सभी लोग हंस रहे थे।"

यशस्वी ने अब तक मुंबई के लिए सिर्फ़ दो रणजी ट्रॉफ़ी मैच खेले हैं। क्वार्टर-फ़ाइनल के दौरान उन्होंने उत्तराखंड के ख़िलाफ़ दूसरी पारी में बढ़िया शतक लगया। उन्होंने कहा कि मुंबई की टीम में वापस आकर बढ़िया महसूस हो रहा है। तीन साल पहले बेंगलुरु में उन्होंने विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी में ग़ज़ब की बल्लेबाज़ी की थी। वह उस प्रतियोगिता में दोहरा शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे और उन्होंने छह पारियों में 112.5 की औसत से 564 रन बनाए थे।

इस प्रतियोगिता के बाद उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में बढ़िया प्रदर्शन किया लेकिन उसके बाद क्रिकेट की दुनिया पर कोविड का साया पड़ गया।यशस्वी बताते हैं, "कोविड के दौरान मैंने ज़्यादा कुछ नहीं किया। घर पर रहा, खाया और सोया। दिन को रात में और रात को दिन में बदलते हुए देखा। मैं उस दौरान सुबह सोया करता था और रात में उङ्गता था।" ट्रेनिंग के लिए कुछ भी उपलब्ध नहीं था। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स खुला या कोई मैदान भी नहीं खुला था। मैं सड़क पर दौड़ने तक नहीं जाता था। उस समय हर कोई थोड़ा डरा हुआ था। मेरा परिवार मुझे बाहर जाने नहीं देता था।"

जब आईपीएल 2020 कोविड के बाद एक बार फिर से शुरु हुआ तो यशस्वी का प्रदर्शन कुछ ख़ास नहीं था। उन्होंने तीन मैचों में सिर्फ़ 40 रन बनाए। "मैंने सात-आङ्ग महीनों से कोई क्रिकेट नहीं खेला था। मेरा कंधा भी चोटिल था। इसके बाद अचानक से आईपीएल जैसी बड़ी प्रतियोगिता का हिस्सा बनना और वहां बढ़िया प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल था।"

''मर्चिसन फॉल्स,'' जिन्हें ''काबालेगा फॉल्स'' भी कहा जाता है, युगान्डा में नील नदी पर लेक क्योगा तथा लेक अल्बर्ट के बीच है। यह झरना अपना स्वरुप उस समय लेता है, जब 100 से 120 मीटर चौड़ी धारा के रुप में बहने वाली पूरी नील नदी को चट्टानों के बीच केवल 7 मीटर चौड़ी जगह में से होकर बहना पड़ता है, उस समय यह नदी अफ्रीका के सबसे उग्र झरने का रुप ले लेती है। इस समय नदी का बहाव 300 क्यूबिक मीटर प्रति सैकेण्ड हो जाता है। चट्टानों के बीच तेज रफ्तार से गुजरते हुये यह विशाल जल राशि निरंतर गर्जना करती रहती है, जिससे जमीन में भी निरंतर कंपन होता रहता है। झरने से निकलने वाली फुहारें इस क्षेत्र की वनस्पति को वर्ष भर हरा-भरा रखती हैं। मर्चिसन फॉल विक्टोरियन नाइल पर स्थित अनेक झरनों में से एक है। इसकी ऊंचाई तो ज्यादा नहीं, करीब 43 मीटर ही है, लेकिन इसका दृश्य अत्यधिक प्रभावी है। ये झरने, 3,840 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले घास के मैदानों वाले ''मर्चिसन फॉल्स नैशनल पार्क'' का प्रमुख आकर्षण हैं। असल में यहां पर दो समानान्तर झरने हैं। झरनों तक पहुंचने से ठीक पहले नील नदी दो शाखाओं या धाराओं में बंट जाती है। दक्षिणी शाखा पर मर्चिसन फॉल्स हैं, तथा उत्तरी शाखा पर ऊरु फॉल्स, जिसमें पानी कम है। माना जाता है कि, मनुष्य इन झरनों तक सबसे पहले 61 ईसा पूर्व में पहुंचा था, जब सम्राट नीरो ने रोमन सैनिकों के एक ग्रुप को नील नदी के उद्गम की खोज में भेजा था। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि, रास्ता बहुत अधिक दुरुह होने के कारण, रोमन्स इन झरनों तक नहीं पहुंच सके और झरनों से तकरीबन 800 किलोमीटर दक्षिण में सूड के दलदलों में फंस गये थे। मर्चिसन फॉल्स तक सर्वप्रथम सैमुअल बेकर तथा फ्लॉरेंस बेकर- नाम के दो यूरोपियन्स पहुंचे थे तथा उन्होंने ही रॉयल ज्योग्राफिकल सोसायटी के तत्कालीन अध्यक्ष, सर रॉडरिक मर्चिसन के सम्मान में इन झरनों का नामकरण किया था। सत्तर के दशक में, युगान्डा के तत्कालीन राष्ट्रपति, ईदी अमीन ने, इन झरनों का नाम बदलकर, युगान्डा के पूर्व शासक, काबालेगा ऑफ बन्यरो के सम्मान में, ''काबालेगा फॉल्स'' रख दिया था। इसके बावजूद, यह नाम उतना लोकप्रिय नहीं हुआ, तथा ईदी अमीन के पद से हटने के बाद, झरनों का पुराना नाम वापस आ गया।

तृणमूल ने कांग्रेस को ''ठेंगा'' दिखाया

तृणमूल कांग्रेस के मुखपत्र ''जागो बांग्ला'' ने लिखा तृणमूल नेताओं को जब समन पर समन मिल रहे थे तो कांग्रेस ने भी कभी कोई सहयोग नहीं दिया

- **कांग्रेस के सत्याग्रह मार्च पर ''जागो बांग्ला'' ने कई तंज कसे और इसे पाखण्ड बताया।**
- **अखबार की रिपोर्ट में लिखा गया, टी.एम.सी. अपने दृष्टिकोण को लेकर स्पष्ट रुख अपनाती है। कांग्रेस ने जो विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है यह अवसरवादी और डबल स्टैंडर्ड की राजनीति है।**

नई दिल्ली, 13 जून। नैशनल हैरल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को ई.डी. के सामने पेश हुए। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में मार्च निकाला और जगह-जगह प्रदर्शन किए। कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया।

कांग्रेस के मार्च पर टी.एम.सी. के मुखपत्र जागो बांग्ला ने तंज कसा और इसे पाखंड बताया है। मुखपत्र के मुख्य पृष्ठ की हेडिंग थी, राहुल गांधी को ई.डी. का समन, कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, अस्पताल में सोनिया गांधी। कांग्रेस ने ई.डी. के दफ्तरों के बाहर प्रदर्शन किया व सत्याग्रह मार्च निकाला लेकिन इस पूरी कवायद में उसे किसी भी विपक्षी दल का साथ नहीं मिला और ना ही किसी विपक्ष के नेता ने बयान जारी कर कांग्रेस नेताओं को अपना समर्थन जताया।

एक दिन पहले ही कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को कोविड संबंधी दिक्कतों की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया जा रहा है। ई.डी. ने उन्हें 23 जून को पेश होने का समन भेजा था। जागो बांग्ला के आर्टिकल में लिखा गया, जब उन्हें एजेंसियों का समन मिला तो कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व डर से कांपने लगा। बता दें कि राहुल गांधी से ई.डी. ने नैशनल हेरल्ड मामले में पूछताछ की।

अखबार की रिपोर्ट में लिखा गया, टी.एम.सी. अपने दृष्टिकोण को लेकर स्पष्ट रुख अपनाती है। कांग्रेस ने जो विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है यह अवसरवादी और डबल स्टैंडर्ड की राजनीति है। टी.एम.सी. ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी पर भी तंज कसा। अखबार में लिखा गया, बंगाल में कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी जो कि पार्टी को जीरो के आंकड़े पर लेकर आए हैं, रोज ही टी.एम.सी. पर हमला करते हैं। अब वह और कांग्रेस पार्टी और क्या कहना चाहेगी?

वेणुगोपाल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने बैरिकेड लगाकर कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों तथा सदस्यों के पहचान पत्र चैक कर रही थी तथा उन्हीं लोगों को अनुमति दे रही थी, जिनके नाम पार्टी कार्यालय ने उपलब्ध कराये थे। लेकिन, जब तक पुलिस को पता चलता, तब तक बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता ए.आई.सी.सी. मुख्यालय के पीछे बने स्टाफ क्वार्टरों में होकर मुख्यालय में प्रवेश कर गये तथा उन्होंने प्रवेश द्वार तक को अवरूद्ध कर दिया।

''लंच ब्रेक'' के दौरान राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रियंका गांधी राहुल के साथ पैदल गईं। प्रियंका को तो हिरासत में नहीं लिया गया, लेकिन अन्य कई वरिष्ठ पार्टी नेता तथा पदाधिकारी वहाँ सी.आर.पी.सी. की धारा 144 के तहत लागू निषेधाज्ञा के उल्लंघन पर ई.डी. कार्यालय के पास हिरासत में ले लिये गये। राहुल के साथ गये लोग, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को झूठे तरीके से उलझाने एवं फंसाने की मोदी सरकार की कोशिश के खिलाफ ''सत्याग्रह'' पर बैठ गये। सत्याग्रह पर बैठे लोगों में कांग्रेस के सभी महत्वपूर्ण नेता शामिल थे, जिनमें दो मुख्यमंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री, पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में पार्टी सांसद शामिल थे।

सैकड़ों कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी हुई है। ये गिरफ्तारियाँ केवल दिल्ली में ही नहीं, बल्कि मुम्बई एवं बैंगलुरू में भी हुई। ये गिरफ्तारियाँ पार्टी द्वारा किये गये राष्ट्रीय ''सत्याग्रह'' के कारण हुईं। जैसा कि कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने रेखांकित किया है, यह नई क्रान्ति का गांधीवादी ''सत्याग्रह'' ई.डी. और पुलिस का कवच पहने हुये कायर नरेन्द्र मोदी के खिलाफ है, ठीक वैसे ही, जैसे आज़ादी से पहले अंग्रेजों के खिलाफ होता था। सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस, जो संविधान को कमजोर करने वाली ताकतों से लड़ रही है, को डराया, धमकाया औरा धौंसाया जा रहा है। सुरजेवाला ने कहा, ''कायर नरेन्द्र मोदी सरकार सत्य की आवाज से भयभीत है। इसके ''इलेक्शन मैनेजमेन्ट डिपार्टमेंट (ई.डी.) ने सत्य को चुनौती दी है। सत्य को किसी आवरण की जरूरत नहीं होती। न तो इसे दबाया जा सकता है और न इसे झुठलाया जा सकता है।'' उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि राहुल के नेतृत्व में शान्तिपूर्ण एवं गांधीवादी ''सत्याग्रह'' मार्च आयोजित की जायेगी। सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल के साथ ई.डी. कार्यालय तक पैदल जायेंगे और राहुल ''झूठ की अदालत'' में प्रत्येक प्रश्न का सत्य पर आधारित जवाब देंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह कांग्रेस का संकल्प तथा महात्मा गांधी द्वारा दिखाया गया रास्ता है।

अगली रणनीति बनाने के लिए पी.सी. सी. में रात को जुड़े मंत्री-विधायक और कांग्रेसजन

राहुल गांधी से ई.डी. द्वारा देर रात तक चली पूछताछ के विरोध में कांग्रेस में भारी विचार मंथन चल रहा है

- **प्रदेश कार्यालय में पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा ने बंद कमरे में राज्य के कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ बैठक की। कहा जा रहा है कि, बैठक में दिल्ली कूच की तैयारी का फैसला हो सकता है।**
- **गौरतलब है कि, राहुल गांधी आज ई.डी. कार्यालय गए थे। लंच के बाद उनसे दोबारा पूछताछ हुई जो देर रात तक चली, जिस पर दिल्ली के साथ-साथ प्रदेश कार्यालयों में विरोध की रणनीति पर चर्चा हुई।**

जयपुर, 13 जून (का.प्र.)। कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी को ईडी ने सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया था उन्हें 3 घंटे की पूछताछ के बाद लंच के बाद फिर से बुलाया गया था दूसरी बार बुलाए जाने पर देर रात तक उनसे पूछता चली।

दिल्ली के साथ ही प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में भी नेता और कार्यकर्ताओं ने अगली रणनीति बनाने के लिए बैठकर चर्चा की। इसी के तहत राजस्थान प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय जयपुर में भी मंत्री विधायकों के साथ में कांग्रेस के नेता और अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, टीकाराम जूली, विधायक अमीन कागजी, रफीक खान, बोर्ड -निगमों के चेयरमैन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता पीसीसी मुख्यालय पहुंचे, जहां प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बंद कमरे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं नेताओं के साथ आगामी रणनीति को लेकर चर्चा की है। बताया जा रहा है कि बैठक में कार्यकर्ताओं को दिल्ली कूच की तैयारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। देर रात तक कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता पीसीसी में जुटे रहे। इस दौरान पीसीसी मुख्यालय के बाहर पुलिस का भी भारी बंदोबस्त रहा।

बताया जाता है कि कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता मंगलवार सुबह दिल्ली कूच कर सकते हैं। इधर, कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास का कहना है कि केंद्र सरकार जुल्म और तानाशाही कर रही है। केंद्र सरकार लोकतंत्र और संविधान का अपमान कर रही है, जिसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महाराष्ट्र व कर्नाटक में मानसून

पुणे, 13 जून (वार्ता)। अरब सागर के कुछ और हिस्सों, गुजरात के कुछ हिस्सों, पूरे कोंकण, मध्य महाराष्ट्र के अधिकांश हिस्सों, मराठवाड़ा और कर्नाटक के अधिकांश हिस्सों, तेलंगाना और रायलसीमा के कुछ हिस्सों, तमिलनाडु के कुछ और हिस्सों में, पश्चिम बंगाल के पर्वतीय क्षेत्र के कुछ हिस्सों, बिहार के कुछ हिस्सों में मंगलवार को दक्षिण पश्चिम मानसून आगे बढ़ा है। उत्तर अरब सागर के कुछ और हिस्सों, गुजरात के कुछ और हिस्सों, दक्षिण मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों, पूरे मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, कर्नाटक और तमिलनाडु, कुछ हिस्सों, विदर्भ और तेलंगाना में अगले 48 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। तेलंगाना के कुछ और हिस्सों, आंध्र प्रदेश, बंगाल की खाड़ी, ओडिशा के कुछ हिस्सों, पश्चिम बंगाल में गंगा के तटवर्ती इलाके, झारखंड, पूरे पश्चिम बंगाल के पर्वतीय क्षेत्र, बिहार के कुछ और हिस्सों में अगले दो दिन में पहुंच जाएगा।

'चौथी लहर से बचने के लिए बूस्टर डोज़ आवश्यक है'

डब्ल्यु.एच.ओ. की चीफ साइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि, भारत में हर चार से छह महीने में करोना का ट्रैंड बढ़ने लगता है

- **जून महीने की शुरुआत से ही करोना का ट्रैंड ऊपर की ओर दिखाई दे रहा है। भारत में रविवार को कोरोना के 8,582 नए केस सामने आए थे।**

नई दिल्ली, 13 जून। देश में एक बार फिर करोना के मामले बढ़ने लगे हैं महाराष्ट्र में इन दिनों जो स्थिति सामने आ रही है उसे देखकर करोना की चौथी लहर का डर सताने लगा है। डब्ल्यु.एच.ओ की चीफ साइंटिस्ट सौम्य स्वामिनाथन ने कहा है कि सभी देशों के लिए जरूरी है कि वे अपने नागरिकों को वैक्सीन की बूस्टर डोज दिलवाएं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ज्यादा उम्र वाले लोगों को तीसरी डोज लगनी बहुत जरूरी है। बूस्टर शॉट पर जोर देते हुए आई.सी.एम.आर. के पूर्व प्रमुख ने कहा, जिन लोगों में संक्रमण की आशंका ज्यादा है उनके लिए बूस्टर शॉट बहुत ही जरूरी है। उन्होंने कहा, हर 4 से 6 महीने में देखा जा रहा है कि संक्रमण बढ़ता है। भारत में भी इन दिनों लगातार संक्रमण बढ़ने लगा है। जून महीने की शुरुआत से ही ट्रेंड ऊपर की ओर दिखायी दे रहा है। भारत में रविवार को करोना के 8582 नए केस सामने आए थे। इस समय देश में ऐक्टिव केस 44,513 हो गए हैं। टॉप साइंटिस्ट ने कहा कि करोना के बढ़ते ट्रेंड के पीछ कई वजहें हैं। वैज्ञानिक ने बताया कि बीए 4 और 5 वेरिएंट तेजी से फैलता है। इसके अलावा करोना बढ़ने के पीछे लोगों को व्यवहार भी है। केस कम होते ही लोगों ने एहतियात बरतनी छोड़ दी।

सरकार द्वारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उतार-चढ़ाव का सी.पी.आई. पर महत्वपूर्ण असर पड़ता है। सी.पी.आई. के कुल ब्यौरे का विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट है कि इसका वर्तमान उच्च स्तर खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण है। अध्ययन में कीमतों के लिए सभी सूचकांकों का उपयोग किया गया है। उनके अनुसार महीने के दौरान खाद्य पदार्थों की कीमतों में 18 प्रतिशत का इज़ाफा हुआ है।

किसी कीमत सूचकांक में कमी के तकनीकी बिन्दु अलग हैं, लेकिन एक आम आदमी के लिए कीमत वृद्धि की अनदेखी करना काफी कठिन है। ध्यान देने योग्य है कि कुछ सप्ताह पहले टमाटर की कीमतों ने देशवासियों को सकते में ला दिया था और अब खाद्य पदार्थों की कीमतें भी बढ़ रही है। जो कि पिछले कई वर्षों से बेहद स्थिर थीं।

खाद्य पदार्थों की कीमतें प्राय: गर्मी और मानसून के महीनों में बढ़ती हैं। संभावना है कि अब से लेकर अक्टूबर माह तक इनकी कीमतों में भारी दबाव देखने को मिलेगा, जब नई फसल कटकर बाजार में आ जाती है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों से सर्दियों में अक्टूबर माह के बाद कमी होने के ट्रैण्ड्स दिखते हैं।

रिज़र्व बैंक ने हाल ही में अपनी बेसिक पॉलिसी इन्टरैस्ट रेट को दो बार बढ़ाकर 4.90 प्रतिशत से अधिक किया है। अत: उम्मीद है कि वह अपनी प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति जारी रखेगा।

कीमत वृद्धि एक अत्यंत संवेदनशील मुद्दा है क्योंकि इससे गरीब व्यक्ति सर्वाधिक प्रभावित होता है। इसके अतिरिक्त मध्यम वर्ग भी कीमतों के ट्रैण्ड्स को लेकर उत्सुक रहता है क्योंकि जब आय नहीं बढ़ रही होती है तब उसकी जेब ढीली होती है। हालांकि, कीमतां का सामान्य व्यवहार वस्तुत: एक राजनीतिक मुद्दा है।

अटल बिहारी वाजपेयी ने मंहगाई को एक सर्वाधिक समर्थ राजनीतिक हथियार में तब्दील कर दिया था। प्याज की कीमतों को लेकर उनके द्विअर्थी संवादों मतदाताओं की पीढ़ियों को खुश किया।

भारत के लिए दूसरा सबसे बड़ा क्रूड ऑयल आपूर्तिकर्ता बना रूस

- **रूस ने क्रूड आपूर्ति के मामले में सऊदी अरब को पीछे धकेला, अब भी इराक टॉप आपूर्तिकर्ता है भारत के लिए**
- **मई के महीने में रूस ने प्रतिदिन भारत को 8 लाख 19 हजार बैरल क्रूड ऑयल सप्लाई किया है अप्रैल माह में यह आंकड़ा मात्र 27 से 28 हजार बैरल प्रतिदिन ही था।**

नई दिल्ली, 13 जून। रूस-यूक्रेन वॉर और पश्चिम देशों द्वारा रूस के खिलाफ अभियान छेड़े जाने के बाद रूस बीते मई महीने में भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। भारत को तेल आपूर्तिकर्ता देश के रूप में रूस ने सऊदी अरब को भी तीसरे स्थान पर धकेल दिया है। हालांकि अभी भी वह इराक से पीछे है। इराक भारत को तेल आपूर्ति करने के मामले में नंबर-1 बना हुआ है।

व्यापार स्त्रोतों के आंकड़ों से पता चला है मई महीने में भारतीय रिफाइनरी कंपनियों को लगभग 819,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी तेल प्राप्त हुआ, जो किसी भी महीने में अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड है। अप्रैल में यह आपूर्ति लगभग 277,00 बैरल प्रति दिन थी। रूसी तेल की आपूर्ति में यह रिकॉर्ड ऐसे वक्त बना है जब यूक्रेन पर हमले के बाद रूस के खिलाफ अमेरिका समेत पश्चिमी मुल्कों की ओर से कठोर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इन प्रतिबंधों के कारण रूस को तेल की कीमतों में रियायत देनी पड़ी। गौर करने वाली बात यह भी कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जो उच्च माल ढुलाई लागत के कारण शायद ही कभी रूसी तेल खरीदने में दिलचस्पी दिखाती थीं। उन्होंने कम कीमत पर मिल रहे रूसी तेल की खरीद में रूचि दिखाई है। मई में भारत के कुल तेल आयात में रूसी ग्रेड का लगभग 16.5 फीसद हिस्सा था। रूसी तेल की खरीद में बढ़ोतरी का असर मिडिल ईस्ट के साथ-साथ बाकी मुल्कों से होने वाले आयल इम्पोर्ट पर पड़ा है। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव का कहना है कि रूस भारत के साथ सम्मानजनक संबंधों को बेहद तरजीह देता है। यही नहीं दुनिया के मुख्य मसलों पर दोनों देशों का रुख भी काफी हद तक एक दूसरे से मेल खाता है। मौजूदा वक्त में भी रूस की ओर से भारत को एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति निर्धारित समय के अनुसार अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। सनद रहे भारत ने भी रूस के साथ दोस्ताना रिश्तों का बेहद ख्याल रखा है। भारत ने कभी भी रूसी कार्रवाई की निंदा नहीं की है।

अमेरिका आम नागरिकों के लिए गन लाइसैंस पॉलिसी में बदलाव करेगा

- **रिपब्लिकन पार्टी के दस सांसदों ने भी सदन में लाये जाने वाले इस प्रस्ताव का समर्थन किया**
- **21 साल से कम आयु के खरीददारों की पृष्ठभूमि की जांच की जायेगी।**

वाशिंगटन, 13 जून (वार्ता)। अमेरिका में सीनेट के सदस्यों ने बंदूक पर नियंत्रण लगाने के मुद्दे पर एक प्रारूप की घोषणा किए जाने पर अपनी सहमति व्यक्त की। बी.बी.सी. ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में जानकारी दी। इस कदम पर विचार अमेरिका में गोलीबारी की तेजी से बढ़ती घटनाओं का विरोध करने के लिए हजारों की तादात में सड़कों पर उतरे लोगों को देखते हुए किया जा रहा है। इन नए उपायों के तहत 21 साल से कम उम्र के बंदूक खरीददारों की पृष्ठभूमि की कड़ी से कड़ी जांच की जाएगी और अवैध रूप से बंदूक की खरीद पर नकेल कसा जाएगा।

इस प्रस्ताव को रिपब्लिकन पार्टी के दस सांसदों का समर्थन मिला, जो काफी मायने रखता है। इसका मतलब यह है कि अब प्रस्ताव को पारित करने और इसे कानून का रूप देने के लिए मतदाताओं की पर्याप्त संख्या है।

इससे पहले राष्ट्रपति जो बाइडेन भी अमेरिकी कांग्रेस से हथियारों पर प्रतिबंध लगाने, खरीद से पहले बैकग्राउंड की जांच को और पुख्ता बनाने और प्रभावी बंदूक नियंत्रण उपायों को लागू करने का आग्रह कर चुके हैं।

दो हजार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिये, जिससे नेशनल हैरल्ड केस में गांधी परिवार के गलत कामों की जांच रुक जाये, ''सत्याग्रह'' करने के लिये कांग्रेस की निन्दा करते हुये, ईरानी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा उनके बेटे राहुल की यह कलई खुल गई है कि उनके द्वारा दान के लिये स्थापित की गई फर्म यंग इंडिया ने 2010 से 2016 तक के छ: वर्षों में दान जैसा कुछ नहीं किया, और यह रीयल एस्टेट व्यवसाय कर रही है।

ई.डी.ने लगभग ग्यारह घंटे राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुचलने के एक प्रयास के तहत सभी जगह पुलिसकर्मी तैनात किए गए। बघेल ने कहा कि ''विरोध प्रदर्शन करना विपक्षी पार्टी का लोकतांत्रिक अधिकार है और भाजपा उसे कुचलने की कोशिश कर रही है। सोनिया गांधी जब ई.डी. के समक्ष उपस्थित होंगी तब इससे भी बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।'' उन्होंने आगे कहा कि ''दिल्ली पुलिस चाहे कितनी भी बैरिकेडिंग करे, वह कितनी ही कोशिश कर ले, जीत सच्चाई की होगी। भाजपा नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार सिर्फ तानाशाही कर रही तथा देश के कानून का पालन नहीं किया जा रहा। यदि आप ई.डी. ऑफिस के बाहर आकर खड़े हो गए हैं तो पुलिस आपको गिरफ्तार कर लेगी।''

चौधरी ने अपनी शिकायत में कहा कि ''मैं शांतिपूर्ण तरीके से ई.डी. ऑफिस जा रहा था कि दिल्ली पुलिस ने मेरे साथ बुरी तरह से हाथापाई की। पुलिस अत्याचारों के दौरान मेरे ऊपरी जबड़े में चोट लग गई। कांग्रेस संवाद विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने एक प्रैस कॉंफ्रैंस को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस ने कांग्रेस के कई नेताओं को उनके घरों से बाहर निकलने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने दिल्ली में एक ''अघोषित आपातकाल'' लगा दिया है और आरोप लगाया कि पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं व नेताओं को गिरफ्तार किया गया है या नज़रबंद कर दिया गया है। उन्होंने पत्रकारों से कि ''मोदी सरकार ने दिल्ली में एक अघोषित आपातकाल लागू कर दिया है। और हजारों बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं, तथा गत रात्रि के बाद से हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। हम उस प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देंगे जो चुनाव विभाग और कठपुतली ई.डी. हमसे पूछेंगे।'' उन्होंने आगे कहा कि झूठ और अत्याचार के विरूद्ध कोर्ट में सच्चाई की जीत होगी। सुरजेवाला ने यह भी आरोप लगाया कि गोडसे के वंशज एक बार फिर गांधी और उनके वंशजों को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ''ना तो गोडसे गांधी को मार सका और ना ही उसके वंशज आज उसकी विचारधारा को मार सकेंगे।'' उन्होंने प्रश्न किया कि ''राहुल गांधी के ई.डी. ऑफिस जाने से पूर्व हजारों पुलिसकर्मी मध्य दिल्ली में क्यों तैनात किए गए हैं। क्या मोदी सरकार को कोई खतरा है? आप क्यों डरे हुए हैं?'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''भीरू और कायर'' मोदी सरकार सच्चाई की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। तथापि कांग्रेस ने इसे लेकर राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय किया था, जो एक शक्ति प्रदर्शन के रूप में योजनाबद्ध था। अन्य राज्यों के अलावा मध्य प्रदेश, असम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और केरल में भी विरोध प्रदर्शन किए गए।

शरद पवार विपक्ष के राष्ट्रपति पद के सर्वसम्मत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने भी फोन किया था।

खड़गे ने भी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे तथा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से इस विषय में बातचीत की थी।

कांग्रेस नेता ने कल बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी बात की थी, जिन्होंने बुधवार को दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में विपक्ष की एक मीटिंग बुलाई है। मीटिंग में राष्ट्रपति चुनाव के लिये संयुक्त रणनीति पर चर्चा होगी।

पवार, जो देश के वरिष्ठतम राजनेताओं में से एक हैं, कई गठबंधनों तथा मिली-जुली सरकारों को तोड़ने के लिये प्रसिद्ध रहे हैं।

उन्होंने भाजपा को विफल करने के लिये सैद्धान्तिक रूप से विरोधी दलों, जैसे शिवसेना, एन.सी.पी. तथा कांग्रेस को एक साथ लाकर महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ गठबंधन का निर्माण करने में स्वयं के कुशल राजनीतिज्ञ होने का परिचय दिया था।

भाजपा ने इस चुनाव के परिदृश्य से संबंधित सभी पार्टियों के साथ चर्चा करने तथा उन्हें सर्वसम्मति की तरफ लाने के लिये पार्टी प्रमुख जे.पी. नड्डा तथा केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को अधिकृत कर दिया है।

2017 में, भाजपा ने विभिन्न दलों से सम्पर्क करने की जिम्मेदारी राजनाथ सिंह तथा वेंकैय्या नायडू को सौंपी थी। बाद में, वेंकैय्या नायडू उपराष्ट्रपति पद के लिये एन.डी.ए. के उम्मीदवार बना दिये गये थे।

अगर सर्वसम्मति नहीं बन पाती है तो भाजपा चुनाव की तैयारी करेगी। कई नामों की अटकलें लगाई जा रही हैं लेकिन भाजपा ने किसी नाम की पुष्टि नहीं की है।

राष्ट्रपति चुनाव मतदाता-मण्डल पर आधारित होता है जिसमें विधायक एवं सांसद शामिल होते हैं। करीब 4,809 निर्वाचक जिनमें सांसद और विधायक- दोनों ही शामिल हैं, नये राष्ट्रपति के लिये वोट डालेंगे।

प्रत्येक विधायक के वोट का मूल्य संबंधित राज्य की जनसंख्या तथा विधानसभा सीटों की संख्या पर निर्भर होता है। मतदाता-मण्डल की कुल स्ट्रैंथ 10,86,431 है। जिस प्रत्याशी को 50 प्रतिशत से अधिक वोट मिल जायेंगे, वह जीत जायेगा। भाजपा एवं मित्र दलों के कुल वोट बहुमत के आँकड़े से 13,000 कम हैं। 2017 में, सत्तारूढ़ गठबंधन को के. चन्द्रशेखर राव की तेलंगाना राष्ट्र समिति (टी.आर.एस.), जगन रेड्डी की वाई.एस.आर. कांग्रेस तथा ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की बी.जे.डी. का समर्थन प्राप्त था। लेकिन इस बार चन्द्रशेखर राव या के.सी.आर. भाजपा का मिलकर सामना करने के लिए विपक्ष को एकजुट करने के लिए बढ़-चढ़ कर प्रयास कर रहे हैं।

'चिदम्बरम और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धक्का मारा कि पूर्व वित्त मंत्री चिदम्बरम का चश्मा जमीन पर गिर गया। सुरजेवाला ने लिखा, ''मोदी सरकार बर्बरता की हर हद पार कर गई। पूर्व गृह मंत्री, पी.चिदंबरम के साथ पुलिस की धक्का-मुक्की हुई, चश्मा जमीन पर फेंका, उनकी बांयीं पसलियों में हेयरलाइन फ्रैक्चर है। सांसद प्रमोद तिवाड़ी को सड़क पर फेंका गया। सिर में चोट और पसली में फ्रैक्चर है। क्या यह प्रजातंत्र है?'' इससे पहले देश की मुख्य विपक्षी दल ने यह दावा भी किया कि राहुल गांधी की ई.डी. के समक्ष पेशी पर पार्टी के 'सत्याग्रह' को रोकने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने नई दिल्ली इलाके में 'अघोषित आपातकाल' लगा दिया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908